केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

वाणी पर हमारा नियंत्रण होना चाहिये क्योंकि हमारी एक छोटी-सी टिप्पणी भी किसी का मान सम्मान नष्ट कर सकती है।

वर्ष : 16 अंक : 239 | उज्जैन, रविवार 8 फरवरी 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने राष्ट्रीय दलहन मिशन के पोर्टल का किया शुभारंभ

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के बुलेटिन एवं इकार्डा की पुस्तिका का किया विमोचन

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश की उपजाऊ धरती, समृद्ध जल संसाधन और अनुकूल जलवायु हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं। इकार्डा जैसे अंतर्राष्ट्री य अनुसंधान संस्थान का सशक्त होना प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। भारत में अन्न केवल उत्पादन नहीं, बल्कि जीवन, संस्कृति और संस्कार का आधार है ÷अन्न देवो भव÷ हमारी कृषि परंपरा का मूल मंत्र है। मध्यप्रदेश 'कृषक कल्याण वर्ष' मना रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'बीज से बाजार तक' किसान के साथ खड़ी सरकार ने दलहन आत्मनिर्भरता मिशन की शुरुआत की है। इसका लक्ष्य वर्ष 2030-31 तक दलहन उत्पादन को 350 लाख टन तक पहुंचाना, आयात निर्भरता कम करना और किसानों की आय बढ़ाना है। इस मिशन किसानों को बेहतर बीज, आधुनिक भंडारण और सुनिश्चित विपणन की सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा दाल उत्पादक एवं उपभोक्ता देश है। दलहन उत्पादन में मध्यप्रदेश देश में पहले स्थान पर है, जिससे इस मिशन का सर्वाधिक लाभ प्रदेश के किसानों को मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को सीहोर जिले के अमलाहा स्थित खाद्य दलहन अनुसंधान केंद्र में दलहन आत्मनिर्भरता राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत आयोजित राष्ट्रीय परामर्श एवं रणनीति सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने दीप प्रज्ज्वलित कर राष्ट्रीय परामर्श एवं रणनीति सम्मेलन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय शुष्क क्षेत्र कृषि अनुसंधान केंद्र सीहोर के नवनिर्मित प्रशासनिक भवन, प्रशिक्षण केंद्र तथा अत्याधुनिक प्लांट टिशु कल्चर प्रयोगशाला का लोकार्पण भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इकार्डा का यह नवीन भवन प्रदेश के अन्नदाताओं के लिए नई आशाओं और संभावनाओं का द्वार खोलेगा। यह केंद्र वैज्ञानिक खेती, उन्नत तकनीक और वैश्विक कृषि अनुभव को किसानों से जोड़ने में ऐतिहासिक भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंचाई विस्तार और जल संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि इकार्डा द्वारा विकसित वैज्ञानिक मॉडल प्रदेश की योजनाओं को मजबूत आधार प्रदान करेंगे। केन्द्रीय कृषि मंत्रालय और इकार्डा का यह संयुक्त प्रयास मध्यप्रदेश को टिकाऊ और समृद्ध कृषि का राष्ट्रीय ही नहीं, वैश्विक मॉडल बना सकता है। उन्होंने कहा कि सीहोर का यह राष्ट्रीय सम्मेलन दलहन क्षेत्र की वर्तमान चुनौतियों, मूल संवेदनाओं और भविष्य की संभावनाओं पर गहन विमर्श का सशक्त मंच बनेगा और नीति निर्धारण व अनुसंधान के क्षेत्र में मील का पत्थर सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्रीय कृषि मंत्रालय एवं इकार्डा की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह अनुसंधान केंद्र प्रदेश की कृषि को नई दिशा देगा और किसानों के जीवन में एक सकारात्मक बदलाव लेकर आएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश भारत का फूड बॉस्केट है। भारतीय संस्कृति में अन्न देवता के माध्यम से समाज पल्लवित होता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश के विकास और कल्याण के लिए 4 श्रेणियां गरीब, किसान, युवा और नारी कल्याण बताई हैं। हमारी भारतीय सभ्यता में कृषि आधारित जीवन शैली विकसित हुई। आधुनिक समय में खेती में कई प्रकार के विकार आ गए। खेती में रासायनिक खादों के अत्यधिक उपयोग से हमारी जीवन शैली में बदलाव आया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हमेशा किसानों के हितों को सर्वोपरि रखा। अमेरिका जैसे देश ने भारत की बात मानी। उन्होंने कहा कि दाल हर भारतीय परिवार की प्रतिदिन की थाली का अभिन्न हिस्सा और हर मौसम में भारतीय परिवारों की जरूरत है। इसका उत्पादन और खपत बताता है कि दलहन क्षेत्र में हमें और अधिक काम करने की जरूरत है। इसलिए अब मध्यप्रदेश में दलहन फसलों का उत्पादन तेजी से बढ़ायेंगे। इसके लिए हम केन्द्र सरकार के साथ हम-कदम होकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार दालों के मामले में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए केंद्र सरकार के हर मिशन, हर संकल्प की पूर्ति में हर जरूरी सहयोग देगी। हम देश में दाल समृद्धि का संकल्प मिल-जुलकर पूरा करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

सबरीमाला सोना चोरी मामले में यूडीएफ संयोजक अदूर प्रकाश से पूछताछ, सोनिया गांधी संग तस्वीर पर उठे सवाल

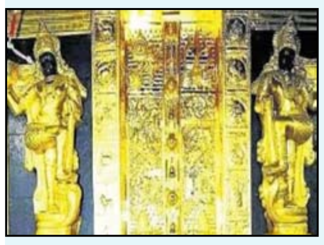

नई दिल्ली/ जीएनएस। सबरीमाला मंदिर से सोना गायब होने के मामले की जांच कर रही एसआइटी ने शनिवार, 7 फरवरी को यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) संयोजक और कांग्रेस सांसद अदूर प्रकाश से पूछताछ की। इस संबंध में नोटिस जारी होने के बाद प्रकाश सुबह यहां अपराध शाखा कार्यालय पहुंचे। प्रकाश के अलावा मुख्य आरोपित जमानत पर चल रहे उन्नीकृष्णन पोट्टी से भी एसआइटी ने पूछताछ की। प्रकाश से लगभग ढाई घंटे तक पूछताछ चली। प्रकाश ने पत्रकारों से कहा- मैंने सभी सवालों के स्पष्ट उत्तर दिए हैं। मुख्य आरोपित उन्नीकृष्णन पोट्टी के साथ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी से उनके आवास पर मुलाकात करते हुए प्रकाश की एक तस्वीर सामने आने के बाद वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) ने प्रकाश के खिलाफ आरोप लगाए हैं। आरोपों का जवाब देते हुए प्रकाश ने कहा कि वह पोट्टी से कई बार मिल चुके थे और उसके द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भी शामिल हुए थे। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सबरीमाला सोना गायब होने के मामले से उनका कोई संबंध नहीं है। प्रकाश ने दावा किया कि पोट्टी उनके निर्वाचन क्षेत्र का निवासी है और वह उसे अय्यप्पा के भक्त के रूप में जानते थे।कांग्रेस नेता और सांसद केसी वेणुगोपाल ने पत्रकारों से कहा, एसआइटी किसी से भी पूछताछ करने के लिए स्वतंत्र है और कानून को अपना काम करने देना चाहिए। केसी वेणुगोपाल ने कहा, केरल के लोग जानते हैं कि सबरीमाला से सोना किसने चुराया और अपराधियों की रक्षा कौन कर रहा है।

भारतीय तटरक्षक बल को मिली बड़ी सफलता, अंतरराष्ट्रीय तेल तस्करी रैकेट का किया भंडाफोड़

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय तटरक्षक बल (आइसीजी) ने एक सुनियोजित समुद्री-हवाई समन्वित अभियान के जरिये एक अंतरराष्ट्रीय तेल तस्करी रैकेट का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ किया है। इस अभियान से संघर्षग्रस्त क्षेत्रों से उत्पन्न होने वाले भारी मात्रा में तेल और तेल-आधारित कार्गो के अवैध हस्तांतरण में शामिल एक जटिल नेटवर्क ध्वस्त हुआ है। पांच फरवरी को मुंबई से लगभग 100 समुद्री मील पश्चिम में भारतीय तटरक्षक बल के जहाजों ने तीन संदिग्ध जहाजों को पकड़ा। गिरोह में कई देशों में काम करने वाले दलाल शामिल बल की विशेषज्ञ बोर्डिंग टीमें जहाजों की लगातार तलाशी, जहाज पर बरामद इलेक्ट्रानिक डाटा की पुष्टि, दस्तावेजों का सत्यापन और चालक दल के सदस्यों से विस्तृत पूछताछ के द्वारा घटनाक्रम की पूरी जानकारी जुटाने और आपराधिक कार्यप्रणाली की पुष्टि कर पाई। तस्करी करने वाले गिरोह ने एक ऐसी कार्यप्रणाली अपनाई थी जिसमें सस्ते तेल को समुद्री जहाजों द्वारा ले जाया जाता था और अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में मोटर टैंकरों में स्थानांतरित किया जाता था। प्रारंभिक जांच से पता चला कि गिरोह में कई देशों में काम करने वाले दलाल शामिल थे, जो समुद्र में जहाजों के बीच माल की बिक्री और हस्तांतरण कार्य का समन्वय करते थे। तटीय राज्यों को देय भारी शुल्क की चोरी हो रही थी बल की तकनीक-आधारित निगरानी प्रणालियों द्वारा पता चलने के बाद यह अभियान शुरू किया गया, जिसमें भारतीय विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के भीतर संदिग्ध गतिविधि में लिप्त एक मोटर टैंकर की पहचान की गई। इसके बाद, जहाजों की आवाजाही की डिजिटल जांच और डाटा पैटर्न विश्लेषण से टैंकर की ओर आ रहे दो अतिरिक्त जहाजों की पहचान हुई, जिन पर अवैध रूप से तेल के जहाज-से-जहाज पर हस्तांतरण में शामिल होने का संदेह था, जिससे भारत सहित तटीय राज्यों को देय भारी शुल्क की चोरी हो रही थी।

फरीदाबाद के सूरजकुंड मेले में बड़ा हादसा, लोगों को बचाने में पुलिस इंस्पेक्टर की हुई मौत

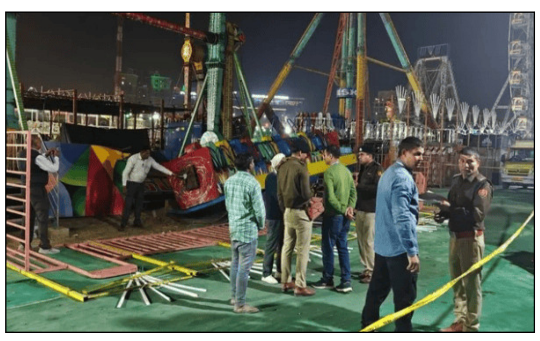

फरीदाबाद/ जीएनएस। विश्वप्रसिद्ध सूरजकुंड मेले में शनिवार को दो हादसों ने लोगों को दुखी कर दिया। मेला परिसर में लगा एक झूला टूटता देख वहां खड़े लोगों को बचाने पहुंचे एक इंस्पेक्टर की इस हादसे में जान चली गई। वहीं, दुर्घटना में करीब आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इससे पहले दोपहर के समय मेले का दूसरे नंबर का प्रवेश द्वार गिर गया था। इससे वहां मौजूद एक बच्चा और एक अधेड़ घायल हो गए थे।

झूले और प्लेटफॉर्म के बीच फंसी गर्दन - वहां मौजूद लोगों के मुताबिक, एम्यूजमेंट पार्क में झूले के पास ड्यूटी दे रहे पुलिस इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद की इस हादसे में जान चली गई। बताया जा रहा है कि झूला पहले बायीं तरह तरफ गिराता दिखा। हादसे को भांपते हुए इंस्पेक्टर जगदीश ने जैसे ही वहां खड़े लोगों को हटाने की कोशिश की तो झूला एकाएक दायीं तरफ झुक गया और झूले और प्लेटफॉर्म के बीच में इंस्पेक्टर की गर्दन आ गई।

घायलों में एक और पुलिसकर्मी- इस हादसे में वे बुरी तरह घायल हो गए। उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस दुर्घटना में चार घायलों को एम्बुलेंस की मदद से बीके अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें एक राजेश नाम का पुलिसकर्मी भी है। फरीदाबाद के डीसी आयुष सिन्हा भी जानकारी मिलते ही मेला परिसर पहुंचे। उन्होंने कहा है कि मामले की जांच के बाद दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। हादसे के पास ही फूड स्टॉल लगाने वाले श्रवण कुमार ने बताया कि लोग झूले में झूल रहे थे। शनिवार का दिन और शाम का समय होने के कारण वहां खचाखच भीड़ बनी हुई थी। इसी बीच अचानक झूले का एक सिरा टूट गया। हम लोग तुरंत ही वहां लोगों की मदद करने के लिए पहुंचे। हादसे के बाद चारों ओर अफरातफरी का माहौल सा बन गया था।

इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद पलवल में चांटहट थाने में तैनात थे। कुछ दिन पहले ही ट्रांसफर कर उनको पुलिस लाइन में तैनात किया गया था। वह उत्तर प्रदेश के जिला मथुरा के रहने वाले थे। वे दो महीने पहले ही ट्रांसफर होकर सोनीपत से आये थे। 15 दिन पहले चांटहट थाने से तबादला कर उन्हें पुलिस लाइन में लगाया गया था। वे मूलतः मथुरा के ढींगरा गांव के रहने वाले थे।

इस बड़े हादसे के बाद मची अफरातफरी को देखते हुए सूरजकुंड मेले में शाम का मुख्य सांस्कृतिक कार्यक्रम रद करना पड़ा। मेला परिसर में बनाए गए मुख्य चौपाल के मंच पर गायक नवीन पूनिया और स्टैंड अप कॉमेडियन अमित टंडन की प्रस्तुति होने वाली थी। वहीं, सप्ताहांत को देखते हुए मेले का लुत्फ लेने पहुंचे लोग भी अपने घर रवाना होने लगे।

एआई के बढ़ते चलन के साथ-साथ मानव मस्तिष्क भी नया आकार लेगा: प्रोफेसर रविंद्रन

नई दिल्ली/ जीएनएस। दुनिया में एआई की अवधारणा भले ही पहली बार लगभग 96 साल पहले अस्तित्व में आई, लेकिन चैट जीपीटी लांच होने के बाद व्यापक स्तर पर जनजीवन को प्रभावित करना शुरू किया। एआई मिशन के बीच इसके अच्छे-बुरे असर को लेकर छिड़ी विश्वव्यापी बहस के बीच भारत सरकार और आइआइटी मद्रास मिलकर फरवरी के तीसरे सप्ताह में एआई इम्पैक्ट समिट-2026 आयोजित करने जा रही है। इसमें एआई के प्रभाव-दुष्प्रभाव व नवाचारों को एक मंच पर लाने की तैयारी है। इस समिट की रूप-रेखा तैयार करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं आइआइटी मद्रास के वाधवानी स्कूल आफ डाटा साइंस एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सेंटर फार रिस्पान्सिबल एआई के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर बालारमन रविंद्रन। मंगलवार को यूएन द्वारा घोषित 40 विज्ञानियों की अंतरराष्ट्रीय एआई समिति में उन्हें शामिल किया गया है। देश के एआई मिशन को गति देने में जुटे प्रोफेसर रविंद्रन कहते हैं कि यदि आपको एआई का उपयोग आता है।

मल्लेश्वरम में माता ललिता का महायज्ञ हुआ संपन्न, 5000 से अधिक श्रद्धालुओं ने किया पूजन

नई दिल्ली/ जीएनएस। बेंगलुरु स्थित मल्लेश्वरम में देश के वरिष्ठ संत स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी के संरक्षण में देश के प्रगति, विश्व शांति और गरीब कल्याण के ध्येय से आहुत श्री विद्या कोटि कुमकुमार्चन महायज्ञ संपन्न हुआ।

पूरे विधि विधान से माता ललिता जी का पूजन कर महायज्ञ प्रारंभ हुआ। पांच हजार से अधिक सुहासिनी महिलायें और श्रद्धालुओं ने श्री ललिता सहस्त्रनाम के मंत्रों का करोड़ बार पढ़कर सिंदूर से अर्चन किया। 40 शहरों में हो चुका है महायज्ञ का आयोजन

स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी के द्वारा अब तक देश के 40 प्रमुख शहरों में श्री विद्या कोटि कुमकुमार्चन महायज्ञ का आयोजन किया जा चुका है। स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी के संरक्षण में माता ललिता का 41 वां महायज्ञ संपन्न हुआ।

कौन हैं वांडी वर्मा, जिन्होंने रोवर को दिया डिजिटल दिमाग? भारतीय मूल की वैज्ञानिक नासा के मिशन में निभा रहीं अहम भूमिका

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय मूल की प्रमुख वैज्ञानिक वांडी वर्मा ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है और भारत का नाम रोशन किया है। उनके योगदान से अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के पर्सिवियरेंस रोवर को मंगल मिशन में नई ताकत मिली है।

वांडी वर्मा ने मंगल मिशन में निभाई अहम भूमिका- वांडी वर्मा की रोबोटिक्स तकनीक ने नासा के मिशन को आसान बना दिया। वांडी वर्मा ने एक तरह से रोवर को डिजिटल दिमाग दे दिया, जिससे पर्सिवियरेंस रोवर ने पहली बार एआई की मदद से अपनी पूरी ड्राइव योजना खुद तैयार की। वांडी वर्मा के इस तकनीक को लाने से पहले ऐसे मिशन में रोवर की हर छोटी-बड़ी गतिविधि के निर्देश पृथ्वी से भेजे जाते थे, जिससे काम धीमा और जटिल हो जाता था।

रोवर के डिजिटल दिमाग की वजह से ही रोवर मंगल की ऊबड़-खाबड़ सतह पर हालात को समझते हुए तेज और सुरक्षित फैसले ले पा रहा है।

आंध्र प्रदेश में खंभे से टकराकर खाई में गिरी बस बनी आग का गोला

नई दिल्ली/ जीएनएस। आंध्र प्रदेश में एक स्लीपर बस खाई में गिरने से हादसे का शिकार होई। हादसे के वक्त बस में 30 यात्री सवार थे। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को तीस यात्री बाल-बाल बच गए, जब वे जिस प्राइवेट स्लीपर बस में यात्रा कर रहे थे, कथित तौर पर खाई में गिर गई और उसमें आग लग गई।

उन्होंने बताया कि यह घटना बेंगलुरु-तुमकुर हाईवे पर नेलमंगला के पास हुई। यह हादसा कथित तौर पर ड्राइवर की लापरवाही के कारण हुआ, बस पहले एक बिजली के खंभे से टकराई और फिर खाई में गिर गई।

हादसे के सही कारणों की जांच में जुटी पुलिस- माना जा रहा है कि शॉर्ट-सर्किट की वजह से आग लगी। एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसे के तुरंत बाद, सभी यात्री आग फैलने से पहले खुद ही बस से बाहर निकलने में कामयाब रहे। हालांकि, अभी यह पता नहीं चल पाया है कि क्या ड्राइवर को गाड़ी चलाते समय नींद आ गई थी, जिसके कारण गाड़ी बिजली के खंभे से टकरा गई। उन्होंने कहा कि हादसे के सही कारण की जांच चल रही है। उन्होंने आगे कहा, नेलमंगला ट्रैफिक पुलिस और फायर ब्रिगेड के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और आग बुझाई। हालांकि, बस पूरी तरह से जल गई थी। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

अमेरिका से ट्रेड डील में देरी से भारत को दोहरा फायदा, नए बाजारों की तलाश से कुल निर्यात बढ़कर हुआ इतना

नई दिल्ली/ जीएनएस। पिछले साल फरवरी मध्य में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण पर वार्ता शुरू करने की घोषणा की थी। तब दोनों देशों ने इस वार्ता के अक्टूबर 2025 तक पूरा होने की उम्मीद जाहिर की थी।

अप्रैल 2025 में अमेरिका की तरफ से 25 प्रतिशत के पारस्परिक शुल्क की घोषणा और उसके बाद अगस्त में रूस से तेल खरीदने के कारण भारत पर और 25 प्रतिशत का शुल्क लगाने से अमेरिकी बाजार में भारतीय निर्यात पर संकट के बादल मंडराने लगे। अमेरिका के बाजार में सितंबर 2025 से भारतीय निर्यात पर 50 प्रतिशत के अलावा अप्रैल से पहले वाले शुल्क भी लगने लगे। अमेरिका ब्राजील के बाद भारत से ही सबसे अधिक शुल्क वसूल रहा था। इस चुनौती ने भारतीय निर्यातकों को वैकल्पिक बाजार तलाशने के लिए मजबूर किया और इस काम में सरकार ने भी पूरा साथ दिया।

200 देशों के वाणिज्यिक दूतावास के साथ संपर्क कर उन देशों में भारतीय वस्तुओं को प्रोत्साहित करने के लिए कहा गया। अगस्त के बाद दर्जन भर से अधिक नए देश व नए उत्पाद निर्यात के लिए जोड़े गए।

जार्डन, मिस्त्र, ओमान, इजरायल, सूडान जैसे देशों में भारत का निर्यात बढ़ने लगा। उदाहरण के लिए- समुद्री उत्पाद के निर्यात में अमेरिका भारत का सबसे बड़ा बाजार है, लेकिन 50 प्रतिशत शुल्क के बाद भारत ने वियतनाम, बेल्जियम, चीन व रूस जैसे देशों में समुद्री उत्पादों को बेचना शुरू किया। इन देशों को होने वाले निर्यात में पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की समान अवधि की तुलना में चालू वित्त वर्ष में 20 प्रतिशत से लेकर 90 प्रतिशत तक का इजाफा रहा।

इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा जैसे कुछ उत्पाद को अमेरिका ने 50 प्रतिशत के शुल्क से मुक्त रखा। इन उत्पादों की मदद से अमेरिका को होने वाले कुल निर्यात में चालू वित्त वर्ष 2025-26 के अप्रैल-दिसंबर में गत वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में आठ प्रतिशत का इजाफा ही हुआ। अप्रैल-दिसंबर 2025 के दौरान भारत ने अमेरिका को कुल 65.88 अरब डॉलर का निर्यात किया, अप्रैल-दिसंबर 2024 में यह निर्यात 60.2 अरब डॉलर का था।

लेकिन दूसरी तरफ गारमेंट, लेदर फुटवियर, जेम्स व ज्वेलरी, इंजीनियरिंग गुड्स जैसे कई रोजगारपरक उत्पादों के निर्यात अमेरिका में प्रभावित होने लगे। लेकिन पिछले पांच-छह महीनों में निर्यातकों के प्रयासों का ही नतीजा है कि चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-दिसंबर 2025 के दौरान पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में वस्तुओं के कुल निर्यात में 2.44 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

स्नेह धाम संचालन को लेकर फैलाई जा रही भ्रांतियों पर इंदौर विकास प्राधिकरण का स्पष्टीकरण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के बेहतर रहन-सहन की सुविधा के उद्देश्य से योजना क्रमांक 134 में स्नेह धाम का निर्माण कराया गया था। इसके संचालन एवं रख-रखाव की जिम्मेदारी मे. होटल बालाजी सेंट्रल को सौंपी गई थी। प्राधिकरण द्वारा जारी जानकारी के अनुसार संबंधित एजेंसी द्वारा निविदा की शर्तों के अनुरूप निर्धारित बैंक गारंटी समय पर जमा नहीं की गई, जिस पर पहले सूचना पत्र जारी किया गया, लेकिन इसके बाद भी शर्तों का पालन नहीं होने के कारण अनुबंध निरस्तीकरण हेतु नोटिस जारी किया गया है।

इसी बीच कुछ तत्वों द्वारा यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि प्राधिकरण ने स्नेह धाम में रह रहे वरिष्ठ नागरिकों को नोटिस दिया है, जबकि यह तथ्य पूरी तरह गलत है। वस्तुतः यह अनुबंध एजेंसी कंपनी और वरिष्ठ नागरिकों के बीच का है, और कंपनी अपने दायित्वों से हटकर वरिष्ठ नागरिकों को वहां से हटाने का प्रयास कर रही है।

इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालिक अधिकारी डॉ. परिक्षित झाड़े ने स्पष्ट किया है कि स्नेह धाम में निवासरत सभी वरिष्ठ नागरिकों के हितों का संरक्षण प्राधिकरण की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि अनुबंध निरस्त होने की स्थिति में नवीन निविदा प्रक्रिया पूर्ण होने तक स्नेह धाम का संचालन किसी सक्षम एनजीओ अथवा संस्था के माध्यम से कराया जाएगा, ताकि व्यवस्थाएं सुचारु रूप से चलती रहें।

डॉ. झाड़े ने यह भी आश्वस्त किया कि प्राधिकरण यह सुनिश्चित करेगा कि किसी भी वरिष्ठ नागरिक को किसी प्रकार की असुविधा न हो और उनके सम्मान, सुरक्षा एवं सुविधाओं से कोई समझौता न किया जाए।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने अहिल्या गारमेंट सिटी बरलाईजागीर के विकास कार्यों की समीक्षा की

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने अहिल्या गारमेंट सिटी बरलाईजागीर की स्थापना के संबंध में एम.पी.आई.डी.सी. एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा की। मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि अहिल्या गारमेंट सिटी सांवेर विधानसभा के बरलाईजागीर में लगभग 44 करोड रुपये की लागत से तैंतीस हैक्टेयर औद्योगिक क्षेत्रफल में स्थापित की जाएगी, जिसमें लगभग तीस हजार नागरिकों को रोजगार मिलेगा। यहां पर लगभग 2 हजार 500 करोड रूपये का निवेश होगा। ग्राम बरलाईजागीर में अहिल्या गारमेंट सिटी की स्थापना होने पर आर्थिक गतिविधियां बढेगी और क्षेत्र का विकास होगा तथा क्षेत्रीय लोगों को रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के प्रयासों से सहकारिता विभाग से उद्योग विभाग को जमीन हस्तांतरित की गई है। यहां पर अमेजन, अरविन्द लिमिटेड और नोइज जीन्स लिमिटेड जैसी बड़ी कम्पनियों की इकाइयां स्थापित होगी जिसमें वस्त्र निर्माण और लॉजिस्टिक्स भी शामिल रहेगा। मंत्री श्री सिलावट ने श्री हिमाशु प्रजापति कार्यकारी निर्देशक, एम.पी.आई.डी.सी. एवं तहसीलदार श्री विकास रघुवंशी एवं अन्य विभागीय उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अहिल्या गारमेंट सिटी में कारखानों, श्रमिकों के लिए आवास, पुलिस स्टेशन, अस्पताल, अग्निशमन केन्द्र और पार्किंग, प्लांटेशन पार्क, सीएम राईज स्कूल, ड्रेनेज, एसटीपी, संपवेल, स्पोर्ट्स काम्पलेक्स सहित अन्य व्यवस्थाओं की संपूर्ण तैयारियां समय पर पूर्ण करायें। आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 को ध्यान में रखते हुए संपूर्ण तैयारियां समय-सीमा में पूर्ण करायें ताकि क्षेत्र के लोगों को रोजगार उपलब्ध हो सके। बरलाई जागीर बायपास पर ऐसे स्थान पर स्थित है, जहां से चारों मुख्य मार्ग मुम्बई, आगरा, दिल्ली एवं भोपाल तथा उज्जैन-जावरा होते हुए राजस्थान राज्य तक की कनेक्टिविटी मिलेगी।

महाकवि विद्यापति जयंती पर इंदौर में सजेगा मिथिला की संस्कृति का भव्य उत्सव

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मिथिला की समृद्ध लोक-संस्कृति, सुमधुर गीत-संगीत और सामाजिक एकता का अनुपम संगम रविवार, 8 फरवरी को इंदौर में देखने को मिलेगा। शहर के अप्रवासी मैथिल समाज की प्रतिष्ठित संस्था विद्यापति परिषद, इंदौर द्वारा महाकवि विद्यापति जयंती के अवसर पर आनंद मोहन माथुर सभागार, विजय नगर में भव्य सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

इस आयोजन के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश शासन के जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट होंगे। परिषद के मार्गदर्शक लक्ष्मण झा एवं विजय झा, अध्यक्ष सुमन झा तथा महासचिव कालीकांत पोद्दार ने जानकारी देते हुए बताया कि समारोह अपरान्ह 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा महाकवि विद्यापति के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ होगा।

शुभारंभ सत्र के पश्चात स्थानीय मैथिल कलाकार अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभागार को मिथिलामय बना देंगे। संध्या 5 बजे के बाद मिथिला के सुप्रसिद्ध कलाकार माधव राय, राधे भाई, ज्योति प्रिया, चांदनी झा 'चकोर' एवं गौरव झा मैथिली लोक गीतों, रीति-रिवाजों और संस्कारों पर आधारित रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों को मिथिला की सांस्कृतिक यात्रा पर ले जाएंगे।

शहर के मैथिल समाज के वरिष्ठ समाजसेवी एवं वरिष्ठ पत्रकार के. के. झा ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य इंदौर में निवासरत मैथिल समाज को एक साझा मंच प्रदान करना है, जिससे सामाजिक समरसता, आपसी मेल-जोल और सामुदायिक एकता को सुदृढ़ किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह समारोह केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि मिथिला की भाषा, परंपराओं, लोक-संस्कृति और संस्कारों के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सार्थक प्रयास है।

प्रति शनिवार चलेगा 'क्लीन रेड स्पॉट' अभियान, सरवटे परिसर व राजवाड़ा से महापौर ने की शुरुआत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छता में देशभर में पहचान बना चुके इंदौर शहर ने एक बार फिर स्वच्छता को नई दिशा देते हुए 'क्लीन रेड स्पॉट' एवं 'नो थू-थू' अभियान की शुरुआत की है। स्वास्थ्य प्रभारी श्री अश्विनी शुक्ल ने जानकारी देते हुए बताया कि महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव द्वारा सरवटे बस स्टैंड एवं राजवाड़ा परिसर से प्रति शनिवार चलने वाले इस विशेष अभियान का शुभारंभ किया गया।

अभियान की शुरुआत के बाद महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव स्वयं सरवटे बस स्टैंड क्षेत्र एवं राजवाड़ा मुख्य द्वार पहुंचे और रेड स्पॉट समाप्त करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान में सक्रिय सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने आम नागरिकों को सार्वजनिक स्थलों पर थूकने से रोकते हुए स्पीट कप अथवा स्पीट बॉक्स के उपयोग के लिए समझाइश दी। अभियान के अंतर्गत राहगीरों को स्पीट कप वितरित किए गए तथा स्वच्छता बनाए रखने की अपील की गई।

इस अवसर पर स्वास्थ्य प्रभारी श्री अश्विनी शुक्ल, पार्षद श्रीमती पंखुड़ी जैन डोषी, सुश्री रूपाली पेंढारकर, अपर आयुक्त श्री प्रखर सिंह, स्वास्थ्य अधिकारी सहित नगर निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए अब शहर के समस्त 85 वार्डों में प्रत्येक शनिवार 'क्लीन रेड स्पॉट' अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इंदौर की पहचान स्वच्छता है और नगर निगम निरंतर नवाचार के माध्यम से शहर को स्वच्छ बनाए रखने के प्रयास कर रहा है। इस अभियान के तहत चिन्हित रेड स्पॉट्स की नियमित सफाई की जाएगी, साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर थूकने वालों को पहले समझाइश दी जाएगी और नियमों का उल्लंघन करने पर चालानी कार्रवाई भी की जाएगी।

महापौर ने राजवाड़ा क्षेत्र में चलाए गए 'नो थू-थू' अभियान के दौरान नागरिकों से अपील की कि वे सार्वजनिक स्थानों को गंदा न करें और अपने वाहनों में अनिवार्य रूप से स्पीट बॉक्स रखें। उन्होंने कहा कि नागरिकों के सहयोग से ही इंदौर लगातार स्वच्छता में नंबर वन बना हुआ है और इसी सहभागिता से शहर को रेड स्पॉट मुक्त बनाया जा सकता है।

अभियान के अंतर्गत शहर के अन्य क्षेत्रों में भी व्यापक स्तर पर कार्रवाई की गई। बॉम्बे हॉस्पिटल चौराहा, विश्राम बाग, मुखर्जी नगर उज्जैन नाका चौराहा, सुपेकर मार्केट चौराहा, राजेंद्र नगर रेलवे स्टेशन, एलआईजी चौराहा, हीरानगर, सुकलिया, लोकमान्य नगर, पलासिया चौराहा सहित सभी 85 वार्डों के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों और चौराहों पर 'नो थू-थू' एवं 'क्लीन रेड स्पॉट' अभियान चलाया गया। इस दौरान विभिन्न वार्डों के पार्षद, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, झोनल अधिकारी, स्वास्थ्य अधिकारी, सीएसआई, दरोगा एवं नगर निगम कर्मचारी उपस्थित रहकर अभियान में सहभागी बने।

नन्हे कदमों से बड़ा संदेश, स्कूल बच्चों ने सड़क सुरक्षा जागरूकता में निभाई अहम भूमिका

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस द्वारा लगातार सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) श्री आर.के. सिंह एवं पुलिस उपायुक्त (यातायात) श्री राजेश कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में यह अभियान आमजन तक प्रभावी संदेश पहुंचा रहा है।

इसी क्रम में आज महूनाका चौराहा पर एचीविंग स्कॉलर्स पब्लिक स्कूल, गुमास्ता नगर के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने में सराहनीय योगदान दिया। बच्चों ने यातायात पुलिस इंदौर के साथ मिलकर हाथों में सड़क सुरक्षा संदेशों वाले पोस्टर और हेलमेट लेकर वाहन चालकों से यातायात नियमों के पालन की अपील की।

बच्चों की मासूमियत और उनके सशक्त संदेशों ने राहगीरों एवं वाहन चालकों को भावुक कर दिया। हेलमेट हमारी सुरक्षा के लिए है, ये बात हम बच्चों को समझ में आ गई, न जाने बड़ों को कब समझ में आएगी और मम्मी-पापा करते हो हमसे प्यार, तो हेलमेट पहनकर निकलो हर बार जैसे संदेशों के माध्यम से बच्चों ने सड़क सुरक्षा का महत्व प्रभावी रूप से समझाया। बच्चों द्वारा हेलमेट दिखाते हुए की गई अपील–अंकल हेलमेट जरूर लगाइए– का भी सकारात्मक असर देखने को मिला, जिससे कई दोपहिया वाहन चालकों ने मौके पर ही हेलमेट पहनने और नियमों का पालन करने का संकल्प लिया।

यातायात पुलिस इंदौर द्वारा इस अवसर पर स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों एवं बच्चों के प्रयासों की भूरी-भूरी प्रशंसा की गई और भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया।

पुलिस का मानना है कि बच्चों के माध्यम से दिया गया संदेश समाज पर गहरा प्रभाव डालता है और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है।

स्वच्छता में नंबर वन बनने के लिए फिर मैदान में, मेयर ने बस स्टैंड पर जाकर साफ किए रेड स्पॉट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आठ साल से लगातार स्वच्छता में नंबर वन का खिताब हासिल करने वाले इंदौर नगर निगम ने अपना पहला क्रम बरकरार रखने के लिए फिर तैयारी शुरू कर दी है। शहर में नो थू-थू अभियान शुरू किया गया है। लोगों को जागरूक किया जा रहा है, ताकि वे पान-गुटखे की पीक सड़कों पर या सार्वजनिक दीवारों पर न थूकें। मेयर पुष्यमित्र भार्गव इस अभियान की अगुवाई करते हुए सरवटे बस स्टैंड पहुंचे और लाल धब्बों के निशान उन्होंने खुद साफ किए। उनके साथ खड़े बच्चों व युवकों ने तख्तियों के माध्यम से यह संदेश दिया कि शहर को स्वच्छ बनाएं, यहां-वहां न थूकें।

दरअसल इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण 2026 के नियमों में बदलाव किया गया है। सर्वेक्षण के लिए कुल 12,500 अंक निर्धारित किए गए हैं। रैंकिंग सुधारने के लिए शहरों को कचरा प्रबंधन को और व्यापक बनाना होगा। इस बार रैंकिंग केवल कचरा उठाने से तय नहीं होगी। सार्वजनिक स्थानों और सरकारी दफ्तरों की दीवारों पर पान-गुटखा के दाग मिलने पर रैंकिंग नीचे गिर सकती है। शहरों को रेड स्पॉट मुक्त बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।इस कारण इंदौर नगर निगम ने भी नो थू-थू अभियान शुरू किया है। इसके अलावा डिजिटल फीडबैक और निगरानी जनता से फीडबैक लेने की प्रक्रिया को पूरे साल के लिए खुला रखा गया है। लोग वोट फॉर माय सिटी ऐप, स्वच्छता ऐप और क्यूआर कोड के माध्यम से अपनी राय दे सकते हैं। कचरा प्रबंधन की पूरी प्रक्रिया की अब ऑनलाइन निगरानी और डिजिटल ऑडिट किया जाएगा।

डिवाइडरों पर होते हैं सबसे ज्यादा रेड स्पॉट- शहर में सबसे ज्यादा रेड स्पॉट सिग्नलों के डिवाइडरों पर होते हैं। चालक जब सिग्नल पर रुकते हैं तो वे गुटखा थूकते हैं और उसके दाग डिवाइडरों पर होते हैं।

जन स्वास्थ्य कार्यक्रम 'सुप्रजा' के अंतर्गत महिला स्वास्थ्य परीक्षण परामर्श शिविर सम्पन्न

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया के निर्देशानुसार जन स्वास्थ्य कार्यक्रम 'सुप्रजा' के अंतर्गत शासकीय आयुर्वेद औषधालय, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, ग्राम कराड़िया विकास खण्ड देपालपुर में महिला स्वास्थ्य परीक्षण परामर्श शिविर का आयोजन औषधालय पर किया गया। डॉ. नुपुर जैन ने किशोरी बालिकाओं, गर्भवती महिलाओं एवं प्रसूता महिलाओं के सुपोषण आहार थाली के बारे में विस्तृत रूप से समझाया जिससे रक्ताल्पता न हो। प्रसूताओं को स्तनपान के बारे में समझाया गया। प्रथम दिवस का स्तन्य अमृत तुल्य होता है। अधिक से अधिक स्तन्यवर्धक आहार, विहार एवं योग के बारे में जानकारी दी गई।

डॉ. पूजा पटेल ने गर्भवती महिलाओं को मासानुमासिक वृद्धि के अनुसार औषधियों की जानकारी प्रदान की। गर्भावस्था में किए जाने वाले योग की जानकारी योग प्रशिक्षक श्रीकांत ने प्रदान की। 26 ग्रामीण महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श कर निःशुल्क औषधि वितरण कंपाउंडर सुश्री नेहा सोनी, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता सुश्री आशा राठौर, दवासाज दगड्डु ने किया।

RAMP योजना अंतर्गत प्लास्ट इंडिया-2026 एक्सपोज़र विजिट का आयोजन 8 से 10 फरवरी तक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश की स्वस्थ्य एवं स्टार्टअप इकाइयों को नवीन तकनीक, औद्योगिक प्रवृत्तियों एवं राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय बाजार अवसरों से जोड़ने के उद्देश्य से भारत सरकार की RAMP (Raising and Accelerating MSME Performance) योजना अंतर्गत प्लास्ट इंडिया-2026 एक्सपोज़र विजिट का आयोजन किया जा रहा है। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर का औद्योगिक आयोजन 8 से 10 फरवरी 2026 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित होगा। महाप्रबंधक उद्योग श्री स्वप्निल गर्ग ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत प्रदेश की प्लास्टिक, पैकेजिंग एवं मशीनरी सेक्टर से जुड़ी इकाइयों को आधुनिक मशीनरी, तकनीकी नवाचार, उत्पादन प्रक्रियाओं तथा निवेश एवं व्यापारिक नेटवर्किंग के अवसरों की जानकारी प्राप्त होगी। इस योजना का राज्य स्तर पर क्रियान्वयन मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम द्वारा किया जा रहा है। एक्सपोज़र विजिट पूर्णतः निःशुल्क है, जिसमें फ्लाइट, होटल एवं भोजन सहित समस्त व्यय शासन द्वारा वहन किया जाएगा। इस आयोजन के लिए 8 फरवरी को सुबह 10 बजे इंदौर विमानतल से उद्योग प्रतिनिधियों का दल दिल्ली के लिये प्रस्थान करेगा। इस अवसर पर विधायक श्री रमेश मेंदोला भी मौजूद रहेंगे।

लगभग डेढ करोड़ रुपये की लागत से सांवेर को विकास कार्यों की सौगात मिली

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने बताया कि सांवेर विधानसभा की 33 ग्राम पंचायतों में लगभग डेढ करोड रुपये की राशि से अनुसूचित ग्राम पंचायतों में सीसी रोड, ड्रेनेज और नाली निर्माण, छात्रावासों में नलकूप खनन,शौचालय निर्माण के कार्य होंगे। जिससे क्षेत्र का विकास होकर सैकडों ग्रामीणों को इसका लाभ मिलेगा। मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों के लिए सामाजिक,आर्थिक और शैक्षणिक विकास तथा उनके कल्याण के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। हर अनुसूचित जाति बाहुल्य ग्राम पंचायतों में शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना हमारा उद्देश्य है। वर्तमान में मुख्यमंत्री डॉ.यादव द्वारा लगभग डेढ करोड रुपये की लागत के सीसी रोड, ड्रेनेज और नाली निर्माण के साथ छात्रावासों में नलकूप एवं शौचालय आदि के निर्माण कार्यों की सौगातें दी है। मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि सांवेर के ग्राम पंचायत डकाच्या, पानोड़, पंचोला, पालकांकरिया, टाकुन, बसान्द्रा, बावल्याखेड़ी, सिमरोड़, जामोदी, हरियाखेड़ी, कजलाना, तराना, बजरंग पालिया, कटक्या, कायस्थखेड़ी, बड़ोदियाखान, कुड़ाना, शाहदा, राजोदा, हांसाखेड़ी अजनोद अज।

मध्यप्रदेश का बजट आगामी 18 फरवरी को प्रस्तुत किया जायेगा- उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा

बजट के पूर्व विषय विशेषज्ञों और अनुभवी लोगों से चर्चा की गयी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि प्रदेश का बजट आगामी 18 फरवरी को प्रस्तुत किया जायेगा। बजट के पूर्व आम जनता के सुझाव लिये गये। साथ ही बजट के संबंध में विषय विशेषज्ञों और अनुभवी लोगों से चर्चा की गयी। इस बार का बजट अच्छा और जन हितैषी आयेगा। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा आज नायता मुण्डला इंदौर स्थित ऑल इंडिया दाल मिल एसोसियेशन द्वारा आयोजित तीन दिवसीय ग्रीन एक्स प्रदर्शनी के दूसरे दिन आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। इस मौके पर ऑल इंडिया दाल मिल एसोसियेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुरेश अग्रवाल, पूर्व महापौर श्री कृष्णमुरारी मोघे, श्री सुमित मिश्र सहित श्री अनिल गुप्ता, श्री सौरव राठी, श्री उत्तम कटारिया विशेष रूप से उपस्थित थे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने दाल मिल एसोसियेशन द्वारा आयोजित तीन दिवसीय ग्रीन एक्स प्रदर्शनी की सराहना करते हुये कहा कि यह एक अच्छा और बेहतर आयोजन है। इस आयोजन से दाल मिल मालिकों और व्यापारियों को एक नई दिशा मिलेगी। प्रदर्शनी में ताईवान,कनाड़ा, इग्लैण्ड आदि देशों की आधुनिकतम मशीनों को प्रदर्शित किया गया, जो सराहनीय है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि मध्यप्रदेश में दलहन पर लगने वाले अधिकतम जीएसटी और मंडी शुल्क संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिये केन्द्रीय जीएसटी कौंसिल के समक्ष रखा जायेगा। साथ ही इस विषय पर प्रदेश के सभी दलहन उद्योगपतियों और व्यापारियों के साथ चर्चा की जायेगी।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने दाल मिल एसोसियेशन के पदाधिकरियों से कहा कि वे अपनी माँगों को लिखित में दें। इस मौके पर श्री देवड़ा ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और मशीनों के बारे में उद्योगपतियों से जानकारी प्राप्त की। साथ ही एसोसियेशन के पदाधिकारियों और सदस्यों से संवाद किया।

कार्यक्रम को पूर्व महापौर श्री मोघे ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम में दाल मिल एसोसियेशन के अध्यक्ष श्री सुरेश अग्रवाल ने बताया कि यह आयोजन अंतर्राष्ट्रीय स्तर का है,जहाँ इंग्लैण्ड, चीन, कनाड़ा, ताईवान, टर्की, स्पेन आदि देशों की अत्याधुनिक और टेक्नालॉजी से लेस मशीनें प्रदर्शित की गयी है,जिनकी कीमत दो लाख रुपये से लेकर चार करोड़ रुपये तक है। इस आयोजन में मध्यप्रदेश सहित सभी राज्यों के दाल मिल मालिकों और व्यापारीगण शामिल हुये।

इंदौर 2040 विज़न की आधारशिला, 23 मास्टर प्लान सड़कें बनेंगी हाई-केपेसिटी स्मार्ट नेटवर्क

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर को वर्ष 2040 के लिए तैयार करने की दिशा में इंदौर विकास की बड़ी तस्वीर शनिवार को सिटी बस कार्यालय में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में सामने आई। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय और महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने 23 नई मास्टर प्लान सड़कों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी सड़कें निर्धारित समय सीमा में पूरी हों और इन्हें भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए हाई-केपेसिटी मानकों के अनुसार विकसित किया जाए।

बैठक में विधायक श्री रमेश मैन्दोला, श्री मधु वर्मा, श्री महेन्द्र हार्डिया, आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल, अपर आयुक्त श्री अभय राजनगांवकर सहित नगर निगम एवं संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सभी 23 सड़कों की मैप-बेस्ड प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई और तकनीकी व प्रशासनिक चुनौतियों पर चर्चा की गई।

मंत्री श्री विजयवर्गीय और महापौर श्री भार्गव ने कहा कि ये मास्टर प्लान सड़कें आने वाले वर्षों में मेट्रो, बीआरटीएस, स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम, औद्योगिक एवं व्यावसायिक विस्तार के लिए मजबूत आधार तैयार करेंगी। यह रोड नेटवर्क इंदौर को एक आधुनिक, सुव्यवस्थित और भविष्य-तैयार शहर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक सड़क में उन्नत ड्रेनेज सिस्टम, अधिक वाहन क्षमता, बेहतर सार्वजनिक परिवहन कनेक्टिविटी और आधुनिक सुरक्षा मानकों को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए, ताकि आने वाले दशकों तक शहर की यातायात आवश्यकताओं को सहज रूप से संभाला जा सके।

बैठक में सड़क निर्माण से जुड़ी व्यावहारिक चुनौतियों जैसे पेड़ स्थानांतरण, नर्मदा और सीवरेज लाइन का समन्वय, लाइन शिफ्टिंग तथा आवासीय व व्यावसायिक अतिक्रमण पर भी गहन चर्चा हुई। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने निर्देश दिए कि इन सभी बाधाओं का समाधान समयबद्ध तरीके से किया जाए। वहीं महापौर श्री भार्गव ने स्पष्ट कहा कि विभागीय समन्वय की कमी के कारण किसी भी परियोजना में देरी स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी विभाग टीम भावना से कार्य करें।

मंदसौर-नीमच सांसद सुधीर गुप्ता ने भंवरासा में ओलावृष्टि से प्रभावित अफीम फसलों का लिया जायजा

प्राकृतिक आपदा की इस घड़ी में मैं और मेरी सरकार किसानों के साथ खड़ी है- सुधीर गुप्ता

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र में हाल ही में हुई आकस्मिक ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। विशेषकर अफीम की फसल को हुए भारी नुकसान का जायजा लेने के लिए क्षेत्रीय सांसद सुधीर गुप्ता ने आज नीमच जिले के ग्राम भंवरासा का सघन दौरा किया।

खेतों में उतरकर देखी तबाही

सांसद सुधीर गुप्ता ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ सीधे खेतों में पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने देखा कि ओलावृष्टि के कारण अफीम के डोडे टूटकर गिर गए हैं और पौधों को भारी क्षति पहुँची है। पकी-पकाई फसल पर कुदरत की इस मार को देखकर सांसद ने गहरी संवेदना व्यक्त की।

किसानों ने सौंपा ज्ञापन, बताई पीड़ा

निरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में मौजूद पीड़ित किसानों ने सांसद को घेरकर अपनी व्यथा सुनाई। किसानों ने बताया कि अफीम की फसल में लागत बहुत अधिक आती है और चीरा लगाने के समय हुई इस बारिश ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। इस दौरान किसानों ने नुकसान के उचित सर्वे और मुआवजे की मांग को लेकर सांसद को एक ज्ञापन भी सौंपा।

सांसद का आश्वासन- सर्वे कराकर दिलाएंगे उचित मुआवजा- किसानों को संबोधित करते हुए सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा, मैं किसान का बेटा हूँ और आपकी पीड़ा को भली-भांति समझता हूँ। इस प्राकृतिक आपदा में आप अकेले नहीं हैं, केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार आपके साथ है।

सांसद ने मौके पर ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित फसलों का तत्काल और निष्पक्ष सर्वे शुरू किया जाए। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि वे इस मुद्दे को प्रमुखता से सरकार के समक्ष रखेंगे ताकि अफीम काश्तकारों को उचित मुआवजा मिल सके और औसत व पट्टे संबंधी नियमों में भी उन्हें राहत दिलाई जा सके।

ये रहे उपस्थित- इस दौरान सांसद के साथ स्थानीय मंडल अध्यक्ष, पार्टी पदाधिकारी, सरपंच एवं बड़ी संख्या में ग्राम भंवरासा व आसपास के प्रभावित किसान मौजूद थे।

संपूर्ण बंद रहा मंदसौर शहर, विहिप व बजरंग दल ने चेताया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गौवंश तस्करी एवं गौहत्या तथा प्रशासनिक निष्क्रियता को लेकर शनिवार को विहिप व बजरंग दल के बैनर तले सर्वसमाजजन के आह्वान पर मंदसौर शहर संपूर्ण बंद रहा। सुबह से ही दुकानें नहीं खुली। चाय-नाश्ते के लिए लोग तरसे बंद पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। बजरंग दल एवं विश्व हिन्दु परिषद के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने नेहरू बस स्टैंड स्थित बड़े बालाजी मंदिर परिसर में हनुमान चालिसा का पाठ किया। पाठ करने के बाद सभी ने हनुमानजी को एक ज्ञापन अर्पित किया। ज्ञापन में भी कहा है कि प्रशासनिक अफसर को कर्तव्यबोध नहीं रहा है, उन्हें सद्बुद्धि देवें एवं कर्तव्यबोध से अवगत कराएं। बंद के चलते एएसपी तेरसिंह बघेल, सीएसपी जितेन्द्र भास्कर सहित तीनों थानों का बल एवं पुलिस फोर्स तैनात रहा। उधर, प्रशासनिक अधिकारी में तहसीलदार व नायब तहसीलदार के साथ एसडीएम भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि गुरूवार दोपहर बाद शहर में माहेश्वरी धर्मशाला के समीप एक दुकान के आसपास गौवंश के बच्चे का अवशेष मिला था। इसकी जानकारी विहिप व बजरंग दल को लगी, जिसके बाद बड़ी संख्या में हिन्दुवादी संगठन माहेश्वरी धर्मशाला के बाहर जमा हो गए थे। यहां सड़क पर बैठकर धरना प्रदर्शन किया, जिससे जाम लगा रहा। यहां धरना देने के बाद आक्रोश स्वरूप घंटाघर पर भी जाकर धरना प्रदर्शन किया गया। प्रशासनिक अधिकारी में एएसपी तेरसिंह बघेल व सीएसपी व अन्य ने जाकर बातचीत की। बाद में प्रशासन ने आरोपियों पर कार्रवाई करने हेतु 24 घंटे का समय देने की पहल की थी। 24 घंटे में आरोपियों की गिरफ्तारी के आश्वासन पर प्रदर्शन समाप्त हुआ था। लेकिन, यह भी बताया था कि कार्रवाई नहीं हुई तो शनिवार को शहर बंद किया जाएगा। ऐसी स्थिति में शुक्रवार देर शाम के बाद भी उचित कार्रवाई का अभाव रहा। बायपास पर हुई घटना के आरोपी पकड़े गए हैं, जबकि गुरुवार को मिले गौवंश की घटना में आरोपी चिन्हांकित नहीं हो पाए। इसको लेकर धीरे-धीरे हिन्दुवादी संगठनों में आक्रोश पनपा। दोपहर में बंद के दौरान नेहरू बस स्टैंड पर हनुमान चालिसा पाठ के बाद बालाजी महाराज को ज्ञापन भी दिया गया। ज्ञापन में लिखा है कि मंदसौर जिले में निरंतर गौमाताओं पर अमानवीय कृत्य, तस्करी की घटनाएं हो रही है। पीड़ादायक यह है कि जिला प्रशासन को बार-बार अवगत कराने, आग्रह करने और चेताने के बाद भी प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाई है। प्रशासनिक अधिकारी कर्तव्यबोध विहीन हो गए हैं। बंद का आह्वान किसी से टकराव व व विरोध नहीं है, बल्कि गौमाता की रक्षा व संरक्षण की मांग है।

नीमच में संकल्प से समाधान अभियान के तहत विशाल नेत्र रोग जांच एवं मोतियाबिंद जांच शिविर संपन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार संचालित संकल्प से समाधान अभियान के तहत शनिवार को रेड क्रॉस परिसर नीमच में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित नेत्र रोग जांच एवं मोतियाबिंद जांच शिविर का निरीक्षण कर जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस वृहद निशुल्क नेत्र रोग जांच एवं मोतियाबिंद जांच शिविर का बड़ी संख्या में नेत्र रोगियों ने लाभउठाया। इस अवसर पर एसडीएम श्री संजीव साहू, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ दिनेश प्रसाद सिविल सर्जन डॉ महेंद्र पाटील नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ संगीता भारती एवं मेडिकल कॉलेज नीमच के नेत्ररोग चिकित्सक ,स्वास्थ्य अमला तथा बड़ी संख्या में नेत्र रोगी उपस्थित थे।

विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम 2025 पर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित, सांसद सुधीर गुप्ता ने किया मार्गदर्शन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संसदीय क्षेत्र नीमच के तपोभूमि भाजपा कार्यालय में विकसित भारत (जी-राम-जी) अधिनियम 2025 को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को क्षेत्रीय सांसद सुधीर गुप्ता ने संबोधित किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं पितृपुरुषों को पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। सांसद सुधीर गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि विकसित भारत- जी राम जी अधिनियम 2025 विकसित भारत के लिए विकसित गांवों का सशक्त विधेयक है। यह अधिनियम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत ञ्च2047' के विजन के अनुरूप ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने बताया कि इस अधिनियम के तहत ग्रामीण रोजगार गारंटी को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन किया गया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और आर्थिक सुदृढ़ता आएगी। साथ ही, केंद्र सरकार द्वारा गांवों के विकास से जुड़ी योजनाओं पर बजटीय प्रावधानों में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है, ताकि बुनियादी सुविधाएं सुदृढ़ हों और समग्र ग्रामीण विकास को गति मिले।

सांसद गुप्ता ने कहा कि मोदी सरकार का स्पष्ट फोकस सशक्त गांवों के निर्माण पर है। यह अधिनियम महात्मा गांधी के स्वप्न–स्वावलंबी, स्वयं पूर्ण, गरीबी मुक्त और रोजगार युक्त गांव–को साकार करने की दिशा में प्रभावी पहल है।

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती वंदना खंडेलवाल, नीमच विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार, मनासा विधायक श्री अनिरुद्ध माधव मारू, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चोपड़ा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, जिला व मंडल भाजपा पदाधिकारी, सभी मंडल अध्यक्ष, मातृशक्ति, युवा साथी तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यशाला में अधिनियम की प्रमुख विशेषताओं, उद्देश्यों और क्रियान्वयन की रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की गई।

सुवासरा में चोर-उच्चके सक्रिय, दिनदहाड़े 850 ग्राम से भरी थैली उड़ाई

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुवासरा नगर में शनिवार दोपहर 2 बजे गणेश चोक से एक अज्ञात व्यक्ति मोटरसाइकिल पर चांदी के जेवर लटकी थैली को लेकर फरार हो गया। थाना प्रभारी अनिलसिंह रघुवंशी ने बताया कि फरियादी गोपालसिंह पिता चंदर सिंह सौंधिया निवासी ग्राम घेंचाली के मुताबिक वह गणेश चोक स्थित एक ज्वेलर्स की दुकान पर 850 ग्राम के चांदी के जेवर बेचने के लिए पहुंचा था। ज्वेलर्स को 850 ग्राम के जेवर दिखाए जिसके बाद ज्वेलर्स व्यापारी ने उसकी कीमत 01 लाख 30 हजार रुपये बताई। ग्रामीण ने थोड़ी देर बाद वापस आने का कहकर वह ज्वेलर्स की दुकान से कुछ दूरी पर खड़ी अपनी मोटरसाइकिल के पास पहुंचा और जेवर की थैली गाड़ी पर लटका दी। इस दौरान गोपाल सिंह अपनी मोटरसाइकिल की चाबी ज्वेलर्स की दुकान पर ही भूल गया। वह अपनी गाड़ी की चाबी लेने वापस ज्वेलर्स की दुकान पर पहुंचा। इतने ही समय मे अज्ञात व्यक्ति मोटरसाइकिल पर लटकी हुई जेवर की थैली लेकर फरार हो गया। ग्रामीण गोपाल सिंह जब अपनी गाड़ी के पास पहुंचा तो उसे अपने ज्वेलर्स वाली थैली मोटरसाइकिल से गायब मिली। घटना के बाद गणेश चौराहे पर हल्ला मच गया। थोड़ी देर बाद थाना प्रभारी भी मौके पर पहुँचे और आस पास के सीसी टीवी कैमरे खंगाले। लेकिन कुछ हाथ नही लगा। शाम करीब चार बजे एस डी ओ पी दिनेश प्रजापति भी मौके पर पहुंचे। और मौका मुआयना भी किया। थाना प्रभारी अनिल रघुवंशी ने बताया की चोरी की वारदात की जानकारी मिलते ही मोके पर पहुंचकर जानकारी जुटाई है। अभी जांच चल रही है। जांच अधिकारी नरेंद्र मकवाना ने बताया कि रात्रि तक सुराग नहीं मिल पाया है। पूरा थाना पतारसी में लगा है। इससे पहले भी नगर में एक ज्वेलर्स की दुकान पर अज्ञात चोर ने सोने के जेवर पर हाथ साफ किया था। जिसका पता पुलिस आज तक नही लगा पायी।

'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करेगा केंद्रीय बजट 2026 : सांसद सुधीर गुप्ता

आत्मनिर्भर भारत की गति बढ़ाने वाला, हर वर्ग की आकांक्षाओं पर खरा उतरने वाला बजट

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर- नीमच संसदीय क्षेत्र के सांसद सुधीर गुप्ता ने शनिवार को नीमच में आयोजित पत्रकार वार्ता में केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026 को ऐतिहासिक, दूरदर्शी और सर्वसमावेशी बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट वर्ष 2047 तक भारत को 'विकसित राष्ट' बनाने के प्रधानमंत्री के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा।

भाजपा द्वारा आयोजित इस पत्रकार वार्ता में सांसद के साथ नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार, मनासा विधायक माधव मारू

भाजपा जिलाध्यक्ष वंदना खंडेलवाल, सहित पार्टी के वरिष्ठ जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि बजट 2026 गरीब, किसान, युवा और महिलाओं को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है। इसमें गरीब कल्याण, किसानों की आय वृद्धि, युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर तथा नारी सशक्तिकरण पर विशेष फोकस किया गया है। शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्र में किए गए प्रावधान देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ जमीनी स्तर पर सकारात्मक बदलाव लाएंगे।

उन्होंने बताया कि बजट में मध्यम वर्ग की अपेक्षाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। कर संरचना में राहत और विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं के माध्यम से मध्यम वर्ग को बड़ी सौगात दी गई है। साथ ही स्टार्टअप्स को बढ़ावा देकर और रोजगार सृजन के नए अवसर पैदा कर 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में गति प्रदान की गई है।

सांसद गुप्ता ने कहा कि यह बजट केवल आर्थिक दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत के उज्ज्वल भविष्य का रोडमैप है, जो समावेशी विकास, सामाजिक न्याय और आर्थिक सशक्तिकरण को सुनिश्चित करेगा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने बजट 2026 का स्वागत करते हुए इसे भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में मजबूत आधार बताया।

लता मंगेशकर की पुण्यतिथि पर सुरम्य भावांजलि, गीतों से दी श्रद्धांजलि

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दशपुर रंगमंच द्वारा सुर साम्राज्ञी भारत रत्न लता मंगेशकर की पुण्यतिथि के अवसर पर एक भव्य श्रद्धांज़लि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें शहर के ख्यातिप्राप्त गायकों ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। कार्यक्रम की शुरुआत आबिद शाह ने तुम मुझे यूं भुला न पाओगे गीत गाकर की, जिसके बाद सुरों का कारवां देर तक चलता रहा। इसी क्रम में नरेन्द्र सागोरे ने दिल दीवाना बिन सजना के माने ना और आशा तरवेचा व मनीष रिछावरा ने जाने क्यों लोग मोहब्बत किया करते हैं जैसे गीतों से लता जी को याद किया। ललिता मेहता ने हम तेरे प्यार में सारा आलम खो बैठे और सतीश सोनी ने अजनबी कौन हो तुम गाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। सुरमयी शाम को आगे बढ़ाते हुए अनुराधा त्यागी ने दुनिया में ऐसा कहां सबका नसीब है और हिमांशु वर्मा ने मैं तो तुम संग नैन मिला के हार गई सजना की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। पूजा दुग्गड़ ने दिल तो है दिल, दिल का एतबार क्या कीजे और सिमरन बेलानी ने तुझसे नाराज नहीं जिंदगी गाकर माहौल को भावुक कर दिया। राजकुमार अग्रवाल ने लता जी के अमर गीत नाम गुम जाएगा के जरिए उन्हें याद किया, वहीं मीना जैन ने बांहों में चले आओ और स्वाति रिछावरा ने तेरी आंखों के सिवा दुनिया में रखा क्या है की बेहतरीन प्रस्तुति दी। श्याम गुप्ता ने जिंदगी प्यार का गीत है और अभय मेहता ने छोड़ दे सारी दुनिया किसी के लिए गीत गाकर अपनी भावांजलि अर्पित की। विशेष रूप से इस दिन प्रसिद्ध गीतकार कवि प्रदीप की भी जयंती होने के कारण उनके रचित सुप्रसिद्ध गीत ऐ मेरे वतन के लोगों को स्वाति रिछावरा और पूजा दुग्गड़ ने संयुक्त रूप से प्रस्तुत किया, जिसे सुनकर उपस्थित जनसमूह की आंखें नम हो गईं। पूरे कार्यक्रम का संचालन अभय मेहता द्वारा किया गया एवं अंत में सभी का आभार ललिता मेहता ने माना।

नये आयकर अधिनियम का अत्यन्त गहनता से अध्ययन करना पड़ेगा-सीए राजेश मेहता

मन्दसौर सीए ब्रांच द्वारा केन्द्रीय बजट 2026 पर सेमिनार का आयोजन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हम चार्टर्ड अकाउण्टेन्ट्स को केन्द्रीय बजट 2026 व नये आयकर अधिनियम 2025 का अत्यन्त गहनता से अध्ययन करना पड़ेगा क्योंकि इतने वर्षो से कार्य करते करते हमें पुराने आयकर अधिनियम के सारे प्रावधान कंठस्थ याद हो गये थे, लेकिन नये आयकर अधिनियम में उन प्रावधानों व उनके संख्या नंबर में अनेक परिवर्तन हो गये हैं। साथ ही विभिन्न परिभाषाओं में भी अनेक परिवर्तन हुए हैं जिन्हें याद रखना हमारे लिये आवश्यक हो गया है। अभी हमारे पास समय है कि 1 अप्रैल 2026 से लागू होने वाले इस अधिनियम के प्रत्येक प्रावधान को हम बारीकी से पढ़ें व निरन्तर काम में आने वाले प्रावधानों की सूची बनाकर भी अपनी टेबल पर रख लें, ताकि हम अपने क्लाइंट को सही सलाह देने में सक्षम हो। उक्त विचार इन्दौर से पधारे वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउण्टेन्ट सीए राजेश मेहता ने मन्दसौर सीए ब्रांच द्वारा दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउण्टेन्ट्स ऑफ इंडिया की डायरेक्ट टैक्स कमेटी व सेंट्रल इंडिया रीजनल कौंसिल के साथ संयुक्त रूप से आयोजित केन्द्रीय बजट सेमिनार 2026 को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सेंट्रल इंडिया रीजनल कौंसिल के चेयरमेन जयपुर से पधारे सीए अंकुर गुप्ता ने सेंट्रल इंडिया रीजनल कौंसिल द्वारा अपने सदस्यों के लिये किये जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष सेंट्रल इंडिया रीजनल कौंसिल को बड़े आयोजन का सुअवसर प्राप्त हुआ जिसमें 16 से अधिक देशों के हजारों चार्टर्ड अकाउण्टेन्ट्स ने इस आयोजन में भाग लिया और इस आयोजन ने देश विदेश में इंस्टीट्यूट की ख्याति को नयी उँचाइयाँ प्रदान की। आपने बताया कि रीजनल कौंसिल द्वारा सदस्यों को नवीनतम जानकारियाँ प्रदान करने के लिये विभिन्न विषयों पर निरन्तर सेमिनार व वेबिनार का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष रीजनल कौंसिल द्वारा छोटे शहरों के वक्ताओं को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का भरपूर अवसर प्रदान किया गया है। मन्दसौर के सीए सिद्धार्थ अग्रवाल को भी उन्होंने वेबिनार में वक्ता के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान करने के लिये अवार्ड देकर नवाजा गया। नीमच से पधारे आयकर अधिकारी श्री अशोक कुमार ने आयकर विभाग द्वारा नये आयकर अधिनियम को जनता तक पहुँचाने के लिये विभाग द्वारा चलाये जा रहे जन जागृति अभियान के बारे में जानकारी प्रदान की। सेंट्रल इंडिया रीजन के रीजनल कौंसिल सदस्य इन्दौर से पधारे सीए अंकुश जैन ने अपने उद्बोधन में बताया कि बजट 2026 में सरकार ने हमारी इंस्टीट्यूट द्वारा दिये गये अनेक सुझावों को अंगीकार किया है। इससे सीए समुदाय व आयकर विभाग और अधिक तालमेल के साथ कार्य कर सकेंगे।

सेंट्रल इंडिया रीजन के रीजनल कौंसिल सदस्य सीए निर्भिक गाँधी ने संबोधित करते हुए बताया कि अब सीए प्रोफेशन में अनेक नयी विधाओं पर कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने युवा चार्टर्ड अकाउण्टेन्ट्स को आव्हान किया कि वे परम्परागत प्रैक्टिस के साथ साथ नये प्रकल्पों खासकर स्टार्टअप के बारे में अध्ययन कर उनके लिये अपनी सेवाएँ देने का प्रयास करें ताकि देश में और तेजी से आर्थिक प्रगति आ सके। मन्दसौर ब्रांच के अध्यक्ष सीए राजेश मंडवारिया ने पिछले वर्ष में ब्रांच द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। अतिथियों का स्वागत सीए विरेन्द्र जैन, दिनेश जैन, राजेश मंडवारिया, विनय अग्रवाल, नितेश भदादा, अर्पित नागर, अर्पित मेहता, रितेश पारिख, विकास भंडारी, मयंक जैन, राजेश जैन, अंकुश जैन, योगेन्द्र जैन, अमन मेहता, कुलदीप पाटीदार, अर्पित नागदा, गौरव गुप्ता, श्याम ललवानी, आशीष जैन, पंकज सोनी, सत्येन्द्र भाना, सिद्धार्थ मेहता, शैनित धाकड़, योगेश गुप्ता आदि ने किया। अतिथि परिचय सीए प्रीति मेहता, चेतन गुप्ता, सुबोध सिंहल, नितिन देवनानी, रोहन सोमानी ने दिया। कार्यक्रम का संचालन सीए सिद्धार्थ अग्रवाल ने किया। आभार प्रदर्शन सीए नितेश भदादा ने किया।

कन्या शिक्षा परिसर बाजना में स्कूली बच्चों को चश्मे वितरित

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संध्या बेलसरे ने बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूली बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है।

नेत्र जांच उपरांत दृष्टि दोष वाले बच्चों को निशुल्क चश्मे प्रदाय किये जाते है। राष्ट्रीय अंधत्व निवारण कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ एस एस गुप्ता के मार्गदर्शन में पूर्व में आयोजित शिविर में दृष्टि दोष वाले चिन्हित 95 बच्चों को कन्या शिक्षा परिसर बाजना में निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए।

विधायक मथुरा लाल डामर की अध्यक्षता में बिरमावल में रोगी कल्याण समिति की बैठक संपन्न

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिरमावल पर आज रोगी कल्याण समिति की बैठक विधायक रतलाम ग्रामीण श्री मथुरालाल डामर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। कार्यकारिणी शासन के निर्देशानुसार गठित की गई। सभा में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती साधना जायसवाल, क्षेत्र के जनपद सदस्य, एवं एसडीओ पी डब्लू डी श्री पी.के. राय, लेखापाल श्री संजय उपाध्याय , श्री सतीश अग्रवाल, श्री विकास जैन, श्री रमेश गिरी गोस्वामी, श्री अर्पित जैन एवं गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। बैठक का संचालन पर्यवेक्षक बिरमावल विजयेंद्र श्रोत्रिय ने तथा डॉ.रविन अलावा ने आभार व्यक्त किया।

मनरेगा बचाओ चौपाल पंचायत कांग्रेस कमेटीयो का गठन किया

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश कांग्रेस संगठन के दिशा निर्देशानुसार जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती के मार्गदर्शन में रतनगढ़ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष श्री शंभू भाई चारण के तत्वाधान में बीते दिनों कुतली श्रीपुरा , तुमडिया दौलतपुरा ग्राम ग्राम खातीखेडा पंचायत क्षेत्र में चौपाल लगाकर सर्वो अनुमति से ग्राम पंचायत कांग्रेस कमेटियों का गठन किया गया !

ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष श्री चारण ने ग्राम जाट में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर पंचायत कांग्रेस कमेटी के गठन पर विस्तार पूर्वक चर्चा करी !प्रत्येक पंचायत क्षेत्र में ब्लॉक अध्यक्ष चारण का प्रथम बार आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने माला एवम् तिलक लगाकर आत्मिय सम्मान किया गया ! प्रत्येक पंचायत क्षेत्र में उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए चारण ने कहा है कि मनरेगा लाओ देश बचाओ पर विस्तार पूर्वक समझाईस दी , *एवम् प्रदेश सरकार किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ 8 फरवरी रविवार को दोपहर 1 बजे भारत माता चोराहा पर विशाल जिला स्तरीय धरना प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है! कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व सांसद हम सब की नैता सुश्री मिनाक्षी नटराजन जी एवं वरिष्ठ नेता उपस्थित रहकर किसानो की अवाज बुलंद करेंगे ! उपरोक्त कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुचकर कार्यक्रम को सफल बनाये* इस अवसर पर चारण के साथ क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेता जमना दास बैरागी कुतली , सेवादल ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष शम्भु दान चारण , ठाकुर पुष्पेंद्रसिंह , मेघराज सोनी, किशोर सोलंकी, श्याम बैरागी, रतन लाल धाकड़ ,गोरी शंकर गुर्जर , तुलसी राम भील,बाबु लाल भील,नूर जी, ईस्लाम भाई,काजी साहब, शम्भु लाल भील, सतू भाई भील ,सुरेश भाई भील आदि कांग्रेस कार्यकर्ता विशेष रूप साथ थे!

सम्पादकीय

गड्ढों वाली व्यवस्था और खतरे में पड़ता जीवन

गड्ढों में गिरी व्यवस्था में समाप्त होता जीवन आज के भारत की एक ऐसी विडंबना बन चुका है, जिसे देखकर मन भीतर तक सिहर उठता है। नोएडा में कार सवार युवा इंजीनियर की गड्ढे में गिरकर मौत का दर्द अभी समाज के मन से उतरा भी नहीं था कि दिल्ली में बाइक सवार युवक की जान एक खुले गड्ढे ने लील ली। दोनों घटनाओं में समानता यह है कि गड्ढे प्रशासन द्वारा विकास या मरम्मत के नाम पर खोदे गए थे और दोनों जगह न तो कोई बैरिकेडिंग थी, न चेतावनी बोर्ड, न रोशनी की व्यवस्था। मानो व्यवस्था ने पहले गड्ढा खोदा और फिर निश्चिंत होकर वहां से हट गई कि अब जो होगा, वह नागरिक की किस्मत है। यही वह सोच है जो किसी भी समाज को भीतर से खोखला कर देती है।

प्रश्न यह नहीं है कि गड्ढे क्यों खोदे गए, प्रश्न यह है कि गड्ढे खोदकर लोगों को मौत के मुंह में धकेलने का अधिकार प्रशासन को किसने दिया। क्या विकास का अर्थ यह हो गया है कि सड़कों पर चलते हुए हर नागरिक अपनी जान हथेली पर रखे। क्या शहरों की चमक-दमक और बड़े-बड़े दावों के बीच आम आदमी का जीवन इतना सस्ता हो गया है कि उसकी मौत पर सिर्फ एक खबर छप जाए, दो दिन बहस हो और फिर सब कुछ सामान्य हो जाए। यह सामान्य हो जाना ही सबसे बड़ा खतरा है, क्योंकि जब मौतें सामान्य लगने लगें, तब व्यवस्था की संवेदनशीलता मर चुकी होती है।

दिल्ली जल बोर्ड द्वारा खोदा गया गड्ढा हो या नोएडा की किसी एजेंसी का, जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया हर बार एक जैसी रहती है। अफसर निलंबित कर दिए जाते हैं, जांच समितियां बना दी जाती हैं, 24 या 48 घंटे में रिपोर्ट देने की घोषणा होती है और कुछ समय बाद वही फाइलें धूल फांकने लगती हैं। निलंबन और जांच अब समाधान नहीं, बल्कि एक औपचारिक रस्म बन गई है। सवाल यह है कि क्या निलंबन से मरे हुए बेटे लौट आते हैं, क्या जांच समितियों से टूटे हुए परिवार फिर से जुड़ जाते हैं। जब तक जवाबदेही केवल कागजों पर सिमटी रहेगी, तब तक गड्ढों में गिरती जिंदगियां यूं ही व्यवस्था का शिकार बनती रहेंगी।

इस पूरी तस्वीर का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि बड़े शहरों में ऐसी घटनाएं कम से कम चर्चा में तो आती हैं, मीडिया सवाल तो उठाता है, लेकिन छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में यही गड्ढे रोज जिंदगियां निगल रहे हैं और खबर तक नहीं बनते। वहां न कैमरा पहुंचता है, न कोई प्रतिनिधि, न कोई जांच समिति। वहां मौतें सिर्फ परिवारों की निजी त्रासदी बनकर रह जाती हैं। क्या नागरिक का मूल्य शहर के आकार से तय होगा। क्या महानगरों का नागरिक ज्यादा कीमती है और छोटे शहरों का नागरिक सस्ता। यह असमानता केवल संसाधनों की नहीं, बल्कि संवेदनाओं की भी है।

हम एक ओर विकसित भारत, सशक्त भारत, विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की बात करते हैं, दूसरी ओर हमारी सड़कों पर खुले गड्ढे हमें आईना दिखाते हैं। विकास की रफ्तार तेज हो सकती है, लेकिन यदि उस रफ्तार में सुरक्षा, जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना नहीं जुड़ी, तो वह रफ्तार विनाश की ओर ही ले जाएगी। यह विडंबना ही है कि हम स्मार्ट सिटी की बातें करते हैं, लेकिन स्मार्ट बैरिकेडिंग, स्मार्ट चेतावनी और स्मार्ट जिम्मेदारी पर बात करना भूल जाते हैं। तकनीक के युग में भी एक साधारण चेतावनी बोर्ड लगाना हमारे तंत्र को याद नहीं रहता।

दरअसल समस्या केवल लापरवाही की नहीं, बल्कि उस मानसिकता की है जिसमें नागरिक को एक आंकड़ा समझ लिया गया है। फाइलों में वह एक केस नंबर है, सड़क पर वह एक बाधा और हादसे के बाद वह एक आंकड़ा। जब तक प्रशासन और शासन की दृष्टि में नागरिक का जीवन सर्वोपरि मूल्य नहीं बनेगा, तब तक हर नया गड्ढा एक नई मौत की संभावना बनकर खड़ा रहेगा। सवाल यह भी है कि क्या इन गड्ढों के लिए कभी उच्च स्तर पर नैतिक जिम्मेदारी तय होगी। क्या कभी ऐसा होगा कि किसी बड़े पद पर बैठे व्यक्ति से पूछा जाए कि आपके विभाग की लापरवाही से एक जान गई, इसलिए आप पद पर बने रहने के नैतिक अधिकारी नहीं हैं।

भ्रष्ट शासन के समाप्त होने की बड़ी-बड़ी घोषणाएं हर चुनाव में सुनाई देती हैं। पोस्टर बदलते हैं, नारे बदलते हैं, लेकिन जमीन पर गड्ढे वैसे ही रहते हैं। यदि भ्रष्टाचार केवल रिश्वत लेने तक सीमित होता तो शायद उसे पहचानना आसान होता, लेकिन यह जो संवेदनहीन भ्रष्टाचार है, जहां नियमों की अनदेखी, सुरक्षा मानकों की उपेक्षा और समय पर काम पूरा न करना शामिल है, यह ज्यादा खतरनाक है। इसमें पैसा दिखता नहीं, लेकिन इसकी कीमत किसी की जान से चुकानी पड़ती है।

आज जब हम अमृत काल और शताब्दी वर्ष में नए भारत की कल्पना कर रहे हैं, तब यह प्रश्न और भी तीखा हो जाता है कि क्या खुले गड्ढों वाला देश महान बन सकता है। क्या वह देश विकसित कहलाने योग्य है, जहां नागरिक रात को सड़क पर निकलते समय यह दुआ करे कि कहीं कोई गड्ढा उसकी जिंदगी न छीन ले। विकास केवल पुलों, सड़कों और इमारतों से नहीं मापा जाता, बल्कि इस बात से मापा जाता है कि आम आदमी खुद को कितना सुरक्षित महसूस करता है। यदि सुरक्षा का भरोसा नहीं, तो सारी उपलब्धियां खोखली हैं।

गड्ढों में गिरी व्यवस्था केवल सड़कों की समस्या नहीं है, यह हमारे शासन तंत्र की नैतिक गिरावट का प्रतीक है। यह उस दूरी को दिखाता है जो सत्ता और नागरिक के बीच बढ़ती जा रही है। जब तक हर गड्ढे को सिर्फ तकनीकी खामी समझा जाएगा और हर मौत को दुर्भाग्य कहकर टाल दिया जाएगा, तब तक यह सिलसिला रुकेगा नहीं।

शब्द बुद्धि का संवाद है जबकि परमशक्ति से योग हृदय का समर्पण

सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी निर्मला देवी जी का वर्णन करने योग्य शब्द शायद ही कोई जुटा सकता है। विश्व के अनेक देशों में बड़े शहरों से लेकर छोटे गांवों तक में लाखों साधकों ने श्री माताजी के आशीर्वाद को, उनके गुरुत्व को तथा उनकी दिव्यता को आत्मसात् किया। श्री माताजी का अवतरण मानव सभ्यता के विकास क्रम में एक ऐसा पड़ाव है जो मानव की उत्पत्ति को संपूर्णता प्रदान करता है। श्री कृष्ण ने रणक्षेत्र में अर्जुन के माध्यम से योग, कर्म व भक्ति का जो संदेश इस संसार को गीता के रूप में प्रदान किया श्री माताजी ने उसी ज्ञान को कुंडलिनी की जागृति द्वारा बड़े ही सहज तरीके से साधकों के अंतःकरण में प्रकाशित कर दिया। सहजयोग वास्तव में शब्दों का नहीं वरन् अनुभव का ज्ञान है। शब्द बुद्धि का संवाद है जबकि परमशक्ति से योग हृदय का समर्पण जहां शब्दों के लिए कोई स्थान नहीं होता। श्री माताजी परमशक्ति हैं कोई भी व्यक्ति उनकी व्याख्या नहीं कर सकता। हम उन्हें कुछ दे नहीं सकते सिर्फ़ उनसे पा सकते हैं। जिस क्षण हम संपूर्ण रूप से उनके श्री चरणों पर समर्पित हो जाते हैं उनकी कृपा का अमृत सभी ओर से हम पर बरसने लगता है। श्री माताजी प्रेम व करूणा का सागर हैं, शक्ति का प्रदीप्त सूर्य हैं, शीतल चेतन्य को प्रवाहित करने वाला चंद्र हैं, धैर्य को धारण करने वाली धरा हैं। उनके लिए कुछ भी असम्भव नहीं बस आपका विश्वास, समर्पण व भक्ति अखंड होनी चाहिए। श्री माताजी ने स्वयं ये दिव्य संदेश दिया है कि, हर कदम, हर जगह आपके साथ हम खड़े हैं, हर जगह कहीं पर भी आप हो कहीं पर भी आप रहो हर जगह हम आपके साथ हैं काया, मन, वाचा पूर्णतया। यह हमारा प्रॉमिस है एक पल भी आपसे दूर नहीं। जिस पल भी आप आंख बंद कर मुझे याद करेंगे मैं पूर्ण शक्ति लेकर शंख, चक्र, गदा पद्म, गरुण ले सिधाए। एक क्षण भी विलम्ब नहीं लगेगा लेकिन आपको मेरा होना पड़ेगा ये जरूरी है यदि आप मेरे हैं तो एक क्षण भी नहीं लगेगा मैं आपके पास आ जाऊंगी। सबको परमात्मा सुखी रखे, सुबुद्धि दे, सन्मति से रहो।

राष्ट्रवाद का समावेशी चरित्र,चेतना, लोकतांत्रिक अधिनायकवाद के परहेज की आवश्यकता

राष्ट्रवाद राष्ट्र-की वैचारिक आधारशिला है। यह केवल भौगोलिक सीमाओं या राजनीतिक सत्ता से संबद्ध अवधारणा नहीं है, बल्कि साझा इतिहास, सांस्कृतिक स्मृति, संवैधानिक मूल्यों और नागरिक उत्तरदायित्वों का समन्वित स्वरूप है। राष्ट्रवाद का मूल चरित्र सार्वभौमिक और समावेशी होता है, जो समानता, स्वतंत्रता, न्याय और मानवीय गरिमा जैसे मूल सिद्धांतों को पुष्ट करता है। ऐतिहासिक रूप से यह सिद्ध हुआ है कि राष्ट्र-निर्माण की प्रत्येक प्रक्रिया में राष्ट्रवादी चेतना की भूमिका निर्णायक रही है। किंतु जब यही चेतना सत्ता-केंद्रित राजनीति, संकीर्ण वैचारिक आग्रहों और तात्कालिक राजनीतिक लाभों से संचालित होने लगती है, तब यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बन जाती है।

लोकतांत्रिक राष्ट्र में प्रत्येक नागरिक का यह नैतिक और संवैधानिक दायित्व है कि वह राष्ट्र के प्रति निष्ठावान और सजग रहे। किंतु इस निष्ठा का आशय अंध-समर्थन या आलोचनात्मक विवेक का त्याग नहीं है। दुर्भाग्यवश, समकालीन राजनीतिक परिदृश्य में राष्ट्रवाद को धर्म, जाति और संप्रदाय के साथ जोड़कर सत्ता-प्राप्ति का साधन बनाए जाने की प्रवृत्ति निरंतर बढ़ी है। ऐसी राजनीति न केवल राष्ट्रीय एकता को खंडित करती है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वायत्तता और निष्पक्षता को भी कमजोर करती है। इतिहास साक्षी है कि सत्ता के दीर्घकालिक केंद्रीकरण ने राजाओं, सम्राटों और शासकों को निरंकुश बनाया है। आधुनिक लोकतंत्र में भी यह खतरा कम नहीं हुआ है, बल्कि अधिक परिष्कृत रूप में उपस्थित है।

लोकतंत्र का मूल सिद्धांत सत्ता का निरंतर आवर्तन है। सत्ता का परिवर्तनशील होना शासन को उत्तरदायी, पारदर्शी और जनोन्मुख बनाता है। इसके विपरीत, जब सत्ता लंबे समय तक एक ही राजनीतिक शक्ति के अधीन रहती है, तो अधिनायकवादी प्रवृत्तियों का उदय स्वाभाविक हो जाता है। अवसरवादी राजनीति, पद-लोलुपता और जातिगत समीकरणों का अतिवादी प्रयोग लोकतांत्रिक संतुलन को बिगाड़ देता है। इस प्रक्रिया में जनता को दूरगामी राष्ट्रीय हितों के स्थान पर तात्कालिक लाभों के प्रलोभन में उलझाया जाता है, जिससे नीति-निर्माण की गुणवत्ता और राष्ट्रीय विकास की क्षमता दोनों प्रभावित होती हैं।

लोकतंत्र में राजनीति का उद्देश्य जनभावनाओं का शोषण नहीं, बल्कि उनका संरक्षण और संवर्द्धन होना चाहिए। किंतु जब राजनीति का केंद्र बिंदु सत्ता-प्राप्ति और सत्ता स्थायित्व बन जाता है, तब सिद्धांतों की प्रतिबद्धता कमजोर पड़ जाती है। अवतारवाद, सस्ती लोकप्रियता और भावनात्मक ध्रुवीकरण लोकतंत्र को भीतर से खोखला कर देते हैं। भारतीय राजनीतिक परंपरा में 'शाम, दाम, दंड, भेद' को शासन के उपकरण के रूप में स्वीकार किया गया है, किंतु आधुनिक संवैधानिक लोकतंत्र में इनका अति प्रयोग अनुशासन, नैतिकता और संस्थागत विश्वास को क्षीण करता है।

लोकप्रियता को मापने के सुदृढ़ लोकतांत्रिक उपकरणों के अभाव में कई बार संगठित किंतु संख्यात्मक रूप से छोटे समूह नीति-निर्माण पर विपरीत प्रभाव डालने लगते हैं। यह स्थिति बहुमत के शासन के लोकतांत्रिक आदर्श के विपरीत है। दलबदल, अवसरवादी गठबंधन और सिद्धांतहीन राजनीतिक व्यवहार लोकतांत्रिक मूल्यों के क्षरण के प्रमुख कारण बन चुके हैं। भारतीय संविधान के भीतर विद्यमान कुछ प्रक्रियात्मक छिद्रों का उपयोग कर राजनीतिक दल सत्ता-संरक्षण के जटिल ताने-बाने बुनते हैं, जिनके दीर्घकालिक दुष्परिणाम समाज और राष्ट्र दोनों को भुगतने पड़ते हैं।.

जातिवादी राजनीति और लोकप्रियता की व्यावहारिक मजबूरियों ने खाप पंचायतों जैसी समानांतर संरचनाओं को जन्म दिया है। ये संरचनाएँ पंचायती राज व्यवस्था को प्रतिस्थापित करने का प्रयास करती हैं, जिससे लोकतंत्र की जमीनी संस्थाएँ कमजोर होती हैं। इसी प्रकार, धर्म और धार्मिक प्रथाओं में समानता तथा स्वतंत्रता का हनन तुष्टीकरण-आधारित राजनीति का प्रतिफल है। लोकतांत्रिक समाज में समानता, स्वतंत्रता और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत किसी भी नीति-निर्णय के मूल में होने चाहिए। एकतरफा और भावनात्मक निर्णय इन मूल्यों के प्रतिकूल प्रभाव उत्पन्न करते हैं।

अतिराष्ट्रवाद की अवधारणा, जब लोकतांत्रिक विवेक से विमुख हो जाती है, तब तानाशाही प्रवृत्तियों को वैधता प्रदान करने लगती है। सैनिक राष्ट्रवाद, भय की राजनीति और सस्ती लोकप्रियता ने बीसवीं शताब्दी में अनेक देशों में लोकतंत्र को क्षतिग्रस्त किया है। पाकिस्तान, म्यांमार और उत्तर कोरिया जैसे उदाहरण दर्शाते हैं कि सुरक्षा और राष्ट्रहित के नाम पर सैन्य या अधिनायकवादी नियंत्रण किस प्रकार लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित कर सकता है। ये उदाहरण लोकतंत्र के लिए सतत चेतावनी के रूप में देखे जाने चाहिए। लोकतंत्र का अंतिम उद्देश्य जनता का विश्वास अर्जित करना, उनकी सामाजिक-आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति करना और उनके मौलिक अधिकारों की रक्षा करना है। किंतु जब शासन सत्ताचरित्र, अवसरवाद और सत्ता में बने रहने की रणनीतियों में उलझ जाता है, तब लोकतंत्र के संस्थागत स्तंभ विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया कमजोर होने लगते हैं। ऐसे समय में समाज के प्रबुद्ध, सजग और जिम्मेदार वर्ग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि समय रहते विवेकपूर्ण हस्तक्षेप नहीं हुआ, तो लोकतंत्र के दुरुपयोग के परिणाम दीर्घकालिक और विध्वंसकारी हो सकते हैं। अतः यह आवश्यक है कि तात्कालिक लोकप्रियता और अवसरवादी लाभों के स्थान पर संतुलित, समावेशी और बहुआयामी लोकतांत्रिक विकास को प्राथमिकता दी जाए। सरकार, राजनीतिक दल, मीडिया, सिविल सोसाइटी और नागरिक समाज—सभी को मिलकर संवैधानिक मूल्यों, लोकतांत्रिक सिद्धांतों और सामाजिक संतुलन की रक्षा करनी होगी। यही समेकित प्रयास राष्ट्रवाद को उसकी मूल, मानवीय और उदात्त चेतना में पुनर्स्थापित कर सकता है तथा लोकतंत्र को अधिनायकवाद की संभावित खतरों से सुरक्षित रख सकता है।

-संजीव ठाकुर

कर सुधारों के जरिए निश्चितता और भरोसे की ओर एक सुधारात्मक कदम

बजट से जुड़ी अपेक्षाएं कारोबारी सुगमता, भरोसे पर आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और आयकर प्रावधानों को अपराध मुक्त करने के इर्द-गिर्द घूमती हैं, ताकि भविष्योन्मुखी अर्थव्यवस्था तैयार की जा सके। आयकर अधिनियम, 2025 ने दशकों पुराने आयकर अधिनियम, 1961 को नए सिरे से व्यवस्थित करने का प्रयास किया, लेकिन उसमें हितधारकों की अपेक्षा के अनुरूप ठोस नीतिगत बदलाव नहीं किए गए। यही वजह रही कि इसे लेकर संदेह का माहौल बना रहा।

सामान्य प्रतिक्रिया यह थी कि पुराने कानून को ही दोबारा पेश कर दिया गया है। वर्ष 2026-27 का बजट, सरकार की निश्चितता बनाए रखने की जरूरत और एक तर्कसंगत कर नीति सुनिश्चित करने में सामंजस्य स्थापित करने की कोशिश करता है। इसमें कई उल्लेखनीय घोषणाएं की गईं जो बेहतर दिनों की शुरुआत का संकेत देती हैं।

वित्त मंत्री के भाषण से निकली एक अहम बात थी विवादों को कम करने की दिशा में निर्णायक बदलाव। उनके भाषण में जुर्मानों और अभियोजन को युक्तिसंगत करने के मुद्दे को चिह्नित किया गया। बजट में एक सामान्य आदेश के जरिये आकलन और जुर्माने की प्रक्रिया को एकीकृत करने की बात कही गई। अपील का नतीजा कुछ भी हो, प्रथम अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष अपील की अवधि के दौरान कर दाता पर दंड के लिए कोई ब्याज लागू नहीं होगा। आकलन और दंडात्मक कार्रवाई का एकीकरण, अपील से पहले जमा को 20 फीसदी से कम करके 10 फीसदी करना, छोटे उल्लंघनों को अपराध मुक्त करना और अद्यतन रिटर्न के दायरे का विस्तार करना, ये सभी कदम एक पूर्व अनुमानित समाधान की दिशा में बदलाव का संकेत देते हैं। बजट ने कम रिपोर्टिंग के कारण दंड और अभियोजन से मिलने वाली छूट को आय की गलत रिपोर्टिंग के मामलों तक विस्तारित कर दिया है। यद्यपि इसकी लागत अधिक है (संबंधित कर का 100 फीसदी निर्धारित किया गया), फिर भी यह व्यवसायों को उन मामलों में आपराधिक जोखिम से स्पष्ट रूप से बाहर निकलने का मार्ग प्रदान करता है, जो अस्पष्ट क्षेत्र में आते हैं। यह विशिष्ट नीतिगत सुधार कर अपराधों को अपराध मुक्त करने संबंधी नीति आयोग के दस्तावेज का प्रतिबिंब है। वर्ष 2019 के कॉरपोरेट कर सुधार के आधार पर, जिसका उद्देश्य कराधान को सरल बनाना था, न्यूनतम वैकल्पिक कर में व्यापक बदलाव का प्रस्ताव किया गया है ताकि रियायती कर व्यवस्था की ओर तेजी से बढ़ा जा सके। न्यूनतम वैकल्पिक कर क्रेडिट का समायोजन केवल उन्हीं कंपनियों के लिए उपलब्ध होगा जो नई व्यवस्था को अपनाएंगी, और यह उनकी कर देनदारी के एक-चौथाई तक सीमित होगा। इसके अतिरिक्त, न्यूनतम वैकल्पिक कर को 1 अप्रैल, 2026 से एक अंतिम कर में परिवर्तित करने का प्रस्ताव है, जिससे न्यूनतम वैकल्पिक कर क्रेडिट का आगे संचय समाप्त हो जाएगा। इसके साथ ही इसकी दर को 15 फीसदी से घटाकर 14 फीसदी किया जाएगा।

-डॉ. सुधाकर आशावादी

पीड़ा की धरती पर आशा का वृक्षः बाबा आमटे

कुछ लोग जन्म लेकर नहीं, बल्कि अपने कर्मों से अमर बनते हैं। वे समय की सीमाओं को लांघकर समाज की आत्मा में स्थायी स्थान बना लेते हैं। बाबा आमटे ऐसे ही विरले व्यक्तित्व थे, जिनका संपूर्ण जीवन करुणा, साहस और सेवा का उज्ज्वल प्रतीक बन गया। 9 फरवरी 2008 को भले ही उनकी देह नश्वरता में विलीन हो गई हो, परंतु उनके विचार आज भी असंख्य जीवनों को दिशा और ऊर्जा प्रदान कर रहे हैं। वे केवल एक समाजसेवक नहीं, बल्कि मानवीय चेतना की सजीव अभिव्यक्ति थे, जिन्होंने पीड़ा को संबल और दुर्बलता को आत्मविश्वास में बदल दिया। उनके लिए सेवा कोई औपचारिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आत्मा की तपस्या थी। उन्होंने यह प्रमाणित किया कि स्थायी परिवर्तन बाहरी सहायता से नहीं, बल्कि अंतर्मन की जागृति से उत्पन्न होता है।

26 दिसंबर 1914 को महाराष्ट्र के हिंगणघाट, वर्धा में जन्मे मुरलीधर देवीदास आमटे का प्रारंभिक जीवन वैभव और सुविधा से सुसज्जित था। संपन्न परिवार में पले-बढ़े बाबा आमटे ने बचपन से ही ऐश्वर्य, प्रतिष्ठा और आधुनिक जीवनशैली का अनुभव किया। आकर्षक वस्त्र, तेज रफ्तार वाहन और सामाजिक सम्मान उनके दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा थे। किंतु इस भौतिक चमक-दमक के पीछे उनके मन में एक गहन बेचैनी निरंतर करवट लेती रहती थी। वे जीवन को केवल सुख-साधनों का साधन नहीं मानते थे, बल्कि उसे किसी महान उद्देश्य से जोड़ना चाहते थे। यही आंतरिक मंथन धीरे-धीरे उनके व्यक्तित्व को रूपांतरित करता गया और उन्हें आत्मकेंद्रित सोच से निकालकर सामाजिक दायित्व की ओर अग्रसर करता चला गया।

शिक्षा और बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में बाबा आमटे ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कीं। नागपुर से बी.ए. और एल.एल.बी. की उपाधि प्राप्त कर वे एक सक्षम और प्रतिष्ठित वकील बने। न्यायालयों में कार्य करते हुए उन्होंने देखा कि कानून की पहुंच अक्सर निर्बल और वंचित वर्ग तक नहीं हो पाती। निर्णय तो होते थे, परंतु पीड़ितों की पीड़ा अनसुनी रह जाती थी। इसी काल में एक उपेक्षित कुष्ठ रोगी को असहाय अवस्था में देखकर उनका अंतःकरण विचलित हो उठा।

समाज द्वारा ठुकराए गए उस मानव की दुर्दशा ने उनकी आत्मा को भीतर तक झकझोर दिया। उसी क्षण उन्होंने दृढ़ निश्चय किया कि वे अपना संपूर्ण जीवन उन लोगों के उत्थान के लिए समर्पित करेंगे, जिन्हें समाज ने उपेक्षा और तिरस्कार के अंधकार में छोड़ दिया है।

जब संकल्प सच्चा हो और उद्देश्य पवित्र, तब वह इतिहास का रूप ले लेता है। बाबा आमटे के इसी दृढ़ निश्चय ने 1949 में आनंदवन को जन्म दिया। चंद्रपुर जिले की वीरान और उपेक्षित भूमि पर स्थापित यह आश्रम केवल उपचार का केंद्र नहीं, बल्कि स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता की कार्यशाला बन गया। यहाँ पीड़ितों को सहानुभूति नहीं, सम्मान की अनुभूति कराई जाती थी। बाबा आमटे ने श्रम, शिक्षा और कौशल को जीवन की आधारशिला बनाया। प्रत्येक व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया गया, ताकि वह अपने भविष्य का निर्माण स्वयं कर सके। कृषि, हस्तकला, शिक्षण और उद्योग के माध्यम से आनंदवन आत्मगौरव का प्रतीक बन गया। यह स्थान टूटे हुए आत्मबल को फिर से जाग्रत करने का पावन स्थल बन गया।

एक व्यक्ति नहीं, टूटे जीवनों की पुनर्रचना

बाबा आमटे की करुणा और संघर्ष की सीमा कभी किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं रही। उनका हृदय समाज के प्रत्येक उपेक्षित, शोषित और पीड़ित व्यक्ति के लिए धड़कता था। आदिवासी समाज, दिव्यांगजन, निर्धन परिवार और विस्थापित समुदाय सभी उनके संरक्षण और मार्गदर्शन के पात्र बने।

वे दृढ़ विश्वास रखते थे कि मनुष्य का मूल्य उसकी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि उसकी चेतना, साहस और आत्मसम्मान से मापा जाता है।

उन्होंने लोगों के मन से हीनता की भावना को मिटाने का प्रयास किया और यह समझाया कि दुर्बलता कोई अभिशाप नहीं, बल्कि संघर्ष और सफलता की पहली सीढ़ी हो सकती है। उनका लक्ष्य केवल सहायता प्रदान करना नहीं था, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन का निर्माता बनाना था।

प्रकृति के प्रति बाबा आमटे की संवेदनशीलता उनकी दूरदर्शिता का प्रतीक थी। वे विकास के नाम पर पर्यावरण के अंधाधुंध विनाश के प्रखर विरोधी थे। नर्मदा बचाओ आंदोलन में उनकी सक्रिय सहभागिता इसी चेतना का प्रमाण बनी। उनका स्पष्ट मत था कि प्रगति तभी सार्थक है, जब उसमें मानव और प्रकृति दोनों का संरक्षण सुनिश्चित हो। उन्होंने संतुलित विकास की अवधारणा को केवल विचार तक सीमित नहीं रखा, बल्कि अपने जीवन में उसे आत्मसात किया। उनके लिए नदियाँ, जंगल और भूमि मात्र संसाधन नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की अमूल्य धरोहर थीं। उन्होंने समाज को बार-बार चेताया कि प्रकृति की उपेक्षा करने वाली सभ्यताएँ कभी स्थायी नहीं रह सकतीं।

जब राष्ट्र की आत्मा को जगाने का संकल्प जाग्रत हुआ, तब 1985 में 'भारत जोड़ो अभियान' का सूत्रपात हुआ। यह केवल एक पदयात्रा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता का महाअभियान था। बाबा आमटे ने पैदल चलकर गांव-गांव और नगर-नगर जाकर भाईचारे, सहयोग और सौहार्द का संदेश जन-जन तक पहुँचाया। उन्होंने लोगों को यह समझाया कि सशक्त राष्ट्र की नींव आपसी विश्वास और समानता पर टिकी होती है। यद्यपि उन्हें अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से अलंकृत किया गया, किंतु वे कभी इन उपलब्धियों के मोह में नहीं बंधे। पदक और उपाधियाँ उनके लिए महत्वहीन थीं। उनके लिए सबसे बड़ा पुरस्कार उन चेहरों की मुस्कान थी, जिन्हें उन्होंने आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान का मार्ग दिखाया। यही संतोष उनके जीवन की सबसे मूल्यवान पूंजी था।

त्याग, तपस्या और अटूट संकल्प से निर्मित एक व्यक्ति, एक विचार, एक युग बाबा आमटे का जीवन मानवता की अमर गाथा है। 9 फरवरी 2008 को भले ही उनका पार्थिव शरीर इस संसार से विदा हो गया हो, परंतु उनकी चेतना आज भी समाज के हर कोने में स्पंदित होती है।

वे हमें यह शिक्षा देते हैं कि जीवन की सार्थकता केवल स्वयं के सुख में नहीं, बल्कि दूसरों के दुःख को दूर करने में निहित है। प्रेम, करुणा और निरंतर परिश्रम से ही सामाजिक उत्थान संभव होता है। उनके आदर्श हमें निरंतर प्रेरित करते हैं कि हम अन्याय के विरुद्ध निर्भीक होकर खड़े हों और संवेदनशीलता को अपना आभूषण बनाएं। उनके विचारों को अपने जीवन में उतारना ही उनके प्रति सच्ची और स्थायी श्रद्धांजलि है।

-प्रो. आरके जैन

यथास्थिति बरकरार रखने वाला बजट, वैश्विक निवेशकों के लिए सीमित आकर्षण

बजट पेश होने के बाद 1 फरवरी, रविवार को बाजार में भयंकर बिकवाली दिखी। शेयर निवेशकों को पूंजीगत लाभ कर के मोर्चे पर कोई बदलाव नहीं दिखना निराशा का सबसे बड़ा कारण नजर आया। ज्यादातर कारोबारी डेरिवेटिव सौदों पर प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) में भारी बढ़ोतरी से आश्चर्यचकित और 17.2 लाख करोड़ रुपये की भारी भरकम उधारी से भी चिंतित हैं। कई लोगों को लगता है कि ब्याज दरें बढ़ेंगी क्योंकि 17.2 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े में 1.3 लाख करोड़ रुपये के अल्पकालिक उधार या ट्रेजरी-बिल शामिल नहीं हैं। माना जा रहा था कि इस बजट में कुछ लक्षित प्रोत्साहनों के माध्यम से विदेशी पूंजी, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) को आकर्षित करने के उपाय होंगे। सितंबर 2024 से एफपीआई 40 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के शेयर बेच चुके हैं और भारत में पिछले 5 वर्षों से भी अधिक समय में शुद्ध एफपीआई नहीं आया है।

एफडीआई जरूर आया है मगर शुद्ध निवेश 10 अरब डॉलर प्रति वर्ष से कम है जो भारत जैसे क्षमतावान देश के लिए बहुत कम है। हम एक अस्थिर भू-राजनीतिक और आर्थिक हालात से गुजर रहे हैं और व्यापक आर्थिक बुनियाद मजबूत होने के बावजूद रुपया फिसलता जा रहा है। इन पर विचार करते हुए विदेशी पूंजी आकर्षित करने के लिए भारत को विशेष ध्यान देना होगा क्योंकि हमारे देश की आर्थिक तरक्की के लिए यह बहुत जरूरी है।

बजट के गणित की बात करें तो यह तर्कसंगत लगता है। हमने वित्त वर्ष 2026 में राजकोषीय घाटा 4.4 फीसदी तक समेटने का लक्ष्य हासिल करने के बाद अगले वित्त वर्ष के लिए इसे और कम कर 4.3 फीसदी तक रखने का अनुमान लगाया है। वित्त वर्ष 2027 के लिए नॉमिनल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 10 फीसदी रहने और सकल कर राजस्व में 8 फीसदी की वृद्धि का अनुमान है (जिसमें निगम कर और आय कर में क्रमशः 11 फीसदी और 11.7 फीसदी वृद्धि होगी)। अप्रत्यक्ष करों में केवल 2.3 फीसदी की वृद्धि का अनुमान है क्योंकि अब जीएसटी की नई दरें लागू हो गई हैं। कर दरों में कटौती को देखते हुए सकल कर राजस्व घटकर जीडीपी का 11.2 फीसदी हो गया है।

गैर-कर राजस्व सपाट रहा है और केंद्र सरकार की कुल राजस्व प्राप्तियां केवल 5.7 फीसदी बढ़ी हैं। सरकार का कुल व्यय 7.7 फीसदी बढ़कर 53.47 लाख करोड़ रुपये हो जाएगा। वित्त वर्ष 2027 में सरकार के व्यय में कुल 3.82 लाख करोड़ रुपये बढ़ोतरी होने का अनुमान है। इस बढ़ोतरी में 3.1 लाख करोड़ रुपये केंद्र सरकार के प्रभावी पूंजीगत व्यय (कैपेक्स और पूंजीगत संपत्ति निर्माण के लिए अनुदान सहायता) को बढ़ावा देने में खर्च होंगे। शेष 70,000 करोड़ रुपये से अधिक ब्याज भुगतान में 1.3 लाख करोड़ रुपये के इजाफे के कारण खर्च हो जाएंगे। इस प्रकार ब्याज भुगतान और अनुदान सहायता में वृद्धि को घटाने के बाद, शुद्ध रूप से केंद्र सरकार ने वास्तव में वित्त वर्ष 2027 में राजस्व व्यय कम करने का बजट बनाया है। यह सब्सिडी में दिखाई देता है जो वास्तव में वित्तीय वर्ष 2027 में 19,240 करोड़ रुपये घटने का अनुमान है। राज्यों का राजस्व व्यय बढ़ रहा है जिसे देखते हुए खर्च पर यह नियंत्रण सराहनीय है। केंद्र सरकार का पूंजीगत व्यय 11.5 फीसदी बढ़कर 12.2 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। यह रकम काफी हद तक रक्षा पूंजी उपकरणों, सड़कों और रेल पर खर्च होती है। इन तीनों मदों में इजाफा किया गया है। रक्षा पर व्यय 1.86 लाख से बढ़कर 2.19 लाख करोड़ रुपये (18 फीसदी) हो गया है और रेलवे के लिए आवंटन भी 10 फीसदी बढ़कर 2.77 लाख करोड़ कर दिया गया है। सड़कों पर व्यय 8 फीसदी बढ़कर 2.94 लाख करोड़ रुपये हो जाएगा। पूंजीगत व्यय की तरफ कुल व्यय का मिश्रण वित्त वर्ष 2018 में दर्ज 21 फीसदी से बढ़कर वित्त वर्ष 2027 में 32 फीसदी हो गया है (राज्यों को अनुदान सहायता सहित)। आने वाले समय में यह आंकड़ा लगातार बढ़ाने की क्षमता को लेकर चिंता जरूर है क्योंकि सरकारी पूंजीगत व्यय जीडीपी के 3.2 फीसदी पर स्थिर होता दिख रहा है।

बजट में एकमात्र कमजोरी विनिवेश प्राप्तियों के अनुमान में नजर आ रही है जिसे 80,000 करोड़ रुपये बताया गया है जबकि आरबीआई एवं सार्वजनिक बैंकों से लाभांश मद में 3.16 लाख करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद लगाई गई है। ये दोनों ही अनुमान अधिक दिख रहे हैं। व्यय पर कड़े नियंत्रण के बावजूद सरकार ने ग्रामीण रोजगार गारंटी के लिए आवंटित धन 88,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1,25,692 करोड़ रुपये कर दिया है। जल जीवन मिशन और पीएमएवाई शहरी और ग्रामीण योजनाओं के लिए खर्च में भी भारी वृद्धि हुई है।

संरचनात्मक मुद्दों के लिहाज से बात करें तो शेयर पुनर्खरीद पर कर में बदलाव एक सकारात्मक कदम है। उम्मीद है कि इस कदम से कंपनियां एक बार फिर इस रास्ते पूंजी लौटाने के लिए प्रोत्साहित होंगी। जीसीसी और कैप्टिव इकाइयों के लिए कराधान पर स्थिति साफ करने के लिए एक बहुत ही गंभीर प्रयास किया गया है। इसके लिए 'सुरक्षित हार्बर प्रावधानों' के उपयोग और व्यवसाय करने में आसानी में सुधार के लिए कराधान में कई अन्य प्रक्रियात्मक बदलाव किए गए हैं। नया आयकर अधिनियम वित्त वर्ष 2027 में लागू होगा और विभिन्न प्रक्रिया सरल बनाने और गैर-आपराधिक बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। विदेश में शिक्षा और मेडिकल बिलों पर टीसीएस में कटौती स्वागत योग्य कदम हैं।

इलेक्ट्रॉनिक पुर्जों पर लगातार ध्यान दिया जाना बेहद महत्त्वपूर्ण कदम है। इनके लिए 40,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त आवंटन हुआ है। दुर्लभ खनिज मैग्नेट, रसायन, बायो-फार्मा, सेमीकंडक्टर और पूंजीगत वस्तु क्षेत्रों को विकसित करने में मदद करने के लिए विभिन्न नई योजनाएं हैं। कपड़ा क्षेत्र को मदद देने के लिए एक व्यापक पैकेज का प्रावधान है जबकि एमएसएमई के लिए विभिन्न समर्थन उपायों की घोषणा की गई है। इनमें पूंजी समर्थन के लिए 10,000 करोड़ रुपये और कामकाजी पूंजी की उपलब्धता आसान बनाने के उपाय शामिल हैं। टियर 2 शहरी केंद्रों, नगर निगम बॉन्ड के लिए प्रोत्साहन और 7 नए तेज रफ्तार रेल संपर्क (लिंक) मार्गों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। युवाओं के लिए स्वास्थ्य देखभाल खंड में रोजगार का इंतजाम, विश्वविद्यालय टाउनशिप और पर्यटन क्षेत्र की जरूरतों पर ध्यान दिया गया है। भरोसेमंद निर्यातकों के लिए सीमा शुल्क प्रक्रिया सरल बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

बजट में कुछ भी बहुत नकारात्मक नहीं है। यह वित्तीय सुधार के रास्ते पर है और पूंजीगत व्यय पर प्राथमिकता के साथ व्यय की गुणवत्ता में सुधार जारी है। कमजोर राजस्व के अनुमान को देखते हुए कुछ भी भारी बदलाव की गुंजाइश नहीं थी। हालांकि, मुझे लगता है कि निवेशकों को सरकार से कोई बड़ी उम्मीद नहीं दिख रही है।

-धनंजय राजौरा

अशासकीय शिक्षण संस्था संचालक संघ द्वारा आयोजित हुआ शिक्षा का महाकुम्भ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अशासकीय शिक्षण संस्था संचालक संघ, देवास के तत्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन एवं उससे जुड़ी चुनौतियों को समझने के उद्देश्य से सेन थॉम अकादमी, देवास में एक भव्य व्याख्यान एवं शिक्षण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह आयोजन शिक्षा के क्षेत्र में एक ÷शिक्षा महाकुम्भ÷ के रूप में संपन्न हुआ। इस संगोष्ठी में राष्ट्रीय स्तर के प्रबुद्ध शिक्षाविदों एवं चिंतकों की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी उपस्थित रहे। वहीं मुख्य अतिथि के रूप में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलगुरु प्रो. एस. के. जैन, अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलगुरु प्रो. देव आनंद हिंडोलिया, आत्मनिर्भर भारत, नई दिल्ली के राष्ट्रीय संयोजक प्रो. ओमप्रकाश शर्मा, विक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अर्पण भारद्वाज, तथा अशासकीय शिक्षण संस्था संचालक संघ के अध्यक्ष श्री राजेश खत्री एवं सचिव दिनेश मिश्रा मंचासीन रहे। संगोष्ठी के माध्यम से देवास नगर को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों, स्वरूप एवं व्यवहारिक चुनौतियों को प्रत्यक्ष रूप से समझने का सुअवसर प्राप्त हुआ।

मुख्य वक्ता डॉ. अतुल कोठारी ने अपने वक्तव्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि यह नीति वर्तमान समय की अत्यंत आवश्यक मांग है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1952 से अब तक माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा के लिए तो विभिन्न आयोग गठित हुए, किंतु प्राथमिक एवं पूर्व-प्राथमिक शिक्षा के लिए किसी ठोस आयोग का गठन नहीं हुआ। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इस कमी को दूर करते हुए 5334 का नवीन शैक्षणिक ढांचा प्रस्तुत किया है, जिसमें प्राथमिक एवं पूर्व-प्राथमिक शिक्षा को विशेष महत्व दिया गया है।

उन्होंने नीति की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कक्षा पाँच तक शिक्षा मातृभाषा में तथा संभव हो तो कक्षा आठ तक मातृभाषा में दी जानी चाहिए। कक्षा छह से व्यावहारिक एवं व्यवसायिक शिक्षा तथा कक्षा नौ से कौशल विकास एवं इंटर्नशिप को अनिवार्य किया गया है। विद्यार्थियों को विषय चयन की स्वतंत्रता दी गई है, जिससे वे कला, वाणिज्य, विज्ञान, संस्कृत, अंग्रेज़ी सहित विभिन्न विषयों का चयन अपनी रुचि के अनुसार कर सकें।

डॉ. कोठारी ने कहा कि शिक्षक के लिए बी.एड. आवश्यक है, किंतु कौशल विकास जैसे विषयों के लिए संबंधित क्षेत्र के कुशल व्यक्तियों की सेवाएँ भी ली जा सकती हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षा में भारतीय ज्ञान परंपरा का समावेश अत्यंत आवश्यक है। प्रत्येक बालक में कोई न कोई योग्यता होती है; आवश्यकता है उसे पहचान कर उसी दिशा में आगे बढ़ाने की। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि अनेक महान खिलाड़ी एवं कलाकार औपचारिक डिग्री के बिना भी अपने क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं। इसी विचारधारा पर आधारित राष्ट्रीय शिक्षा नीति पंचकोश की संकल्पना को केंद्र में रखती है।

उन्होंने विभिन्न जिलों में नीति के अंतर्गत किए गए प्रयोगों का उल्लेख करते हुए बताया कि झाबुआ जिले में परमार दंपति द्वारा बच्चों को कौशल विकास का प्रशिक्षण देकर पद्मश्री सम्मान तक पहुँचना नीति की सफलता का सशक्त उदाहरण है। नवीन शिक्षा नीति के अंतर्गत आईआईटी एवं मेडिकल कॉलेजों में भारतीय भाषाओं में अध्ययन की शुरुआत हो चुकी है। भारतीय ज्ञान परंपरा, जैसे वैदिक गणित एवं मंत्र विज्ञान, आज विश्व के अनेक देशों में अपनाई जा रही है। उन्होंने सी. वी. रमन एवं डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम जैसे महापुरुषों का उदाहरण देते हुए कहा कि जो स्वयं के आचरण से सिखाए, वही सच्चे आचार्य होते हैं। अन्य अतिथियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उद्बोधनों के पश्चात प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से सार्थक एवं संवादात्मक चर्चा हुई। कार्यक्रम में देवास नगर के शिक्षा से जुड़े समस्त शैक्षणिक संस्थानोंकृविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं शिक्षा महाविद्यालयों के संचालक, प्राचार्य, संस्था प्रमुख तथा नगर के अनेक विशिष्ट नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सैयद मकसूद अली एवं कीर्ति चव्हाण द्वारा किया गया। स्वागत भाषण एवं संस्था की कार्ययोजना का परिचय संघ के अध्यक्ष राजेश खत्री ने प्रस्तुत किया, जबकि अतिथि परिचय सुरेंद्र राठौर द्वारा दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत सेन थॉम अकादमी के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन संघ के सचिव दिनेश मिश्रा ने किया। उक्त जानकारी संस्था के मीडिया प्रभारी शकील कादरी, आदित्य दुबे एवं अबरार अहमद शैख द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में विभिन्न समितियों के सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई, जिनमें प्रमुख रूप से सुनील थॉमस, महेंद्र सिंह गहलोत, शकील शेख, स्वप्निल जैन, आर. पी. मिश्रा, सैयद मेहसर अली, अजीज कुरेशी, रवि श्रीवास्तव, सुरेश चौहान, सुरेश चव्हाण, निरंजन ठाकुर, संदीप चौरसिया, रितेश मिश्रा, शोएब शेख, भावेश अग्रवाल, आज़ाद शेख, लखन मालवीय, नारायण, सुरेश माकोड़े, विशाल शर्मा, प्रभात माचवे, सैय्यद रियाज, शिवराज सिंह चावड़ा, शाहनवाज़ अली, फारूक पठान, नीरज शर्मा, चेतन यादव, मनोज हिनोरे, राजेश गोयल, दुर्गेश यादव, खालिद कुरैशी, उस्मान शेख, अनिल शर्मा, शाहरुख पठान, भरत पटेल, सुरेंद्र राठौर, सदाकत अली, मोखिर अली, अतुल मद्धव, आदित्य खत्री, शीतल गोस्वामी, सुषमा अरोरा, सहित अन्य सहयोगी शामिल रहे। सभी के संयुक्त प्रयासों से यह आयोजन अत्यंत सफल रहा।

कलाव्योम फाउंडेशन द्वारा क्षिप्रा नदी घाट, क्षिप्रा पर गूंजे लोक गीत

पद्मश्री कालूराम बामनिया ने दी कबीर लोक गीतों की प्रस्तुति

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुण्य सलिला क्षिप्रा नदी के पावन तट, क्षिप्रा पर कलाव्योम फाउंडेशन द्वारा आयोजित लोक गायन प्रस्तुति कार्यक्रम में लोक संगीत की मधुर स्वर-लहरियों ने संपूर्ण वातावरण को भक्तिरस, अध्यात्म और सांस्कृतिक चेतना से सराबोर कर दिया। क्षिप्रा नदी घाट, क्षिप्रा पर आयोजित इस सांस्कृतिक संध्या में बड़ी संख्या में संगीत प्रेमी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे, जो लोक गायन की प्रस्तुति सुनकर मंत्रमुग्ध हो गए।

कार्यक्रम में पद्मश्री सम्मानित लोकगायक कालूराम बामनिया ने संत कबीर के अमर पदों की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। उनकी सशक्त और आत्मिक गायन शैली ने श्रोताओं को लोक परंपरा की गहराइयों से जोड़ दिया। ÷मन लाग्यों मेरो यार फकीरी में÷, ÷मन मस्त हुआ रे क्या बोले÷, ÷चदरिया झिनी रे झिनी÷ जैसे कबीर पदों की प्रस्तुति पर श्रोता झूम उठे और पूरा घाट कबीर वाणी से गूंज उठा। इन गीतों के माध्यम से संत कबीर के वैराग्य, मानवता, सत्य और आत्मबोध के संदेश श्रोताओं तक प्रभावी रूप से पहुंचे।

लोक गायन की इस प्रस्तुति ने न केवल सांस्कृतिक आनंद प्रदान किया, बल्कि भारतीय लोक परंपरा की समृद्ध विरासत को सहेजने का संदेश भी दिया। कार्यक्रम के दौरान क्षिप्रा नदी के पवित्र स्वरूप और उसके सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित किया गया। आयोजकों ने बताया कि इस तरह के आयोजन समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं।

कलाव्योम फाउंडेशन के अध्यक्ष अशोक श्रीमाल ने अपने संबोधन में कहा कि क्षिप्रा नदी केवल एक जलधारा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान है। इसके संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता फैलाना समय की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए कलाव्योम फाउंडेशन द्वारा क्षिप्रा नदी संरक्षण के संदेश के साथ हर माह सांस्कृतिक आयोजन किए जाएंगे, ताकि कला, संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़ा जा सके।

वहीं फाउंडेशन की सचिव अपर्णा भोसले ने कहा कि लोक संगीत हमारी सांस्कृतिक आत्मा है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को लोक कला से जोड़ना और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाना कलाव्योम का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि भविष्य में लोक गायन, नृत्य, नाट्य और साहित्य से जुड़े विविध कार्यक्रमों का आयोजन क्षिप्रा तट पर किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान घाट पर उपस्थित श्रोताओं ने लोक गायन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन मानसिक शांति प्रदान करते हैं और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। कई श्रोताओं ने कबीर पदों की प्रस्तुति को भाव-विभोर कर देने वाला बताया।

समापन अवसर पर कलाकारों का सम्मान किया गया और क्षिप्रा नदी को स्वच्छ व संरक्षित रखने का सामूहिक संकल्प लिया गया। लोक संस्कृति और नदी संरक्षण के इस अनूठे संगम ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया।

कलाव्योम फाउंडेशन का यह प्रयास निश्चित ही लोक कला के संरक्षण के साथ-साथ क्षिप्रा नदी के प्रति सामाजिक उत्तरदायित्व को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

विशेष शिविर के द्वितीय दिवस श्रमदान एवं महिला अधिकार जागरूकता गतिविधियो का आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस कृष्णाजीराव पवार शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवास की राष्ट्रीय सेवा योजना के आयोजित विशेष शिविर गोद ग्राम गदूखेड़ी में शिविर के द्वितीय दिवस प्राथमिक विद्यालय के सामने नालियों की सफाई की गई तथा 9 फरवरी से ग्राम में प्रस्तावित भागवत कथा स्थल को कचरा मुक्त किया गया। बौद्धिक सत्र में प्रो मोहिनी सिंह परमार सहायक प्राध्यापक सैन्य विज्ञान ने महिलाओं में डिजिटल जागरूकता एवं सुरक्षा की जानकारी दी। इसके बाद सीनियर वॉलेंटियर भूपेश चौधरी, आदर्श जादव ओर आशीष पंचाल के नेतृत्व में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, उपरोक्त गतिविधि में शिविर नायक मुस्कान लोधी, ईश्वर लोधी ओर निखिल नगर के साथ 46 स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

नारायण विद्या मंदिर क्रमांक 1 विद्यालय द्वारा सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना का विशेष शिविर का आयोजन ग्राम बालोदा में

स्वयं सेवक के जीवन में संस्कार और अनुशासन होना बहुत जरूरी है-समन्वयक डॉ शेखर मेदमवार

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री नारायण विद्या मंदिर शासकीय उमावि क्रमांक 1 के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के अधिकारी मिर्जा मुशाहिद बैग ने बताया कि दिनांक 4 फरवरी 2026 से 10 फरवरी 2026 तक ग्राम बालोदा में विद्यालय के स्वयंसेवकों (विद्यार्थियों) द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर का अवलोकन विक्रमादित्य विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रोफेसर डॉ शेखर मेदमवार ने ग्राम बालोदा के प्राथमिक विद्यालय में आकर स्वयं सेवको के शिविर में किए जा रहे कार्यो की जानकारी ली तथा उनके कार्यो से संतुष्ट पाए गए, इस शिविर में भाग लेने वाले सभी स्वयं सेवको से रूबरू हुवे। शिविर में ग्राम पंचायत बालौदा के सरपंच पवन चौधरी की उपस्थिति थे तथा चौधरी ने भी छात्रों के कार्यों की प्रशंसा की। अतिथियों का स्वागत प्राचार्य श्रीकृष्ण कुमार मिश्रा एवं बालोदा प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक संतोष बारोलिया ने किया। प्राचार्य श्रीकृष्ण कुमार मिश्रा ने शिविर संबंधी जानकारी दी एवं बताया कि विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा ग्राम बालौदा में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखते हुए पूरे गांव की साफ सफाई की गई एवं जन जागरूकता के लिए एक रैली भी निकाली गई थी जिसमें सभी ग्राम वासियों को उन्होंने रैली के माध्यम से संदेश दिया कि अपने गांव को स्वच्छ एवं स्वस्थ रखना है।विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रोफेसर डॉ शेखर मेदमवार ने स्वयं सेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि में शिविर में आकर और आप लोगों को इतनी संख्या में देखकर मैं अभिभूत हूं कहा कि स्वयं सेवक के जीवन में संस्कार और अनुशासन का होना बहुत जरूरी है तभी स्वयंसेवक आगे चलकर राष्ट के नैतिक विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकता है और आगे चलकर एक अच्छा नागरिक बन सकता है, यह तभी संभव है जब स्वयं सेवक राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यों का सभी तरह क्रियान्वयन करेंगा। कार्यक्रम का सफल संचालन मिर्ज़ा मुशाहिद बैंग ने किया एवं आभार संतोष बारोलिया ने माना। इस अवसर पर ग्राम बालौदा के ग्रामवासी भी उपस्थित रहे।

परिवहन विभाग के जांच दल द्वारा भूराभगत में प्रारंभ हुये महादेव मेले पर चलाया गया विशेष जांच अभियान

छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। परिवहन आयुक्त ग्वालियर एवं कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में परिवहन विभाग के विशेष जांच दल द्वारा आज भूराभगत में प्रारंभ हुये महादेव मेले पर संचालित हो रहे छोटे-बड़े वाहनों की जांच की गई।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी छिन्दवाड़ा श्री अनुराग शुक्ला ने बताया कि महादेव मेले पर संचालित हो रहे छोटे-बड़े वाहनों की जांच में मुख्यतः यात्री वाहनों में ओवरलोडिंग, किराया सूची, आपातकालीन द्वार पर दरवाजा लगा होना, अग्निशामक यंत्र साथ ही वाहन संबंधी समस्त दस्तावेजों, महाराष्ट राष्ट राज्य की सीमा से संचालित हो रहे वाहनों का मोटरयान कर, यात्रियों की ओवरलोडिंग की सघनता से जांच की गई। जांच में मोटरयान अधिनियम के तहत कमियां पाये जाने पर 06 वाहनों पर 7100 रूपये की चालानी कार्यवाही कर राजस्व प्राप्त किया गया। साथ ही दोपहर में मानसरोवर स्थित बस स्टैंड छिंदवाड़ा में यात्री वाहन संचालकों के साथ बैठक की गई। बैठक में संचालकों को सख्त हिदायत दी गई।

108 कुण्डीय श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ व श्री शिव महापुराण कथा में बरसेंगी महाकृपा

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़वाह यज्ञ संस्कृति ही भारतीय संस्कृति, ऋषि संस्कृति, देव संस्कृति जैसे नामों से पहचानी जाती रही है। 'यज्ञ' को भारत सहित सम्पूर्ण विश्व की देव परम्पराओं में चौबीसवां अवतार माना गया है।शहर के नर्मदा रोड स्थित सत्कार ढाबे के पीछे 19 से 28 फरवरी तक अखण्ड हरिनाम संकीर्तन एवं महायज्ञ परमपूज्यपाद तपोमूर्ति स्वामी श्री अवधेश चैतन्य ब्रह्मचारी जी महाराज सुरजकुंड धाम कुम्भलगड के सानिध्य मे सत्संकल्पकर्ता स्वामी निर्मल चैतन्य पूरी जी महाराज के द्वारा 108 कुण्डीय श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ एवं श्री शिवमहा पुराण कथा का 10 दिवसीय का आयोजन होने जा रहा है।इस दस दिवसीय भव्य धार्मिक आयोजन को लेकर करीब 12 एकड़ जमीन पर तैयारियां जोरो से चल रही है।

यज्ञशाला में 108 हवन कुंड का निर्माण कराया गया है।

स्वामी निर्मल चैतन्य पूरी जी महाराज ने बताया कि बड़वाह शहर में पहली बार 108 कुण्डीय श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ एवं श्री शिवमहापुराण कथा भक्तमाल चरित कथा का आयोजन प्रतिदिन किया जाएगा।100 बाय 100 में यज्ञशाला में 108 हवन कुंड का निर्माण कराया गया है।यज्ञाचार्य श्रद्धेय पण्डित प्रवर श्री आचार्य श्री डॉ. गंगाधर पाण्डेय महाभाग के द्वारा सवा करोड़ भगवान लक्ष्मी नारायण के मंत्रोंचार की आहुति यजमानों के द्वारा सुबह 09 से 12 दोप.03 से 06 बजे तक 109 कुंडो में डाली जाएगी। लक्ष्मीनारायण महायज्ञ के लिए निकाली जाएगी शोभायात्रा।

आयोजन के समिति के सेवक राजू जायसवाल, राम गुप्ता ने बताया कि 18 फरवरी रविवार को श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ की भव्य शोभायात्रा सुबह 9 बजे आनंदेश्वर महादेव मंदिर से यात्रा प्रारंभ होकर मैन चौराहा जय स्तंभ चौराहा नर्मदा रोड होते हुए सत्कार ढाबा के पीछे बनी यज्ञ मण्डप तक महिलाओं के द्वारा नर्मदाजी का जल कलश में भरकर पैदल करीब 2 किमी की शोभायात्रा निकाली जाएगी।

काशी की तर्ज पर गंगाजी की महाआरती होगी। स्वामी निर्मल चैतन्य पूरी जी महाराज ने बताया कि अखण्ड हरिनाम संकीर्तन सहित सम्पूर्ण भारत की पदयात्रा एवं माँ नर्मदा परिक्रमा के अन्तर्गत ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग क्षेत्र बड़वाह शहर में 10 दिवसीय 108 कुण्डीय श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ एवं श्री शिवमहापुराण कथा भक्तमाल कथा का आयोजन होगा।पंडित प्रवर श्रवण मिश्र महाभाग पंडित प्रवर अतुल मिश्र महाभाग पंडित प्रवर सुभाष चन्द्र सकलानी महाभाग पंडित प्रवर बृजमोहन शर्मा महाभाग पंडित प्रवर नारायण त्रिपाठी जी महाभाग के द्वारा प्रतिदिन शाम शाम 07 बजे से काशी की गंगाजी की तरह नर्मदाजी की महाआरती का लाभ दिलाया जाएगा।

श्री शिव महापुराण कथा एवं भक्तमाल कथा का आयोजन होगा - सेवक मलय गुप्ता वैभव जोशी तुषार त्रिवेदी ने बताया कि आयोजन के दौरान बड़वाह नगर में प्रतिदिन सुबह 5 बजे से प्रभातफेरी अखंड हरिनाम संकीर्तन निकलेगा।सायंकाल 8 बजे रात्रि 10 बजे तक श्री शिव महापुराण कथा एवं भक्तमाल कथा का आयोजन होगा।क्षेत्र की धर्मप्रेमी अनुयायियों से आग्रह है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने की अपील की।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत जिले के नागरिकों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए शिविर लगाकर लिये जा रहे है आवेदन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देश अनुसार देवास जिले में ''संकल्प से समाधान'' अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान 31 मार्च 2026 तक आयोजित किया जाएगा। अभियान ग्राम पंचायत, नगरीय निकाय और जिला स्तर पर संचालित कर हिताग्राहियों को शासकीय योजनाओं और सेवाओं का लाभ दिया दिलाया जा रहा है। संकल्प से समाधान अभियान के प्रथम चरण में घर-घर जाकर ग्राम स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी के गठित दल द्वारा आवेदन के एकत्रीकरण का कार्य किया जा रहा है। अभियान का प्रथम चरण 15 फरवरी तक चलेगा, जिसमें ग्राम पंचायत/नगरीय वार्ड स्तर पर गठित समितियां घर-घर जाकर तथा शिविरों के माध्यम से आवेदन/शिकायतें एकत्र कर रही है। ''संकल्प से समाधान'' अभियान चार चरणों में चलाया जा रहा है। जिसके तहत प्रथम चरण में 15 फरवरी तक ग्राम पंचायत/नगरीय वार्ड स्तर पर घर-घर जाकर और शिविरों के माध्यम से आवेदन/शिकायतें एकत्र की जा रही है। ये आवेदन CM हेल्पलाइन पोर्टल पर भी दर्ज किए जाएंगे। द्वितीय चरण (16 फरवरी से 16 मार्च 2026) तक क्लस्टर/जोन स्तर पर शिविर आयोजित कर प्राप्त आवेदनों का निराकरण किया जाएगा। तृतीय चरण (16 मार्च से 26 मार्च 2026) में विकासखंड/ब्लॉक स्तर पर शेष आवेदनों का समाधान, जहां नगर पालिका/पंचायत साथ हों, वहां संयुक्त शिविर लगाए जाएंगे। चतुर्थ चरण (26 मार्च से 31 मार्च 2026) में जिला स्तर पर अंतिम शिविर, जहां जिले के प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में शेष आवेदनों का निराकरण और हितलाभ वितरण किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत 60+ प्रमुख योजनाओं/सेवाओं को कवर किया जा रहा है, जिनमें इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था/विधवा/निःशक्त पेंशन योजनाएं, मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम स्वनिधि, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, विभिन्न राजस्व सेवाएं (नामांतरण, नक्शा/खसरा प्रतिलिपि आदि),नगरीय विकास संबंधी सेवाएं ट्रेड लाइसेंस, भवन अनुज्ञा, नल/सौकर कनेक्शन आदि शामिल हैं।

उप मुख्यमंत्री ने गुरूकुल विद्यालय से खैरा तक सड़क चौड़ीकरण कार्य की समीक्षा की

रीवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने गुरूकुल विद्यालय से खैरा तक सड़क के चौड़ीकरण कार्य की समीक्षा करते हुए कहा कि यह सड़क रीवा एयरपोर्ट को सिलपरा-बेला रिंग रोड से जोड़ेगी।

सड़क चौड़ीकरण में आने वाली जमीनों के लिए चोरहटा, रघुनाथपुर व खैरा गांव के किसानों ने अपनी सहमति दी है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हवाई अड्डे को जोड़ने वाली सड़क के बन जाने से किसानों की शेष जमीनों का भी मूल्य बढ़ेगा। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में किसानों ने कहा कि हम सब रीवा के विकास में उप मुख्यमंत्री जी के साथ हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आपसी सहमति से जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया कम से कम समय में पूरी हो जाएगी और किसानों को उनकी अधिग्रहीत जमीन का उचित मुआवजा भी शीघ्र मिल जाएगा। उन्होंने लोक निर्माण विभाग व राजस्व विभाग के अधिकारियों को समन्वय बनाकर अतिशीघ्र प्रक्रिया को पूरा करने के निर्देश दिए। श्री शुक्ल ने कहा कि सिलपरा-बेला रिंग रोड निर्माण का कार्य अंतिम चरण में है। आगामी अप्रैल माह में इसका लोकार्पण हो जाएगा। रिंग रोड के लोकार्पण से पूर्व ही गुरूकुल से खैरा होकर बनने वाली सड़क का चौड़ीकरण कार्य भी पूरा करा लिया जाएगा।

ग्राम रंगई में जनभागीदारी से पौधरोपण, मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने किया शुभारंभ

विदिशा /दैनिक मालवा हेराल्ड। पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने आज विदिशा जनपद की ग्राम रंगई में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण और जनसहभागिता का संदेश दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री पटेल ने कहा कि सार्वजनिक भूमि पर सार्वजनिक हितों की पूर्ति हेतु की गई यह पहल अनुकरणीय है। उन्होंने उल्लेख किया कि कई स्थानों पर सार्वजनिक भूमि के अभाव में शासकीय भवनों के निर्माण कार्य प्रभावित होते हैं, ऐसे में उपलब्ध भूमि का सुव्यवस्थित उपयोग आवश्यक है।

मंत्री श्री पटेल ने विशेष रूप से गौशालाओं के चारों ओर बड़ी प्रजाति के पौधे लगाने की बात कही। उन्होंने कहा कि इससे गायों के संवर्धन, स्वास्थ्य संरक्षण एवं अनुकूल वातावरण निर्माण में मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि मूक पशुओं को सड़कों पर घूमने से रोकने में समाज की महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार तकनीकी सहयोग और वित्तीय संसाधन उपलब्ध करा सकती है, परंतु सेवा कार्यों का वास्तविक क्रियान्वयन समाज के हाथों में होता है। उन्होंने विदिशा जिले को इस दिशा में अग्रणी बताते हुए सराहना की।

विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन ने अपने उद्बोधन में कहा कि मध्यप्रदेश को विकसित प्रदेशों की श्रेणी में लाने के अभियानों के प्रभावी क्रियान्वयन में ग्रामीण विकास की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उप संचालक डॉ.पक्षवार ने किया पशु चिकित्सालय चौरई एवं चांद का आकस्मिक निरीक्षण

छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ.एच.जी.एस.पक्षवार द्वारा गत दिवस विकासखंड चौरई के पशु चिकित्सालय चौरई एवं पशु चिकित्सालय चांद का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सभी कर्मचारी उपस्थित पाये गये । उप संचालक डॉ.पक्षवार द्वारा संबंधितों को सभी योजनाओं के लक्ष्य पूर्ति के निर्देश दिये गयें, जिसमें केसीसी, एनएआईपी, सेक्स्ड सॉर्टेड सीमन से कृत्रिम गर्भाधान कार्य करने की सलाह दी गई। संस्था प्रभारी को संस्था समय से खोलने एवं बंद किये जाने एवं समस्त अधिकारी/कर्मचारियों को मुख्यालय में ही रहने के निर्देश दिये गये। इसके बाद उप संचालक डॉ.पक्षवार द्वारा पशु चिकित्सालय चांद का भी निरीक्षण किया गया ।

पत्रकारों के सम्मान पर आई आंच तो बिखर गया AIJ

प्रदेश अध्यक्ष ने भंग की कार्यकारिणी, सामूहिक इस्तीफे की लगी झड़ी

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय पत्रकार संघ में उस समय बड़ा संगठनात्मक संकट खड़ा हो गया, जब खरगोन में आयोजित राष्ट्रीय कल्याण महोत्सव के बाद प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र अग्निहोत्री सहित सैकड़ों पदाधिकारियों ने एक साथ अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। सच कहने का साहस और सलीका का नारा देने वाले संगठन के भीतर मचे इस बवाल ने प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय नेतृत्व तक की नींव हिला दी है।

सम्मान की अनदेखी बनी बगावत की वजह - विवाद की जड़ 1 फरवरी को खरगोन में आयोजित कार्यक्रम बना। आरोप है कि कार्यक्रम की सफलता के लिए दिन-रात एक करने वाले स्थानीय पत्रकारों और प्रदेश के पदाधिकारियों को मंच पर न तो उचित स्थान दिया गया और न ही सम्मान। यूथ विंग के राष्ट्रीय महासचिव रणजीत सिंह ठाकुर ने दो टूक कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व का व्यवहार अमर्यादित था और मंच से बार-बार अव्यवस्थाएं फैलाई जा रही थीं, जिससे जमीनी कार्यकर्ताओं का मनोबल टूटा। इसी नाराजगी के चलते उन्होंने भी अपने राष्ट्रीय पद से त्यागपत्र दे दिया है।

प्रदेश अध्यक्ष ने भंग की कार्यकारिणी, सोशल मीडिया पर उबाल- नाराजगी इतनी गहरी थी कि प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र अग्निहोत्री ने न केवल खुद इस्तीफा दिया, बल्कि अपनी बनाई प्रदेश कार्यकारिणी को भी तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया। इसके बाद इस्तीफों की %सुनामी% आ गई। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, प्रदेश संरक्षक दिलीप सिंह चौहान , प्रदेश सचिव उमेश रेवलिया और संभागीय महासचिव राजेश पंवार सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारियों ने सोशल मीडिया पर अपने त्यागपत्र सार्वजनिक कर दिए। अकेले खरगोन जिले की बात करे तो यहां 100 से अधिक पत्रकारों ने संगठन छोड़ दिया है।

भारतीय पत्रकार संघ से दिए प्रमुख इस्तीफे- एक नजर में- संगठन छोड़ने वाले प्रमुख चेहरों में राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के दिग्गज शामिल हैं जिसमे - धर्मेंद्र अग्निहोत्री प्रदेश अध्यक्ष (म.प्र.), रणजीत सिंह ठाकुर - राष्ट्रीय महासचिव (यूथ विंग), उमेश रेवलिया - प्रदेश सचिव, राजेंद्र अग्रवाल - राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राजेश पंवार - संभागीय महासचिव, दिलीप सिंह चौहान - प्रदेश, संरक्षक, राकेश सिंह चौहान - प्रदेश महासचिव, महेश पाटीदार - प्रदेश मीडिया प्रभारी, कमल सिंह सोलंकी - प्रदेश उपाध्यक्ष, संजय शर्मा - प्रदेश उपाध्यक्ष मनीष शर्मा - इंदौर संभाग अध्यक्ष, महेश शर्मा - इंदौर संभाग उपाध्यक्ष, विजय नीमा - उज्जैन जिलाध्यक्ष, सुरेश तिवारी - धार जिलाध्यक्ष, प्रदेश सचिव उमेश रेवलिया, प्रदेश सचिव चयन राठौर इंदौर संभाग महासचिव - राजेश पवार, भोपाल संभागीय अध्यक्ष - ओमप्रकाश आर्य, सिंगरौली जिला अध्यक्ष - सनोज कुमार बेस, इंदौर संभाग उपाध्यक्ष - विनय पाटीदार, छतरपुर जिला अध्यक्ष - मुकेश रावत, विदिशा जिला अध्यक्ष - वरुण चौबे, संभागीय महासचिव युवा ईकाई - राजेश पंवार, युवा ईकाई खरगोन जिला अध्यक्ष पीयूष अग्रवाल, यूथ विंग उपाध्यक्ष राजा साँखला, सेवकराम चौबे, अबरार पठान, बदनावर तहसील अध्यक्ष गोपाल ठाकुर, वरुण चौबे - विदिशा जिलाध्यक्ष, सनोज कुमार बेस - सिंगरौली जिलाध्यक्ष, सुनील गाड़गे - महेश्वर तहसील अध्यक्ष सहित कई जिलों, संभागों एवं तहसीलों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सचिव शामिल है। खरगोन जिले से 100 से ज्यादा पत्रकारों ने संगठन छोड़ दिया है।

यह पहला अवसर नही है इसके पहले भी थांदला में हुए कार्यक्रम के बाद यूथ विंग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के व्यहार के कारण मध्यप्रदेश के मालवा निमाड़ के सदस्यों ने संगठन के समस्त पदों से सामूहिक इस्तीफा दिया था, वर्तमान में खरगोन कार्यक्रम के बाद पत्रकार संगठन में एक साथ इतनी बड़ी संख्या में पदाधिकारियों ने सामूहिक रूप से इस्तीफा दिया है। यूथ विंग राष्ट्रीय महासचिव रणजीत सिंह ठाकुर ने बताया कि कार्यक्रम की सफलता के लिए स्थानीय पत्रकारों एवं पदाधिकारियों ने पूरी निष्ठा से कार्य किया हालांकि, जिस तरह से पुराने और निष्ठावान पदाधिकारियों ने सामूहिक दूरी बनाई है, उससे संगठन के भविष्य पर सवालिया निशान लग गए हैं। चर्चा है कि यह किसी भी पत्रकार संगठन में अब तक का सबसे बड़ा सामूहिक इस्तीफा है।

वंशपुरी गोस्वामी ने जीता मध्य प्रदेश केसरी का दूसरा खिताब

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिव शक्ति व्यायाम शाला के पहलवान वंश पुरी ने खंडवा में आयोजित मध्य प्रदेश केसरी का खिताब 35 किलो वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया इसके पूर्व भी देपालपुर में आयोजित मध्य प्रदेश केसरी का खिताब अपने नाम किया। कुश्ती कला वंशपुरी को अपनी विरासत में मिली है इनके दादा व्यायामशाला के संचालक महेश पुरी पहलवान पिता जयपुरी पहलवान, चाचा हरिओम पूरी पहलवान राष्ट्रीय स्तर पर अपना प्रतिनिधित्व कर मध्य प्रदेश के लिये मेडल जीत चुके है। वंश अभी 12 वर्ष में तीन बार महापौर केसरी वह इंदौर केसरी और विद्याभारतीय नेशन में रजत पदक प्राप्त किया है इनकी इस उपलब्धि पर सभी उस्ताद खलीफा व व्यायाम शाला परिवार ने उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

बलिदान दिवस पर होगा कवि सम्मेलन का आयोजन

अमझेरा/ आशीष पंचोली/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 1857 क्रांति के अमर सेनानी राजा बख्तावर सिंह के बलिदान दिवस के अवसर पर स्वराज संस्थान संचालनालय संस्कृति विभाग मध्यप्रदेश शासन भोपाल द्वारा कवि सम्मेलन का आयोजन बस स्टैंड अमझेरा पर होगा जिसमें सर्वश्री मदन मोहन समर भोपाल, राजेन्द्र मालवीय इटारसी, मनुवृत बाजपेयी लखनऊ, नवीन माथुर पंचोली अमझेरा, रोहित झन्नाट इंदौर, ब्रजमोहन शर्मा इंदौर द्वारा अपनी रचनाओं का पाठ किया जाएगा कार्यक्रम का संचालन संदीप शर्मा धार करेंगे कार्यक्रम 10 फरवरी शाम सात बजे से प्रारंभ होगा।

हिट एंड रन के प्रकरण में आर्थिक मदद जारी

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने सड़क दुघर्टना में मृतक के परिजन को 15 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत कर जारी कर दी है। हिट एंड रन के प्रकरण की जानकारी देते हुए संयुक्त कलेक्टर व नोडल अधिकारी सुश्री निकिता तिवारी ने बताया कि सागर जिले के ग्राम किशनगढ निवासी श्रीमती नंदनी पत्नि चैनसिंह कुशवाह की सड़क दुघर्टना में मृत्यु हो जाने पर मृतिका के परिजन श्रीमती जमनाबाई पति सीताराम कुशवाह को 15 हजार रुपए की राशि उनके बैंक खाते में ट्रांसफर की गई है।

जन्म कल्याणक दिवस, रविवार को दो तीर्थंकर के जन्म कल्याणक, दोनों की प्रतिमा बदनावर भूगर्भ से प्राप्त हुई थी

उज्जैन संग्रहालय में प्रदर्शित हैं बदनावर की सुपार्श्वनाथ जी और चंद्रप्रभ स्वामी की प्रतिमाएं

बदनावर वर्द्धमानपुर भूगर्भ से प्राप्त सैकड़ों वर्ष प्राचीन तीर्थंकर प्रतिमाएं

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। फाल्गुन कृष्ण सप्तमी रविवार को जैन धर्म के सातवें तीर्थंकर भगवान श्री सुपार्श्वनाथ जी एवं आठवें तीर्थंकर भगवान श्री चंद्रप्रभ स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव देश-भर में मनाया जाएगा। नगरवासियों के लिए यह एक सुखद संयोग है कि इन दोनों तीर्थंकरों की मनोज्ञ प्रतिमाएं बदनावर (वर्द्धमानपुर) नगर के भूगर्भ से लगभग 75 वर्ष पहले प्राप्त हुई थी।

उक्त जानकारी देते हुए वर्द्धमानपुर शोध संस्थान के ओम पाटोदी ने हमारे संवाददाता को बताया कि विगत वर्षों में नगर के भूगर्भ से प्राप्त अनेकों प्रतिमाओं में सुपार्श्वनाथ जी व चंद्रप्रभ जी की प्रतिमाएं खूदाई में मिली थी। उनमें से एक सुपार्श्वनाथ जी की एवं चंद्रप्रभ स्वामी की दो प्रतिमाएं वर्तमान में उज्जैन के जयसिंहपुरा जैन संग्रहालय में प्रदर्शित हैं। श्री सुपार्श्वनाथ जी की सांगोपांग प्रतिमा पर उनका लांक्षण (चिन्ह) स्वस्तिक बना हुआ है और इस पर दो पंक्तियों का लेख उत्कीर्ण है। जिससे इसके निर्माण काल 15वीं शताब्दी ज्ञात होता है। इसी प्रकार चंद्रप्रभ स्वामी की भी प्रतिमा सांगोपांग है इस पर भी पहचान चिह्न चंद्रमा एवं तीन पंक्तियों का लेख हैं जिससे इसका निर्माण संवत् 1489 (तदनुसार सन् 1432) स्पष्ट उत्कीर्ण है। चंद्रप्रभ की दूसरी प्रतिमा का कुछ भाग खंडित है इस पर भी लांक्षण चंद्रमा स्पष्ट है।इस पर लेख नहीं है परंतु पुरातत्व जानकारों के अनुसार इसका निर्माण काल 17-18 शताब्दी निश्चित किया गया है। पाटोदी ने बताया कि प्राचीन वर्द्धमानपुर के जिनालयों में सैकड़ों तीर्थंकर प्रतिमाएं विराजमान थी। इस बात की पुष्टि यहां से प्राप्त पुरावशेषों से स्वतः होती है। यहां की कई मूर्तियां लेख सहित होने से ये पुरातत्व सामग्री इतिहासकारों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुई, क्योंकि यहां से प्राप्त मूर्ति लेखों ने इतिहास की कई टूटी हुई कड़ियों को जोड़ने में विद्वानों की भरपूर मदद की और इसके बाद हुऐ शोध कार्यों ने बदनावर को उसके प्राचीन सांस्कृतिक नाम वर्द्धमानपुर से परिचित करवाया। साथ ही उस समय की सामाजिक राजनैतिक धार्मिक एवं सांस्कृतिक जानकारियां प्राप्त होती है जो हमें उस समय के सामाजिक परिदृश्य को जानने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

किसानों के हित में निकली किसान जागरूकता रैली

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उप संचालक कृषि मनोहर सिंह देवोके के मार्गदर्शन में किसानों के हित में 7 फरवरी 2026 को बोरी बुजुर्ग में निकली किसान जागरूकता रैली किसानों और कृषि के उज्ज्वल भविष्य के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से किसान बाइक रैली का आयोजन कृषि विभाग जिला बुरहानपुर द्वारा किया गया । यह रैली कृषि उपज मंडी, बोरी बुजुर्ग से प्रारंभ हुई। रैली के माध्यम से किसानों की समस्याओं, उर्वरक वितरण की ई टोकन प्रणाली, प्राकृतिक खेती, आधुनिक कृषि तकनीक, उचित मूल्य, जल-संरक्षण तथा किसानों की सामाजिक-आर्थिक मजबूती जैसे विषयों पर जागरूकता के मुख्य बिंदु रहे। रैली का मुख्य संदेश है–जय जवान ज़ जय किसान जय विज्ञान आयोजन में क्षेत्र के जनपद सदस्य प्रतिनिधि सुमजी डावर, सरपंच प्रतिनिधि अनारसिंह सोलंकी कृषि विभाग से वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकास खंड बुरहानपुर राम पाटील कृषि विस्तार अधिकारी भरतसिंह वास्कले एवं सभी किसान भाइयों, युवाओं और कृषि से जुड़े नागरिकों ने अधिक से अधिक संख्या में भाग लिया। यह रैली शांतिपूर्ण, अनुशासित और सामाजिक जागरूकता को समर्पित रही।

97.4 प्रतिशत अंक लाकर अर्चना अहिरवार ने बढ़ाया जिले का मान, अब यूपीएससी की तैयारी में जुटी

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मेहनत, लगन और स्पष्ट लक्ष्य हो तो सीमित संसाधन भी सफलता की राह नहीं रोक पाते। इसका जीवंत उदाहरण हैं, कुमारी अर्चना अहिरवार, जिन्होंने अपनी शैक्षणिक उपलब्धि से न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अर्चना अहिरवार ने विदिशा जिले की शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, आमखेड़ा सूखा से कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 97.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश स्तरीय मैरिट सूची में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अर्चना अहिरवार की इस उपलब्धि पर उन्हें महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार राशि प्रदान की जा रही है। वर्तमान में अर्चना बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा हैं और अपने जीवन के बड़े लक्ष्य संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा की तैयारी में जुटी हुई हैं। इसी उद्देश्य से वे इस समय इंदौर में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही हैं। अर्चना ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्राप्त यह पुरस्कार राशि उनके लिए अत्यंत सहायक सिद्ध होगी। वे इस राशि का उपयोग न्ब्ब् की कोचिंग, अध्ययन सामग्री एवं शैक्षणिक जरूरतों को पूरा करने में करेंगी।

बोर्ड परीक्षाओं को ध्यान गत रखते हुए विदिशा जिला साइलेंस जोन घोषित

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में विद्यार्थियों की बोर्ड परीक्षाएँ 10 फरवरी से प्रारंभ होकर 10 अप्रैल तक संचालित होंगी। यह परीक्षाएँ माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश, भोपाल के निर्देशानुसार आयोजित की जा रही हैं, जिनमें हाईस्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा (कक्षा 10वीं), हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट परीक्षा (कक्षा 12वीं), हायर सेकेंडरी व्यवसायिक पाठ्यक्रम परीक्षा (12वीं) तथा सीबीएसई बोर्ड की 10वीं एवं 12वीं परीक्षाएँ शामिल हैं। जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर यह परीक्षाएँ संपन्न होंगी।

परीक्षा अवधि के दौरान विद्यार्थियों को शांत वातावरण उपलब्ध कराने हेतु कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी विदिशा श्री अंशुल गुप्ता द्वारा आवश्यक प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए गए हैं। परीक्षा केंद्रों के आसपास ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग से शोर-शराबा (न्यूसेंस) उत्पन्न होने की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने यह कदम उठाया है।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत परीक्षा केंद्रों एवं उनके 200 मीटर की परिधि में कानून-व्यवस्था, सांप्रदायिक सद्भाव एवं लोक व्यवस्था बनाए रखने हेतु असामाजिक एवं शरारती तत्वों की गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है।

सार्वजनिक आयोजनों, धार्मिक स्थलों एवं विवाह समारोहों में तेज ध्वनि में लाउडस्पीकर, भजन एवं डीजे संगीत के उपयोग से विद्यार्थियों के अध्ययन में व्यवधान उत्पन्न होता है। इसी कारण लोकहित में ध्वनि विस्तार को नियंत्रित करना आवश्यक माना गया है।

मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा 18 के तहत जारी आदेशानुसार आदेश दिनांक से 10 अप्रैल तक संपूर्ण विदिशा जिले की राजस्व सीमाओं को कोलाहल नियंत्रण क्षेत्र (साइलेंस जोन) घोषित किया गया है।

आज होगा वार्षिक उत्सव महाराणा प्रताप स्कूल के छात्र-छात्राएं राष्ट्रीय भजनों की धुन पर करेंगे डांस

नाटक का मंचन एव कवि सम्मेलन होगा आयोजित

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया सलसलाई नगर स्थित महाराणा प्रताप पब्लिक स्कूल द्वारा प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी 8 फरवरी के दिन डिजिटल स्पार्क 2026 का वार्षिक उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा उक्त आयोजन 8 फरवरी की रात्रि को 6 बजे से प्रारंभ कर दिया जाएगा वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में पुरस्कार वितरण एवं पढ़ाई लिखाई में अपना एक स्थान प्राप्त कर चुके छात्राओं को पुरस्कार वितरण के साथ ही छात्र-छात्राओं का उत्साह वर्धन डिजिटल फिजिकली देखेंगे कार्यक्रम में सांस्कृतिक देशभक्ति एवं आधुनिक समसामयिक विषय है पर नाटक का मंचन किया जाएगा जिसमें सभी छात्र-छात्राओं पिछले सप्ताह भर से इसकी तैयारी कर रहे थे वह कार्यक्रम के दौरान कवि सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा छात्र-छात्राओं के द्वारा उक्त आयोजन आयोजित किया जाएगा रविवार शाम 6 बजे से देर रात तक कार्यक्रम जारी रहेगा यहां कार्यक्रम में अनेक गणमन नागरिक एवं अभिभावक गण क्षेत्रीय अतिथि गण व क्षेत्र भर के पत्रकार आम नागरिक गण भी आयोजन में शामिल होंगे गोरतलब है कि महाराणा प्रताप पब्लिक स्कूल सलसलाई द्वारा आयोजन बड़ी उत्साह के साथ मनाया जाता है क्योंकि बच्चों के उत्साह वर्धन के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में चार चांद लगे इसके लिए स्कूली बच्चे पिछले कई दिनों से इसकी तैयारी में जुटे हैं वह राष्ट्रीय भजनों की ध्वन पर एक से बढ़कर एक भजन के माध्यम से डांस एवं नाटक का मंचन भी करेंगे यह नगर सलसलाई क्षेत्र में एकमात्र ऐसा संस्कारवादी स्कूल के रूप में अपनी एक पहचान बना चुके हैं महाराणा प्रताप पब्लिक स्कूल सलसलाई में छात्र-छात्राओं को स्कूल में उच्च शिक्षा के साथ संस्कार भी दिए जाते हैं स्कूल तो दुनिया में जगह-जगह हर कोई संचालित कर लेते हैं लेकिन बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार देने वाला महाराणा प्रताप पब्लिक स्कूल है जहां ऐतिहासिक कार्यक्रम 8 फरवरी को 6 बजे प्रारंभ कर दिया जाएगा।

शिवरात्री एव होली पर्व जैसे त्योहारो पर मालवा क्षेत्र के यात्रियों की सुविधा के लिए रोज चलने वाली नई ट्रेन की दरकार

रेलवे विशेष रूचि समिति के पूर्व सदस्य राजेश सकलेचा ने उठाई मांग

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिवरात्री एव होली पर्व जैसे त्योहारो पर लंबे समय से की जा रही मांग एवं यात्रियो को सुविधाओं को ध्यान मे रखते हुए यात्रियो की अतिरिक्त भीड को समायोजित करने के लिय रेलवे द्वारा जनता को शिघ्र ही रोज चलने वाली नई ट्रेनो की सोगाते देते हुए अतिरिक्त ट्रेनो का संचालन शुरू करना चाहिये । यह मांग रेलवे विशेष रुचि समिति के पूर्व सदस्य राजेश सकलेचा ने प्रेस विज्ञप्ति के द्वारा कही है।

सकलेचा ने बताया कि आने वाले दिनो मे शिवरात्री एवं होली जैसे बडे त्योहार आने वाले तथा शिवरात्रि पर्व पर उज्जैन महाकाल दर्शन हेतु लाखो की संख्या में देशभर से भक्त ट्रेनो से आते है। लेकिन रेल मंत्रालय द्वारा पिछले कई समय से नागदा एवं मालवा क्षेत्र के यात्रियो के लिये रोज चलने वाली कोई नई ट्रेन की सौगात नहीं दी जिसके लिए रेलमंत्री, क्षेत्रीय सांसद व क्षेत्रीय विधायक, डीआरएम महोदय को पत्र के द्वारा या रूबरू मिलकर अवगत कराया जायेगा।

सकलेचा ने बताया कि शिवरात्री एवं होली पर्व पर देशभर में लोग अपने-अपने मुल स्थान पर त्यौहार मनाने हेतु रेल से यात्रा करते है। नागदा एक बहुत बडा ओधोगिक क्षेत्र है जहा पर हर प्रांत के लोग निवास करते है जिसमे उप्र, बिहार, राजस्थान, गुजरात आदि क्षेत्रो के कई परिवार निवासरत है जो शिवरात्री एवं होली त्योहारो के लिये अपने शहरो की ओर यात्रा करते है परन्तु प्रतिदिन चलने वाली ट्रेनो की कमी की वजह से यात्रियो को आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है।

व वही दुसरी और रेलवे द्वारा भीड को समायोजित करने हेतु कई साप्ताहिक ट्रैनो की सोगात दी परन्तु आम यात्रियो के लिये साप्ताहिक ट्रेनो की जगह प्रतिदिन चलने वाली ट्रेनो की सोगात मिलना चाहिये जिससे रोज यात्रा करने वाले यात्रियो को राहत मिल सके

रेलमंत्री हिसार-कोटा ट्रेन की सौगात दे- सकलेचा ने बताया कि उक्त ट्रेन हेतु पिछले ढेड से दो वर्षो से लगातार मालवा क्षेत्र के यात्रियो के सुविधा के लिये प्रयासरत हु इस ट्रेन को नागदा - रतलाम एव उज्जेन तक बढ़ाने हेतु कोटा डीआरएम एव रतलाम डीआरएम को भी पत्र भेजे इस ट्रेन को इस रूट पर चलाने से रेलवे को आय भी होगी साथ ही अन्य स्थानो पर आने जाने वाले यात्रियो के लिये सीधी ट्रेन की सुविधा हो जायेगी ।

कोटा नागदा को रतलाम बढ़ाया जाय - इसी प्रकार कोटा-नागदा को रतलाम तक बढ़ाये जाने से अपडाउनर्स को सुविधा प्राप्त होगी। साथ ही दाहोद से चलकर उज्जैन जाने वाली मेमु ट्रेन का समय भी पुर्वानुसार किया जाय।

इन ट्रेनो को प्रारम्भ कर मालवा को दे सौगात - सकलेचा ने बताया कि इन्दौर से फतियाबाद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, देवास होकर पुनः इन्दौर के लिये सर्कुलर ट्रेन, इन्दौर से पालीताना वंदे भारत ट्रेन, इन्दौर से प्रारम्भ होकर अहमदाबाद, कोटा, भोपाल तक पुर्णतः अनारक्षित ट्रेन चला कर मालवा क्षेत्र से जुडे यात्रियो को सौगात देना चाहिये।

नगर पालिका बड़वानी ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की दिशा में बढ़ाए कदम

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के कड़े मानकों को पूरा करने और शहर को स्वच्छता के शिखर पर ले जाने के लिए नगर पालिका बड़वानी द्वारा कचरा प्रबंधन की आधुनिक तकनीक और श्वेस्ट टू वेल्थश् (कचरे से कमाई) के मॉडल पर प्रभावी कार्य किया जा रहा है। सूखा कचरा प्रबंधन- प्लास्टिक से बन रहे पेवर ब्लॉक सर्वेक्षण टूलकिट के इंडिकेटर अनुसार, नगर पालिका की डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण गाड़ियाँ शहर का कचरा सीधे प्रसंस्करण केंद्र पहुंचाती हैं। यहाँ कचरे को 8 अलग-अलग श्रेणियों में विभाजित किया जाता है।एकत्र किए गए प्लास्टिक और पॉलीथीन को मेल्ट (पिघलाकर) कर उससे मजबूत पेवर ब्लॉक और गट्टे तैयार किए जा रहे हैं।अन्य सूखे कचरे को विभिन्न घटकों में वर्गीकृत कर कबाड़ी को विक्रय किया जाता है, जिससे निकाय के राजस्व में निरंतर वृद्धि हो रही है। गीला कचरा प्रबंधन- जैविक खाद से महकेंगे खेत टूलकिट के कंपोनेंट के अनुपालन में, नगर पालिका द्वारा गीले कचरे का शत-प्रतिशत वैज्ञानिक निपटान सुनिश्चित किया जा रहा है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की कार्यकारी बैठक संपन्न

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की कार्यकारी बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़े प्रमुख स्वास्थ्य संकेतकों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान एएनसी रजिस्ट्रेशन, चौथा एएनसी चेकअप, हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की स्थिति, टीकाकरण कार्यक्रम, टीबी मुक्त भारत अभियान, सिकल सेल स्क्रीनिंग तथा यूविन पोर्टल की प्रगति पर गहन चर्चा की गई।

बैठक में गत वर्ष की तुलना में चालू वर्ष के एएनसी रजिस्ट्रेशन की समीक्षा की गई, जिसमें 5.56 प्रतिशत की कमी पाई गई। इस पर कलेक्टर ने कम प्रदर्शन करने वाले उप स्वास्थ्य केंद्रों की समीक्षा करते हुए संबंधित बीएमओ से चर्चा की और शत-प्रतिशत एएनसी रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। चौथे एएनसी चेकअप की समीक्षा में बताया गया कि कुल 30,183 एएनसी रजिस्ट्रेशन के विरुद्ध मात्र 11,761 गर्भवती महिलाओं का चौथा एएनसी चेकअप किया गया है। इस पर कलेक्टर ने कम प्रगति वाले सेक्टर सुपरवाइजर एवं सब-हेल्थ सेंटरों की पृथक समीक्षा कर कारणों की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट किया कि एएनसी चेकअप एवं हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की ट्रैकिंग में सेक्टर सुपरवाइजर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। समस्त बीएमओ, डॉक्टर एवं बीपीएम को रोस्टर बनाकर नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने मेडिकल ऑफिसर्स से वन-टू-वन चर्चा कर उन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने को कहा, जहां विगत वर्षों में मातृ अथवा शिशु मृत्यु की घटनाएं हुई हैं। साथ ही सीएचओ द्वारा की जा रही जांच प्रक्रिया को सुव्यवस्थित एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के निर्देश भी दिए। बैठक में हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के चिन्हांकन, समय पर रिपोर्टिंग, नियमित फॉलोअप एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

आंगनवाड़ी के 20 से अधिक बच्चों की जान बचाने वाली कंचनबाई मेघवाल को मिले सच्ची श्रद्धांजलि : दिग्विजय सिंह

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले के ग्राम राणापुर की निवासी 40 वर्षीय कंचनबाई मेघवाल द्वारा आंगनवाड़ी के 20 से अधिक मासूम बच्चों की जान बचाते हुए अपने प्राणों का बलिदान देना अद्वितीय साहस, कर्तव्यनिष्ठा और मातृत्व भाव की मिसाल है। इस हृदयविदारक घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है।

पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद श्री दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पत्र लिखकर इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कंचनबाई ने अपनी जान की परवाह किए बिना आंगनवाड़ी में खेल रहे बच्चों को मधुमक्खियों के हमले से बचाया। उपलब्ध दरी, तिरपाल और अंततः अपनी साड़ी से बच्चों को ढककर उन्होंने बीस से अधिक परिवारों को उजड़ने से बचा लिया। दुर्भाग्यवश मधुमक्खियों के जहरीले डंक से गंभीर रूप से घायल कंचनबाई ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।

श्री सिंह ने बताया कि कंचनबाई मेघवाल जय माता दी स्व सहायता समूह की अध्यक्ष थीं तथा आंगनवाड़ी में नियमित रूप से भोजन बनाकर बच्चों को खिलाने का कार्य करती थीं। वे अपने परिवार की एकमात्र कमाऊ सदस्य थीं। उनके पति शिवलाल मेघवाल वर्ष 2022 से पैरालिसिस से पीड़ित हैं और लंबे समय से बिस्तर पर हैं। परिवार गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले अनुसूचित जाति वर्ग से संबंधित है।

श्री दिग्विजय सिंह ने माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आग्रह किया कि इस प्रकरण को अत्यंत संवेदनशील मानवीय मामला मानते हुए कंचनबाई मेघवाल के परिवार को शासन स्तर से समुचित सहायता प्रदान की जाए। उन्होंने मांग की कि- मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान कोष से 10 लाख की सहायता दी जाए

संबल योजना के अंतर्गत 4 लाख की सहायता प्रदान की जाए

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत 2 लाख की सहायता मिले

राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना के अंतर्गत 20,000 की सहायता दी जाए

कंचनबाई के पुत्र रवि मेघवाल को प्रधानमंत्री आवास योजना में आवास प्रदान किया जाए

परिवार के भरण-पोषण को ध्यान में रखते हुए रवि मेघवाल को उनकी शैक्षणिक योग्यता के अनुरूप किसी शासकीय विभाग में नियुक्ति दी जाए

श्री सिंह ने कहा कि आंगनवाड़ी के मासूम बच्चों की जान बचाने के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाली कंचनबाई मेघवाल को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब राज्य शासन उनके पीड़ित परिवार को संपूर्ण आर्थिक सहायता और सम्मानजनक रोजगार प्रदान करे। ऐसे निर्णय समाज में निस्वार्थ सेवा, त्याग और मानवीय मूल्यों को प्रेरणा देंगे।

राष्ट्रीय जाट महासभा भारत, युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष पद पर नियुक्त संतोष चोटिया जाट

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़वाह राष्ट्रीय जाट महासभा भारत राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सचिन सरोहा की अनुशंसा एवं मध्य प्रदेश अध्यक्ष चौधरी सुनिल ढिंगला प्रदेश महामंत्री कमल रियाड,प्रदेश उपाध्यक्ष दीपक पटेल एवं संभाग अध्यक्ष अशोक मुंडेल की सहमति से राष्ट्रीय जाट महासभा भारत, जिला खरगोन युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष पद पर संतोष चोटिया जाट, ग्राम काटकूट मनोनीत होने पर संगठन एवं समाज में हर्ष व्याप्त है।पिछले दो वर्षों से वे निरंतर संगठन के कार्यों में सक्रिय रूप से संलग्न रहे हैं।पूर्व में तहसील उपाध्यक्ष के दायित्व का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए, वर्तमान में विधानसभा अध्यक्ष बड़वाह के पद पर रहते हुए संगठन को मजबूती प्रदान की है।संगठन के प्रति आपकी निष्ठा कार्य कुशलता एवं जिम्मेदारियों को नियमित रूप से आगे बढ़ाने की प्रेरणादायक भूमिका को देखते हुए।उनकी नियुक्ति पर विष्णु जाट, भगवान ढाबरिया, सुगनचंद, राजेश घटाला, सोनू करही, राम भांभू, रामभरोस सारण, चिंताराम पांगा, दिनेश कवलादा,रामप्रसाद, बाबूलाल सारण, पटेल, मुकेश लामरोड़, राजेश लिम्बी, रामेश्वर इननिया, मंगलेश, मुकेश बेनीवाल ने बधाई प्रेषित कि।

मेले में वायुसेना के बैण्ड पर बालीवुड की धुन पर झूमे श्रोता

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हिंदुस्तान मेरी जान गीत के साथ वायुसेना के बैण्ड ने मेले में प्रस्तुति की शुरूआत की। ग्वालियर व्यापार मेले में वायुसेना के बैण्ड द्वारा दी गई रोमाटिंक गानों की शानदार धुन को सुनकर दर्शक हतप्रद रह गए। ग्वालियर व्यापार मेले में वायुसेना के बैण्ड का अलग ही रंग सैलानियों को देखने मिला। वायुसेना के बैण्ड पर रोमांटिक वालीवुड के गानों को सुनकर जो दर्शक जहां खडा था वहीं पूरी तन्मयता के साथ बैण्ड की प्रस्तुति को सुनने में मग्न हो गया। इस अवसर पर एयर कमोडोर श्री मनीष शर्मा वायु सेवा मेडल एयर ऑफिसर कमांडिंग एयर फोर्स स्टेशन ग्वालियर, ग्रुप कैप्टन श्री सुभाष सी सिंह चीफ एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर, ग्रुप कैप्टन श्री अमित बाजपेई स्टेशन सिक्योरिटी ऑफिसर, कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान व नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय आदि मौजूद रहे। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने एयरफोर्स के बैंड द्वारा दी गई शानदार प्रस्तुति के लिए एयरफोर्स के अधिकारियों और बैंड के सदस्यों को धन्यवाद दिया। साथ ही सभी को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। ग्वालियर व्यापार मेले में पहली बार वायुसेना के बैण्ड ने दो दिवसीय अपनी प्रस्तुति दी है। इस प्रस्तुति में वायुसेना के जवानों के कई रंग देखने को मिले। वायुसेना के बैण्ड ने षुरूआत फन फेयर की मधुर धुन से की। इसके बाद वंदे मातरम एवं हिंदुस्तान गीत की मधुर धुन प्रस्तुत की। रोमाटिंक गीतों की प्रस्तुति में दिखा वायुसेना का अलग रूप वायुसेना के बैण्ड ने आज वालीवुड के रोमांटिक गानों की सुंदर प्रस्तुतियां दीं। वालीवुड के गानों में 80-90 के दषक के रोमांटिक गानों ने समा बांध दिया। सबसे पहले बदन पर सितारे लपेटे हुए हो जाने तमन्ना कहां जा रही हो गाने की प्रस्तुति दी। इसके बाद जब हम चले, छू कर मेरे मन को किया तुने क्या इशारा आदि गानों की प्रस्तुति दी।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत नीमच में विशाल नैत्र रोग जांच एवं मोतियाबिंद जांच शिविर 423 नेत्र रोगी लाभान्वित

कलेक्टर ने शिविर का निरीक्षण कर लिया जायजा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश एवं जिले में संकल्प से समाधान अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत मुख्यमंत्री जी की मंशानुसार कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा नैत्र रोगियों की जांच एवं मोतियाबिंद की जांच तथा उपचार के लिए शिविर आयोजित किए जा रहे है।

इसी क्रम में संकल्प से समाधान अभियान के तहत शनिवार को रेडक्रास परिसर नीमच में स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशाल नैत्र रोग जांच, मोतियाबिंद जांच एवं उपचार शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर का 423 रोगियों ने लाभ लिया।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने शनिवार को इस वृहद नैत्र रोग एवं मोतियाबिंद जांच शिविर का निरीक्षण कर, व्यवस्थाओं, जांच एवं उपचार कार्य का जायजा लिया। कलेक्टर ने शिविर में सेवाएं दे रहे नैत्र रोग विशेषज्ञ डॉ.संगीता भारती एवं मेडीकल कालेज के नैत्र चिकित्सकों की टीम से चर्चा कर नैत्र रोगियों की जांच, मोतियाबिंद जांच एवं उपचार एवं आवश्यकतानुसार चश्में वितरण के बारे में जानकारी ली।

उन्होने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद को आगामी शिविरों में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ.संगीता भारती के सहयोग के लिए गोमाबाई से नैत्र चिकित्सों की सेवाए लेने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने शिविर में नैत्र परीक्षण एवं उपचार के लिए आए वृद्धजनों, नैत्र रोगियों से चर्चा कर, जानकारी ली। दोपहर तक शिविर में 423 नैत्र रोगियों द्वारा पंजीयन करवाया। इनमें नेत्र चिकित्सा विशेषज्ञ द्वारा शिविर में नैत्र रोगियों की जांच कर, 51 रोगी मोतियाबिंद आपरेशन के लिए एवं 266 रोगियों को चश्में प्रदान करने के लिए चयनित किया गया। शिविर में नेत्र चिकित्सकों ने 25 रोगी नाखूना, 65 एलर्जीक रोगी एवं 16 अन्य नैत्र रोगियों की जांच कर, उन्हें आवश्यक दवाईयां वितरित की। इस शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ के साथ ही डॉ.राजेश धाकड़, डॉ.अनुराधा व्दिवेदी, नेत्र सहायक, डॉ. लाखन सिह मौर्य एवं प्रेम पाटीदार आदि ने भी अपनी सेवाएं दी।

उल्लैखनीय है, कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के निर्देशानुसार संकल्प से समाधान अभियान के तहत नीमच जिले में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में तहसील स्तर पर नैत्र रोग जांच एवं मोतियाबिंद जांच के लिए निःशुल्क नैत्र शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद ने बताया, कि 9 फरवरी को स्वास्थ्य केंद्र सिंगोली, 11 फरवरी को सिविल अस्पताल रामपुरा, 14 फरवरी सिविल अस्पताल मनासा, 16 फरवरी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जीरन, 19 फरवरी को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रतनगढ़ एवं 21 फरवरी को सिविल अस्पताल जावद निःशुल्क नैत्र रोग जांच एवं मोतियाबिंद की जांच के लिए शिविर आयोजित किया जा रहा है। डॉ.दिनेश प्रसाद ने अधिकाधिक ग्रामीणों से इन शिविरों में उपस्थित होकर लाभ उठाने का आगृह किया है।

कलेक्टर ने कृषक रथ के भ्रमण कार्यों का जायजा लिया

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज जिले में जारी कृषक रथ भ्रमण व इस दौरान विभागीय अधिकारियों द्वारा दी जा रही योजनाओं व कार्यक्रमों तथा किसानों की जिज्ञासाओं के समाधान हेतु की गई पहल तथा जिले में क्या क्या नवाचारों के माध्यम से किसानों व सहयोगी अन्य पूरकों की लाभ वृद्धि में कैसे बढ़ावा करें तथा भ्रमण के दौरान क्या क्या प्रमुख समस्याएं संज्ञान में आई इत्यादि की जानकारी प्राप्त की है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि किसान रथ भ्रमण गांवों में सभी विभागों की योजनाओ की जानकारी गांव वालों को हो ऐसे सफल प्रयास प्रशिक्षण होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जब तक शत-प्रतिशत लक्ष्यों की पूर्ति नहीं हो पाती है तब तक उक्त व्यवस्था का क्रियान्वयन किया जायेगा। कलेक्टर श्री गुप्ता ने सभी विभागों खासकर कृषक रथ में सम्मिलित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि विभागीय योजनाओं पर आधारित जानकारी युक्त पम्पलेट अनिवार्य रूप से ग्रामीणों को वितरित किए जाएं।

बी वन का वाचन- कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने समीक्षा बैठक में संबंधित को निर्देशित किया है कि हरेक गांव में खासकर कृषक रथ भ्रमण गांव में बी वन का वाचन अनिवार्य रूप से कराया जाएं ताकि फौती, बंटवारे के प्रकरण लंबित ना रहे इस दौरान किसानों की फार्मर आईडी और पीएम किसान सम्मान निधि के संबंध में भी निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने जिले में नवाचारों पर बल देते हुए कहा कि हरेक विभाग की उपलब्धियों से स्थानीय ग्रामीण लाभान्वित हो उन्होंने जिले में शहद, झींगा,सीगाढें,और मखाने उत्पादन की ओर विशेष पहल की जाएं ताकि इन क्षेत्रों में भी विदिशा अग्रणीय हों सकें।

प्रकाश भावसार भारतीय पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष मनोनीत

पत्रकार साथियों ने ओल्ड पीआरओ परिसर पर किया स्वागत, दी बधाई

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय पत्रकार संघ (एआईजे) के प्रदेश अध्यक्ष राकेश साहू ने वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश भावसार को एआईजे का खरगोन जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। उक्त नियुक्ति एआईजे के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम सेन के निर्देशानुसार तथा प्रदेश उपाध्यक्ष श्याम कुशवाह के प्रस्ताव, प्रदेश संयोजक आमिर शेख की अनुशंसा व कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र देवराय की सहमति से की गई है। श्री भावसार ने महत्वपूर्ण दायित्व मिलने पर समस्त पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन की रीति-नीति अनुसार राष्ट व पत्रकारिता के हित में कार्य करने की बात कही है। श्री भावसार का खरगोन नगर के पत्रकारों द्वारा ओल्ड पीआरओ परिसर में पुष्पहार पहनाकर व मिठाई खिलाकर स्वागत किया। एआईजे के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजीजुद्दीन शेख, संरक्षक आशुतोष पुरोहित, प्रदेश संयोजक आमिर शेख, उपाध्यक्ष श्याम कुशवाह, तहसील अध्यक्ष राजकुमार सोनी, वरिष्ठ पत्रकार शशिकांत शर्मा, विशाल छटिये, मुकेश ठक्कर, अनवर जिंदरान, नरेंद्र भटोरे, सदाशिव वर्मा, संजय पाराशर, अजय तिवारी, रामेश्वर बड़ोले, प्रवीण पाल, संदीप ठक्कर, नाजिम शेख, मनीष मडाहर, दीप जोशी, शुभम बगलाने, अबूबकर जिया, दिनेश सागौरे, करण चौहान, दिलीप पंचोली, मोहन जोशी, रवि परमार, पुरुषोत्तम सोनी, कांतिलाल कर्मा, अंजू त्रिवेदी, सतीश गांगले, साजिद शेख, रईस खान, शकील शेख, हेमन्त सोनी, राजेश मोदी, अतीक अली, राजू सोनी, लुकमान खत्री, रफीक मंसूरी, जमीर मंसूरी, कन्हैयालाल कुमरावत, गुरमीतसिंह भाटिया, श्याम गुप्ता, सुरेश राठौर, आकाश सांवले सहित अनेक पत्रकार साथियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए श्री भावसार को बधाई दी है।

प्रेम प्रसंग के चलते युवक की मौत, मृतक के परिवार जनो ने थाने के बाहर धरना देकर किया चक्काजाम

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंगोली तहसील के ग्राम अनोपपुरा निवासी एक युवक ने प्रेम प्रसंग के चलते जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली।

परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार आसिफ पिता फरीद उम्र 22 वर्ष ने प्रेम प्रसंग के चलते शुक्रवार को अपने मूल गांव राजस्थान के तंबोलिया में अपने रिश्तेदार के यहां शुक्रवार शाम करीब साढ़े 5 बजे जहरीला पदार्थ खा लिया जिसे परिजन इलाज के लिए सिंगोली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुचे, यहां प्राथमिक जांच के बाद डॉक्टर ने उसे नीमच रेफर किया था। लेकिन परिजन मरीज को चित्तौड़गढ़ ले गए जहां इलाज के दौरान रात करीब साढ़े 9 बजे आसिफ की मौत हो गई।

आसिफ की मौत के बाद परिजनों ने लड़की के परिवार वालो के खिलाफ जमकर हंगामा करते हुए थाने के बाहर बेगूं - सिंगोली मुख्य सड़क मार्ग पर धरना प्रदर्शन करते हुए जाम लगा दिया।

सिंगोली थाना प्रभारी जितेंद्र वर्मा ने मृतक आसिफ के परिजनों को काफी समझाया, लेकिन परिजन नहीं माने और रात 10 बजे से रात करीब 12 बजे तक थाने के सामने धरना लगा दिया। इस पर थाना प्रभारी ने युवती के परिजनों रुस्तम खां पिता मामूर खां, जमील पिता रुस्तम खां, रईस खा पिता रुस्तम खां के खिलाफ बीएनएस 296, 351(2), 3 (5) में प्रकरण दर्ज कर हिरासत में लिया और रास्ता खोलने की समझाइश दी लेकिन जब वे नहीं माने तो पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर रास्ता खुलवाया।

धरना पर्दशन के दौरान तहसीलदार प्रेमशंकर पटेल, थाना प्रभारी जितेंद्र वर्मा, , प्रभारी राजस्व निरीक्षक प्रकाश शुक्ला एवं समस्त पुलिस बल मौजूद रहा।

प्राप्त जानकारी अनुसार युवक आसिफ और युवती दोनों ही 4 जनवरी की रात को कही चले गए थे जिसके बाद युवती के परिजनों ने दोनों को काफी ढूंढा लेकिन दोनो नहीं मिलने पर युवती के परिजनों ने पुलिस थाना सिंगोली पर युवती के परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट लिखवाई।

इस दौरान 6 जनवरी को दोनों ही युवक युवती पुलिस थाना सिंगोली पहुंचे जहां से युवती को समझाइश देकर पुलिस ने युवती को परिजनों के सुपुर्द किया। युवती से अलग होने और उसके परिजनों द्वारा गाली गलौच और जान से मारने की धमकी देने से परेशान होकर आसिफ ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली।

मधुमक्खी पालन से किसानों के जीवन में घुली मिठास

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। परंपरागत खेती के साथ नवाचार को अपनाते हुए क्षेत्र के किसानों ने मधुमक्खी पालन के माध्यम से अतिरिक्त आय का सफल मॉडल प्रस्तुत किया है। इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं ग्राम ललोई के कृषक श्री रविंद्र रघुवंशी, जिन्होंने मधुमक्खी पालन को रोजगार के रूप में अपनाकर न केवल स्वयं लाभ अर्जित किया, बल्कि अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणा बन गए हैं। कृषि विभाग के मार्गदर्शन में ग्राम ललोई के श्री रविंद्र रघुवंशी, ग्राम नंदूपुरा के श्री मनोज यादव तथा ग्राम सकरौली के श्री तुलसीराम आर्य ने इस नवाचार को अपनाया। प्रारंभ में प्रत्येक किसान को 2 मधुमक्खी पालन बॉक्स उपलब्ध कराए गए, जो प्रभारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री सूर्यभान सिंह थानेश्वर एवं क्षेत्रीय कृषि विस्तार अधिकारी सुश्री सृष्टि रघुवंशी के माध्यम से वितरित किए गए। श्री रविंद्र रघुवंशी ने इन बॉक्सों को अपने खेत में लगभग दो माह तक स्थापित किया, जहाँ उन्होंने सरसों की फसल भी लगाई। मधुमक्खियों की उपस्थिति से फसल में परागण की प्रक्रिया बढ़ी, जिससे पैदावार बेहतर हुई। साथ ही सरसों की खेती कम लागत में और रोगमुक्त रही। सिर्फ तीन माह में श्री रघुवंशी को मधुमक्खी बॉक्सों से लगभग 30 किलोग्राम शहद प्राप्त हुआ। उन्होंने इस शहद को 500 रुपए प्रति किलो की दर से विक्रय कर अब तक लगभग 15,000 रुपए की अतिरिक्त आय अर्जित की है। गुणवत्तायुक्त शहद उत्पादन के इस प्रयास की कृषि विभाग द्वारा सराहना भी की गई है। श्री रविंद्र रघुवंशी अब अन्य किसानों को भी मधुमक्खी पालन अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। कृषि विभाग भी विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रशिक्षणों के माध्यम से इन किसानों के उदाहरण प्रस्तुत कर मधुमक्खी पालन को बढ़ावा दे रहा है। यह पहल दर्शाती है कि वैज्ञानिक पद्धतियों एवं विभागीय सहयोग से किसान पारंपरिक खेती के साथ अतिरिक्त आय के नए स्रोत विकसित कर आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा सकते हैं।

मंदसौर-नीमच सांसद सुधीर गुप्ता ने भंवरासा में ओलावृष्टि से प्रभावित अफीम फसलों का लिया जायजा, किसानों को दिया हर संभव मदद का भरोसा

प्राकृतिक आपदा की इस घड़ी में मैं और मेरी सरकार किसानों के साथ खड़ी है- सुधीर गुप्ता

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र में हाल ही में हुई आकस्मिक ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। विशेषकर अफीम की फसल को हुए भारी नुकसान का जायजा लेने के लिए क्षेत्रीय सांसद सुधीर गुप्ता ने आज नीमच जिले के ग्राम भंवरासा का सघन दौरा किया।

खेतों में उतरकर देखी तबाही- सांसद सुधीर गुप्ता ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ सीधे खेतों में पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने देखा कि ओलावृष्टि के कारण अफीम के डोडे टूटकर गिर गए हैं और पौधों को भारी क्षति पहुँची है। पकी-पकाई फसल पर कुदरत की इस मार को देखकर सांसद ने गहरी संवेदना व्यक्त की।

किसानों ने सौंपा ज्ञापन, बताई पीड़ा- निरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में मौजूद पीड़ित किसानों ने सांसद को घेरकर अपनी व्यथा सुनाई। किसानों ने बताया कि अफीम की फसल में लागत बहुत अधिक आती है और चीरा लगाने के समय हुई इस बारिश ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। इस दौरान किसानों ने नुकसान के उचित सर्वे और मुआवजे की मांग को लेकर सांसद को एक ज्ञापन भी सौंपा।

सांसद का आश्वासन सर्वे कराकर दिलाएंगे उचित मुआवजा- किसानों को संबोधित करते हुए सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा, मैं किसान का बेटा हूँ और आपकी पीड़ा को भली-भांति समझता हूँ। इस प्राकृतिक आपदा में आप अकेले नहीं हैं, केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार आपके साथ है। सांसद ने मौके पर ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित फसलों का तत्काल और निष्पक्ष सर्वे शुरू किया जाए। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि वे इस मुद्दे को प्रमुखता से सरकार के समक्ष रखेंगे ताकि अफीम काश्तकारों को उचित मुआवजा मिल सके और औसत व पट्टे संबंधी नियमों में भी उन्हें राहत दिलाई जा सके।

ये रहे उपस्थित- इस दौरान सांसद के साथ स्थानीय मंडल अध्यक्ष, पार्टी पदाधिकारी, सरपंच एवं बड़ी संख्या में ग्राम भंवरासा व आसपास के प्रभावित किसान मौजूद थे।

न्यायिक अधिकारियो की 40 घंटे मीडिएशन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। माननीय सर्वोच्च न्यायालय की मीडिएशन एवं कॉन्सीलेशन प्रोजेक्ट कमेटी,नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,ग्वालियर(म. प्र.) द्वारा मुरैना/ग्वालियर/दतिया/अशोकनगर/भिण्ड/गुना/ श्योपुर/शिवपुरी/सागर एवं टीकमगढ जिले में पदस्थ न्यायिक अधिकारीगणो के लिए दिनांक 07.02.26 से 11.02.26 तक आयोजित होने वाले 40 घण्टे के मीडिएशन प्रशिक्षण कार्यक्रम का होटल आदित्याज ग्वालियर में किया जा रहा है। माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ग्वालियर (म. प्र.) श्री ललित किशोर द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। शुभारंभ अवसर पर माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष श्री ललित किशोर द्वारा मीडिएशन के संबंध में प्रकाश डालते हुए बताया कि न्याय केवल निर्णय देने की प्रक्रिया नहीं हैं, बल्कि यह सामाजिक संतुलन, विश्वास और सौहार्द्र स्थापित करने का माध्यम भी है। जहां परंपरागत न्यायिक प्रक्रिया आवश्यक है, वहीं वर्तमान में, मध्यस्थता जैसी वैकल्पिक विवाद समाधान प्रणालियॉं न्याय व्यवस्था को नई ऊर्जा एवं नई दृष्टि प्रदान कर रही हैं। मीडिऐशन का मूल सिद्धांत है-संवाद, सहयोग और समाधान। इसके माध्यम से पक्षकार प्रकरण का समाधान स्वंय, आपसी समझौता एवं विश्वास के साथ करते हैं जिससे न केवल समय और धन की बचत होती है ,बल्कि संबंधो की गरिमा एव मधुरता भी बनी रहती है। उक्त मीडिएशन प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न जिलों के न्यायिक अधिकारियों को मध्यप्रदेश से श्रीमती गिरिबाला सिंह, मीडिएशन एंड कंसलिएशन प्रोजेक्ट कमिटी की सीनियर ट्रेनर तथा नई दिल्ली से श्रीमती रीमा भण्डारी, मीडिएशन एंड कंसलिएशन प्रोजेक्ट कमिटी की सीनियर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उक्त अवसर पर श्री ऋतुराज सिंह चौहान, विशेष न्यायाधीश(एट्रोंसिटीज), श्री अरिविन्द श्रीवास्तव, अतिरिक्त सचिव, म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर, श्री प्रशान्त पाण्डेय, मुख्य न्यायिक मजिस्र्टेट ग्वालियर, श्री प्रियंक भारद्वाज, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अंकिता शांडिल्य जिला विधिक सहायता अधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे।उक्त कार्यक्रम का संचालन ज़िला विधिक सहायता अधिकारी अंकिता शांडिल्य द्वारा किया गया।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

अप्रैल से संभाग में दौड़ेंगी सीएम सुगम परिवहन योजना की बसें

यूसीटीएसएल बोर्ड का पुनर्गठन, यूडीए सीईओ संदीप सोनी बने कार्यकारी निदेशक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन योजना की तैयारी अब उज्जैन संभाग में भी तेज हो गई है। योजना को धरातल पर उतारने के लिए उज्जैन सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड (यूसीटीएसएल) के बोर्ड का पुनर्गठन कर दिया गया। उज्जैन विकास प्राधिकरण (यूडीए) के सीईओ संदीप सोनी को कंपनी का कार्यकारी निदेशक (ईडी) नियुक्त किया गया है, जबकि परिवहन सचिव मनीष सिंह एमडी की भूमिका निभाएंगे।

नई वित्तीय वर्ष अप्रैल से प्रदेश में शुरू होने जा रही इस योजना के तहत सार्वजनिक परिवहन को व्यवस्थित, सुलभ और भरोसेमंद बनाने पर जोर रहेगा। उज्जैन संभाग के आठ जिलों में इस योजना के तहत बस सेवाएं शुरू करने की तैयारी की जा रही है।

यूसीटीएसएल के नए बोर्ड में उज्जैन संभाग के उज्जैन, रतलाम, शाजापुर, देवास, नीमच, मंदसौर और आगर-मालवा जिलों के कलेक्टर, संबंधित महापौर, नगर निकाय प्रतिनिधि, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी सदस्य के रूप में शामिल रहेंगे। इससे योजना के क्रियान्वयन में प्रशासनिक समन्वय मजबूत होगा।

सात रीजनल कंपनियों के जरिए चलेगी व्यवस्था - मुख्यमंत्री सुगम परिवहन योजना के तहत प्रदेश स्तर पर एक मुख्य कंपनी बनाई गई है। इसके अंतर्गत सात रीजनल (क्षेत्रीय) कंपनियां कार्य करेंगी। ये कंपनियां अपने-अपने क्षेत्रों में बस परिवहन सेवाओं का संचालन करेंगी।

बस संचालन के लिए पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल अपनाया जाएगा। यानी बसें निजी ऑपरेटर उपलब्ध कराएंगे, जबकि रूट तय करना, किराया निर्धारण, समय-सारणी, यात्री सुविधाएं और निगरानी का जिम्मा संबंधित कंपनियों के पास रहेगा।

चार तरह की बस सेवाएं होंगी शुरू - इस योजना के तहत यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए चार श्रेणियों में बस सेवाएं चलाई जाएंगी। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक परिवहन नेटवर्क को मजबूत करने का लक्ष्य रखा गया है।

ऐसे चलेंगी सीएम सुगम परिवहन योजना की बसें

1. शहर के भीतर (सिटी बस सेवा)- शहर के अंदर यातायात को सुगम बनाने के लिए सिटी बसें चलाई जाएंगी। फिलहाल यह व्यवस्था इंदौर और भोपाल में बेहतर तरीके से संचालित हो रही है, जिसे अब उज्जैन सहित अन्य शहरों में भी मजबूत किया जाएगा।

2. जिला से तहसील मुख्यालय तक- जिला मुख्यालय से तहसील मुख्यालयों को जोड़ने के लिए बसें चलेंगी।

जैसे– उज्जैन से तराना, बड़नगर, महिदपुर, खाचरौद, घट्टिया।

इसी तरह शाजापुर से शुजालपुर और आगर-मालवा से सुसनेर तक बस सेवा प्रस्तावित है।

3. दो बड़े शहरों के बीच- संभाग के प्रमुख शहरों के बीच सीधी बस सेवा शुरू होगी।

जैसे– उज्जैन से इंदौर, देवास, रतलाम, नीमच, आगर-मालवा और शाजापुर।

इसके अलावा शाजापुर से उज्जैन व आगर-मालवा, रतलाम से मंदसौर-नीमच जैसे रूट शामिल होंगे।

4. ग्रामीण क्षेत्र आधारित सेवा- यह सेवा पूरी तरह ग्रामीण इलाकों के लिए होगी। इन बसों का जिला मुख्यालयों से सीधा जुड़ाव नहीं होगा। सरकार का सबसे अधिक फोकस इसी ग्रामीण परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने पर रहेगा।

इंदौर में बखूबी संभाल चुके हैं जवाबदारी- उज्जैन क्षेत्रीय कंपनी की कमान राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी संदीप सोनी को सौंपी गई है, जिन्हें पब्लिक ट्रांसपोर्ट के क्षेत्र में 9.5 साल का अनुभव है। वे अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड के सीईओ रह चुके हैं। उनके कार्यकाल में इंदौर में सिटी बस और चार्टर्ड बस सेवा के जरिए सार्वजनिक परिवहन का नया मॉडल तैयार किया गया, जिसे देशभर में सराहा गया।

संदीप सोनी ने बताया कि यूसीटीएसएल का पुनर्गठन पूरा हो चुका है और एमडी के निर्देशानुसार पूरे उज्जैन संभाग में चरणबद्ध तरीके से बस सेवाएं शुरू करने की तैयारी की जा रही है। योजना के लागू होने से आम यात्रियों को सस्ती, सुरक्षित और नियमित परिवहन सुविधा मिल सकेगी।

लुटेरी दुल्हन गैंग का फरार मुख्य आरोपी गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।10 दिन पहले लुटेरी दुल्हन का मामला सामने आया था। पुलिस ने दुल्हन और गिरोह से जुड़े दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। मुख्य आरोपी फरार था जिसे शनिवार को गिरफ्तार किया गया है। भाटपचलाना थाना पुलिस ने बताया कि 29 जनवरी को दिलीप धानुका निवासी ग्राम मसवाडिया द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि वह एवं उसके परिजन विवाह के लिए लड़की की तलाश कर रहे थे। इसी दौरान आरोपियों के माध्यम से उनकी मुलाकात पायल क्षारिया निवासी भोपाल से कराई गई। मुकेश पिता भेराजी धानुका निवासी ग्राम सरवना, लखन पिता सीताराम बलाई निवासी ग्राम उमरना तथा एक अन्य व्यक्ति द्वारा शादी के नाम पर 1.40 लाख की मांग की गई, जिसमें से 90 हजार दिए किए गए। 19 जनवरी को गजनीखेड़ी में विवाह संपन्न कराया गया। विवाह के पश्चात मात्र 8ङ्क10 दिनों में पायल द्वारा लगातार अतिरिक्त राशि की मांग की जाने लगी तथा दिनांक 29 जनवरी को वह अवसर पाकर मुकेश के साथ फरार हो गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस द्वारा त्वरित दबिश देते हुए पायल पिता राकेश क्षारिया निवासी भोपाल, मुकेश पिता भेराजी धानुका निवासी ग्राम सरवना, जुनैद उर्फ अमन पिता युसुफ खान निवासी सुजानगढ़ (राजस्थान) को गिरफ्तार कर लिया था। मुख्य आरोपी लखन पिता सीताराम बलाई 35 वर्ष निवासी ग्राम उमरना थाना बिरलाग्राम घटना दिनांक से फरार था, जिसे शनिवार को तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर गिरफ्तार कर लिया गया है।

7 माह से फरार इनामी आरोपी इंदौर से पकड़ाया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। धोखाधड़ी गिरोह में शामिल आरोपी सात माह से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 10 हजार का इनाम घोषित किया गया था। क्राइम ब्रांच की टीम ने फरार इनामी आरोपी को इंदौर से गिरफ्तार किया है।जिसे न्यायालय में पेश किया गया । पानबिहार चौकी प्रभारी जयंत डामोर ने बताया कि 1 जुलाई 2025 को ग्राम भीलखेड़ा में रहने वाले रवि मालावत की जेसीबी शाहरूख पिता अयुब शाह निवासी तंजीम नगर इंदौर ने किराये पर ली थी। उसने किराया ना देकर उक्त जेसीबी को अपने साथियों की मदद से महाराष्ट्र के धूलिया में बेच दिया था। रवि मालावत की शिकायत पर प्रकरण दर्ज करने के बाद धूलिया से जेसीबी को जप्त कर धोखाधड़ी में शामिल इब्राहीम खान निवासी धुलिया महाराष्ट्र, रईस खान निवासी मोहल्ला नई दिल्ली उन्हेल और नईम खान निवासी आजाद नगर इंदौर को गिरफ्तार किया था। धोखाधड़ी का मुख्य आरोपी शाहरूख फरार चल रहा था। जिसकी गिरफ्तारी पर 10 हजार का इनाम घोषित किया गया था। गुरूवार-शुक्रवार रात क्राइम ब्रांच टीम के साथ पानबिहार चौकी पुलिस ने फरार इनामी आरोपी को इंदौर से गिरफ्तार कर लिया गया। सात माह बाद गिरफ्त में आये आरोपी को शुक्रवार दोपहर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेजा गया है।

सिंहस्थ के लिए किए जा रहे विकास कार्यों की अधिकारी निरंतर मॉनिटरिंग करें - कलेक्टर श्री सिंह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने शनिवार को सिंहस्थ मेला कार्यालय के सभागृह में सिंहस्थ 2028 के लिए किए जा रहे अधोसंरचना विकास के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ 2028 के लिए किए जा रहे विभिन्न निर्माण कार्यों को लेकर अधिकारी निरंतर मॉनिटरिंग करें। विभागीय अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए समय को बचाएं और कार्य को समय पर पूर्ण करें। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुरुप सिंहस्थ 2028 में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अधोसंरचना विकास कार्य किए जा रहे है। समीक्षा बैठक के दौरान नगर निगम के माध्यम से ग्राम हरियाखेडी में वाटर सप्लाय प्लांट के कार्य को लेकर कलेक्टर श्री सिंह ने वाटर सप्लाई के लिए बनने वाले इनटेक वेल की डिजाइन तैयार करने के निर्देश दिए।

मंडी प्रांगण उज्जैन में आई हुई कृषकों की ट्रालियों पर मंडी प्रशासन एवं यातायात पुलिस द्वारा रेडियम रिफ्लेक्टर लगाए गए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला सड़क सुरक्षा समिति उज्जैन की बैठक में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह द्वारा प्रदत्त निर्देशों के परिपालन में आज 07 फरवरी शनिवार को सचिव मंडी उज्जैन श्री राजेश गोयल तथा डी.एस.पी. ट्राफिक श्री विक्रम सिंह एवं अनाज तिलहन व्यवसायी संघ चिमनगंज मंडी उज्जैन के अध्यक्ष श्री जितेन्द्र अग्रवाल, सचिव श्री हजारीलाल मालवीय, व्यापारी संघ के पदाधिकारियों एवं व्यापारियों द्वारा मंडी प्रांगण में उपज विक्रय के लिए कृषकों की लाई गई ट्रालियों के पिछले हिस्से में रेडियम रिफ्लेक्टर लगाए गए तथा उपस्थित कृषकों को बताया गया कि मार्ग में ट्रेक्टर, ट्राली आवागमन के दौरान पीछे से आने वाले वाहन चालकों को ट्राली के पीछे लगे रेडियम रिफ्लेक्टर के कारण पता चल सकेगा कि आगे ट्रेक्टर, ट्राली जा रही है और इससे किसी प्रकार की दुर्घटना नहीं होगी।

प्रायः ट्राली के पीछे लाईट नहीं लगी होने के कारण वाहन चालकों को आगे जा रही ट्राली का पता नहीं चलता और वाहनों की टक्कर होती है। रेडियम रिफ्लेक्टर लगे होने से इस प्रकार की दुर्घटनाएँ नहीं होगी। कृषकों को ट्रेक्टर, ट्राली सड़क के किनारे खड़ी करने इत्यादि सुरक्षात्मक उपाय भी कृषकों को समझाए गए तथा अवगत कराया गया कि रेडियम रिफ्लेक्टर लगाने की यह प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगी। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान मंडी समिति की ओर से श्री महेन्द्र जैन तथा श्री दीपक श्रीवास्तव, सुरक्षा सुपरवाईजर श्री राकेश डाबी उपस्थित रहे। कृषकों द्वारा शासन तथा यातायात विभाग की उपरोक्त पहल का स्वागत किया गया तथा प्रशंसा की गई।

एनजीटी की फटकार के बाद हरकत आए में निगम के अफसर

सात दिनों में खाली होंगे उज्जैन के पौराणिक सप्त सागर, अतिक्रमण पर चलेगा बुलडोजर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की सख्त नाराजगी और मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव को सीधे हस्तक्षेप के निर्देश के बाद उज्जैन नगर निगम प्रशासन आखिरकार एक्शन मोड में आ गया है। सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए एनजीटी ने शहर के पौराणिक सप्त सागरों के संरक्षण को मिशन मोड पर लेने के आदेश दिए हैं। इसके तहत नगर निगम को सात दिनों के भीतर सभी अतिक्रमण हटाने और व्यापक सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं।

बीते दिन नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में अधिकारियों को दो टूक चेतावनी दी गई कि अब केवल फाइलों में कार्रवाई नहीं चलेगी, बल्कि धरातल पर ठोस परिणाम दिखने चाहिए। आयुक्त ने स्पष्ट कहा कि जिन क्षेत्रों पर कोई न्यायिक स्टे नहीं है, वहां बिना देरी बुलडोजर चलाया जाए।

सिंहस्थ-2028 से पहले सागरों का संरक्षण अनिवार्य- एनजीटी ने उज्जैन के सप्त सागरों रुद्रसागर, पुष्कर सागर, क्षीरसागर, गोवर्धन सागर, रत्नाकर सागर, विष्णु सागर और पुरुषोत्तम सागर की स्थिति पर गंभीर चिंता जताई है। ट्रिब्यूनल ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को सातों सागरों की पानी की गुणवत्ता की जांच कर हेल्थ रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं, जबकि प्रमुख सचिव (पर्यावरण) को स्वयं इसकी मासिक निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

गोवर्धन सागरः 18 बीघा जमीन पर अवैध कब्जा - एनजीटी की सुनवाई में सबसे चौंकाने वाला मामला गोवर्धन सागर का सामने आया। खसरा नंबर 1281 में दर्ज 36 बीघा जमीन में से 18.5 बीघा से अधिक पर अवैध कब्जा हो चुका है। गंभीर बात यह है कि इस भूमि पर किसी भी न्यायालय का कोई स्टे नहीं है, इसके बावजूद वर्षों से प्रशासन ने इसे खाली कराने की कार्रवाई नहीं की। निगमायुक्त ने ऐसे सभी क्षेत्रों को चिन्हित कर तत्काल अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए हैं।

पुष्कर सागरः विशाल तालाब से सिमटकर कुंड बना- शहर के बीच स्थित पौराणिक पुष्कर सागर अब अपनी पहचान खोता जा रहा है। कभी विशाल तालाब के रूप में पहचाने जाने वाला पुष्कर सागर अब मात्र एक कुंड बनकर रह गया है। लगातार अतिक्रमण और उपेक्षा के कारण इसका अस्तित्व संकट में है।

पुरुषोत्तम सागरः अतिक्रमण के साथ गंदे पानी की मार- इंदिरा नगर में ईदगाह के पास स्थित पुरुषोत्तम सागर भी अतिक्रमण की गंभीर चपेट में है। यहां आसपास के क्षेत्र का गंदा पानी सीधे सागर में छोड़ा जा रहा है, जिससे जल गुणवत्ता बुरी तरह प्रभावित हो रही है।

रुद्रसागरः दो हिस्सों में बंटा, गंदा पानी भी मिल रहा- महाकाल मंदिर के समीप स्थित रुद्रसागर अब दो हिस्सों में विभाजित हो चुका है। एक हिस्से में अतिक्रमण है, जबकि दूसरे हिस्से में नालों का गंदा पानी मिल रहा है। यह स्थिति धार्मिक और पर्यावरणीय दृष्टि से बेहद चिंताजनक मानी जा रही है।

क्षीरसागरः बदहाली और बदबू - देखरेख के अभाव में क्षीरसागर की हालत जर्जर हो चुकी है। तालाब में भरा गंदा पानी दुर्गंध फैला रहा है, जिससे आसपास के रहवासी भी परेशान हैं।

विष्णु और रत्नाकर सागरः बेहतर स्थिति में - सप्त सागरों में विष्णु सागर और रत्नाकर सागर की स्थिति तुलनात्मक रूप से बेहतर है। रत्नाकर सागर (उंडासा तालाब) से नगर निगम पेयजल लेता है, इस कारण इसका रखरखाव बेहतर है। वहीं विष्णु सागर पर स्थानीय रहवासियों का विशेष ध्यान है और विकास कार्यों के चलते यह पर्यटन केंद्र के रूप में उभर रहा है।

20 फरवरी को एनजीटी में अगली सुनवाई- प्रशासन के पास जमीनी कार्रवाई दिखाने के लिए अब बेहद कम समय बचा है। मामले की अगली सुनवाई 20 फरवरी को एनजीटी में निर्धारित है। निगमायुक्त ने अपर आयुक्त, उपायुक्त और सभी जोनल अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सात दिनों में की गई कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत की जाए, ताकि उसे एनजीटी के समक्ष अनुपालन रिपोर्ट के रूप में दाखिल किया जा सके।

सागरों में गंदा पानी मिलना होगा पूरी तरह बंद- अतिक्रमण हटाने के साथ-साथ नगर निगम अब यह भी सुनिश्चित करेगा कि सप्त सागरों में सीवरेज या नालों का गंदा पानी न पहुंचे। इसके लिए सोर्स ट्रेपिंग योजना तैयार की गई है। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश हैं कि पौराणिक जलराशियों की पवित्रता से खिलवाड़ करने वाली किसी भी गतिविधि या निर्माण को बख्शा नहीं जाएगा।

नगर निगम की कार्रवाई, मजार के आसपास से हटाया अतिक्रमण

मुस्लिम समाज जन पहुंचे विरोध करने, भारी पुलिस बल तैनात

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम के पीछे स्थित नजरअली मिल परिसर में वर्षों से फैले अतिक्रमण पर शनिवार सुबह नगर निगम ने सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई की। परिसर में बनी पंच पीर मजार के आसपास झाडियों, अस्थायी कब्जों और अवैध निर्माण को जेसीबी की मदद से हटाया गया। कार्रवाई के दौरान कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बनी, जब मुस्लिम समाज के लोग मौके पर पहुंचकर मजार को न छेड़ने की मांग करने लगे।

शनिवार सुबह करीब 9 बजे नगर निगम की टीम तीन जेसीबी, दो डंपर और 50 से अधिक कर्मचारियों के साथ नजरअली मिल परिसर पहुंची। जोन क्रमांक दो के भवन अधिकारी राजकुमार राठौर के नेतृत्व में चल रही इस कार्रवाई में पहले मजार के आसपास फैली घनी झाडियों और पेड़-पौधों को हटाया गया। कुछ ही घंटों में पूरा इलाका समतल मैदान में तब्दील हो गया।

सुरक्षा घेरा, तीन थानों का बल तैनात - किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस प्रशासन पहले से अलर्ट था। सीएसपी कोतवाली राहुल देशमुख (आईपीएस) के नेतृत्व में तीन थानों का पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। पुलिस की मौजूदगी के चलते कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बनी रही।

मजार की बाउंड्री को हल्का नुकसान - अतिक्रमण हटाने के दौरान मजार की बाउंड्री वॉल को मामूली क्षति पहुंची, वहीं ऊपर लगा टीन शेड का एक हिस्सा भी गिर गया। इसे लेकर मौके पर मौजूद लोगों ने नाराजगी जताई, जिसके बाद निगम ने तोडफ़ोड़ रोकते हुए मलबा हटाने का काम शुरू किया।

विरोध के स्वर, निगम ने रोकी कार्रवाई- जैसे ही कार्रवाई की खबर फैली, आसपास के मुस्लिम समाज के लोग मौके पर जमा हो गए। उन्होंने निगम अधिकारियों और पुलिस से बातचीत करते हुए मजार को यथावत रखने की मांग की। हालात को देखते हुए निगम ने आगे की कार्रवाई अस्थायी रूप से रोक दी।

असामाजिक गतिविधियों का बनता था अड्डा- पुलिस और निगम अधिकारियों का कहना है कि मजार के आसपास लंबे समय से झाडियां और अवैध कब्जे थे, जिनका फायदा असामाजिक तत्व उठा रहे थे। यहां बैठकी और अवांछित गतिविधियों की शिकायतें लगातार मिल रही थीं।

पहले ही दिए जा चुके थे नोटिस - नगर निगम के अनुसार पंच पीर के नाम से जानी जाने वाली यह मजार वर्ष 2000 से यहां स्थित है। समय के साथ इसके आसपास अतिक्रमण बढ़ता चला गया। निगम की ओर से अतिक्रमण हटाने के लिए दो बार नोटिस दिए गए थे, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर अब सख्ती बरती गई।

क्या कहा अधिकारियों ने - इलाके में अव्यवस्था और असामाजिक गतिविधियां बढ़ रही थीं। इसलिए शांतिपूर्ण तरीके से अतिक्रमण हटाया जा रहा है।

— राहुल देशमुख, सीएसपी कोतवाली

नोटिस के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया, इसलिए नियमानुसार कार्रवाई की गई।

— राजकुमार राठौर, भवन अधिकारी, नगर निगम जोन-2

कलेक्टर ने दशहरा मैदान पर आयोजित होने वाले पांच दिवसीय वन मेले की तैयारियों का निरीक्षण किया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने शनिवार दोपहर दशहरा मैदान पर 12 फरवरी से आयोजित होने वाले पांच दिवसीय वन मेले की तैयारियों का जायजा लेने के लिए निरीक्षण किया। निरीक्षण कर कलेक्टर श्री सिंह ने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला वनमण्डल अधिकारी श्री अनुराग तिवारी,नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांस कूमट और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

शिव नवरात्रि में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी.. सुबह मीका सिंह पहुंचे दर्शन करने

दूसरे दिन हुआ भगवान महाकाल का दिव्य श्रृंगार – लड्डू प्रसाद का अतिरिक्त स्टॉक तैयार

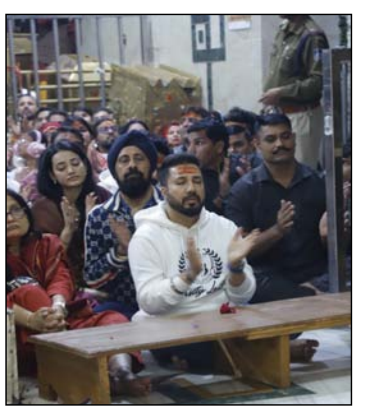

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में शुक्रवार से शिवनवरात्रि महोत्सव आरंभ हो गया है। इसके शुरु होते ही भगवान महाकाल के दुल्हा स्वरूप के दर्शन करने के लिए भक्तों की भीड़ बढ़ गई है। शनिवार को भगवान को सुबह पंचामृत स्नान कराने के बाद दिव्य श्रृंगार किया गया। इस दौरान लगभग एक लाख से अधिक भक्तों के दर्शन करने पहुंचे। मशहूर गायक मीका सिंह भी शनिवार सुबह उज्जैन पहुंचे और भस्म आरती में दर्शन किए।

महाकालेश्वर मंदिर के सहायक प्रशासनिक अधिकारी मूलचंद जूनवाल ने बताया कि महाकालेश्वर मंदिर में शिवनवरात्रि का उत्सव बड़ी धूम-धाम व उल्हास के साथ मनाया जा रहा है। इस दौरान 6 से 15 फरवरी तक शिव नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन भगवान के अलग-अलग रूपों में श्रद्धालुओं को दर्शन होंगे। उन्होंने बताया कि शिवनवरात्रि के पहले दिन शुक्रवार तथा दूसरे दिन शनिवार को 2 दिन में करीब 2 लाख से अधिक भक्तों ने भगवान महाकालेश्वर के दुल्हा स्वरूप के दर्शन किए। शनिवार को भी सुबह से महाकाल में भीड़ रही और शाम तक लोग दर्शन करते रहे। महाशिवरात्रि तथा शिव नवरात्रि पर्व को देखते हुए मंदिर के लड्डू प्रसाद काउंटरों पर लड्डू प्रसाद का अतिरिक्त स्टॉक रखा जा रहा है। आम दिनों में 40 से 45 क्विंटल प्रतिदिन लड्डू प्रसाद की खपत को देखते हुए वर्तमान में भीड़ बढने् पर इससे अधिक प्रसाद तैयार रखा गया है। उन्होंने यह भी बताया कि लड्डू निर्माण यूनिट में भी अब लगातार प्रसाद का निर्माण किया जा रहा है। यहां कर्मचारियों और उनके समय को भी बढ़ा दिया गया है। इधर आज तडक़े 4 बजे होने वाली भगवान महाकाल की भस्म आरती में प्रसिद्ध गायक मीका सिंह शामिल हुए और उन्होंने ने भगवान महाकालेश्वर की भस्म आरती के दर्शन नंदी हॉल में बैठकर किए। इस दौरान वे शिव भक्ति में लीन नजर आए तथा उन्होंने दोनों हाथ ऊपर उठाकर कई बार भगवान महाकालेश्वर के जयकारे भी लगाए। मीडिया से चर्चा में मीका सिंह ने कहा कि भगवान महाकाल की भस्म आरती में शामिल होकर उन्हें आत्मशांति और दिव्य अनुभूति का एहसास हुआ है। दर्शन के उपरांत महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के ओर से सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल के द्वारा मीका सिंह का स्वागत एवं सत्कार किया गया।

प्रतिदिन हो रहा है अलग अलग श्रृंगार- महाकाल मंदिर के पुजारी पं. आशीष गुरु ने बताया कि शिवनवरात्रि के दूसरे दिन आज फाल्गुन कृष्ण षष्ठी शनिवार को महाकालेश्वर भगवान का चन्दन व भांग से दिव्य श्रृंगार किया गया। श्रृंगार की सुबह से ही तैयारियां चल रही है और कोटि तीर्थ कुंड स्थित कोटेश्वर महादेव का शनिवार को सुबह विधिवत पूजन-अर्चन कर श्रृंगार किया गया। इधर शुक्रवार से मंदिर परिसर में दस दिवसीय शिव कथा, हरि कीर्तन का आयोजन आरंभ हो गया। यह प्रतिदिन सायं 4ः30 से 6 बजे तक नवग्रह मन्दिर के पास संगमरमर के चबूतरे पर किया जा रहा है।

बोर्ड परीक्षा की उलटी गिनती शुरू, उज्जैन में 10वीं-12वीं के 40 हजार से ज्यादा छात्र देंगे परीक्षा, नकल पर लगेगी सख्त लगाम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की वर्ष-2026 की हाईस्कूल एवं हायर सेकंडरी बोर्ड परीक्षाओं को लेकर जिले में प्रशासनिक तैयारियां अब अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। दशहरा मैदान स्थित शासकीय कन्या हायर सेकंडरी स्कूल परिसर में जिले के सभी परीक्षा केंद्रों के लिए गोपनीय परीक्षा सामग्री का वितरण कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच किया गया।

प्रश्न-पत्र, उत्तर पुस्तिकाएं और ओएमआर शीट जैसी अत्यंत गोपनीय सामग्री को वितरण के तुरंत बाद संबंधित थाना क्षेत्रों में पूरी पारदर्शिता के साथ जमा कराया गया। अब प्रशासन का पूरा फोकस परीक्षा को नकलमुक्त कराने और जिले के परिणाम को और बेहतर बनाने पर है।

परीक्षा के दिन एक घंटे पहले मिलेगी सामग्री- जिला शिक्षा विभाग ने परीक्षा संचालन को पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनाए रखने के लिए विशेष व्यवस्था की है। इसके तहत परीक्षा के दिन प्रत्येक केंद्र के लिए गोपनीय सामग्री परीक्षा शुरू होने के ठीक एक घंटे पहले संबंधित थाने से प्राप्त की जाएगी।

माशिमं के अनुसार जिले में 12वीं की बोर्ड परीक्षा 10 फरवरी से और 10वीं की परीक्षा 13 फरवरी से शुरू होगी। इसके लिए जिले में कुल 151 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

तकनीक के पहरे में अतिसंवेदनशील केंद्र- नकल पर प्रभावी रोक लगाने के लिए प्रशासन ने जिले के 10 परीक्षा केंद्रों को अतिसंवेदनशील श्रेणी में रखा है। इन केंद्रों पर मोबाइल फोन, स्मार्ट गैजेट्स और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के दुरुपयोग को रोकने के लिए जैमर लगाने की तैयारी की जा रही है। जैमर के जरिए परीक्षा कक्षों में किसी भी प्रकार के वायरलेस संचार को पूरी तरह निष्क्रिय किया जाएगा, जिससे नकल की संभावनाएं शून्य रहें।

10वीं से ज्यादा 12वीं के परीक्षार्थी - इस वर्ष जिले से कुल 40 हजार 173 विद्यार्थी बोर्ड परीक्षा में शामिल होंगे, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो बीते तीन वर्षों में जहां 10वीं के विद्यार्थियों की संख्या में मामूली गिरावट आई है, वहीं 12वीं के छात्रों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह बदलाव इस बात का संकेत है कि अब विद्यार्थी 10वीं के बाद पढ़ाई छोड़ने के बजाय 12वीं तक शिक्षा जारी रखने के प्रति अधिक जागरूक हो रहे हैं। इसके साथ ही प्राइवेट परीक्षार्थियों की संख्या में भी इजाफा हुआ है।

151 परीक्षा केंद्र, कड़ी निगरानी

जिले में कुल परीक्षा केंद्र = 151

10वीं के केंद्र = 77

12वीं के केंद्र = 74

अतिसंवेदनशील केंद्र = 10

इस बार भी 90% रिजल्ट का लक्ष्य- पिछले साल के शानदार प्रदर्शन को दोहराने के इरादे से जिला शिक्षा विभाग ने इस बार 90 प्रतिशत परिणाम का लक्ष्य तय किया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 में उज्जैन ने इतिहास रचा था। 10वीं का परिणाम 17 प्रतिशत की रिकॉर्ड बढ़ोतरी के साथ 75.49 प्रतिशत रहा था, जबकि प्रदेश की मेरिट लिस्ट में जिले के 6 विद्यार्थियों ने स्थान बनाकर उज्जैन का नाम रोशन किया था।